मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	36.0	34.1
जमशेदपुर	37.2	26.8
डालटनगंज	34.4	29.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in
सोमवार 08 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 14 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 349
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

सुकून

रमता जोगी :

मगरमच्छों के बीच एक दिन

जरूरी है स्पीड पर कंट्रोल

कुदरत से सीखें संतुलन

धीमी शुरुआत से बढ़े प्रोडक्टिविटी

अच्छी है धीमी गति

क्रिएटिविटी बूस्ट करे धीमी रफ्तार

नई सुबह का आगाज़ अभी बाकी है

तीस प्लस के हैं तो अब संभलिए

पेज 9

THE PATHSHALA

The **PathShala**

JEE MAIN / JEE ADVANCED, OLYMPIAD, NTSE

Bio शाला

For NEET/Medical

Every Child Matters ! The PathShala Cares !!

Our Best Result In JEE-Main (Session-I) 2024

Santosh Rawani
Percentile - 99.71
JEE Main

Piyush
Percentile - 99.13
JEE Main

Dhairya Pandey
Percentile - 98.58
JEE Main

Nisha Lakshmi
Percentile - 98.14
JEE Main

Dhairya Singh
Qualified RMO

Total 13 Students above 98 Percentile | Total 63 Students above 95 Percentile | Total 131 Students above 90 Percentile

Our Star Performer In 2022

Samridhi Sahay
Percentile - 99.90
AIR-995
JEE Main
AIR - 1901
JEE Advanced

Class Commencement Dates For New Session

- Class 11th New Batch | 20 April (Saturday) 2024
- Class 12th | 09 April (Tuesday) 2024
- Class 8th, 9th, & 10th | 09 April (Tuesday) 2024

Class 12th Pass

- 12th Pass JEE 20 April (Saturday) 2024
- 12th Pass NEET 21 May (Tuesday) 2024

ADMISSION
ANNOUNCEMENT

For New Session
2024-2025

Admission Open for
Jee Main, Jee Advanced, NEET
Foundation, Olympiad, NTSE
VIII, IX, X, XI, XII, & XII Pass

To Register For Scholarship
- Scan QR code and Download APP
  My Scholarship, ThePathShala
- Register at website
  scholarship.thepathshala.net

Admission cum Scholarship Test (Every Sunday)

For Student in Class VII, VIII, IX, X, XI
Get Upto 100% Scholarship and Cash Reward Upto ₹ 2 Lakhs

5th Floor, Akash Complex, Doranda, 9771655056 | 408, 4th Floor, Hari Om Tower, Lalpur, 9771654536

ब्रीफ खबरें

मुख्य सचिव का बनाया फेक व्हाट्सएप अकाउंट

रांची। झारखंड पुलिस साइबर अपराध को रोकने का लगातार प्रयासरत है, लेकिन इस पर लगाम नहीं लग पा रही है. साइबर गिरोह के लोग ठगी करने के लिए एक से बढ़कर एक तरीके निकाल रहे हैं. हद तो उस वक्त हो गयी जब साइबर अपराधियों ने झारखंड के मुख्य सचिव एल. खियांग्ते का फेक व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर ठगी करने का प्रयास किया. साइबर अपराधियों ने 8604244052 नंबर से मुख्य सचिव एल. खियांग्ते के नाम से फेक व्हाट्सएप अकाउंट बना कर आम लोगों से ठगी का प्रयास किया. फेसबुक और व्हाट्सऐप अकाउंट से फोटो चोरी कर साइबर अपराधी फेक प्रोफाइल बनाते हैं. इस फर्जी प्रोफाइल के जरिए वो यूजर्स के जानने वालों से पैसों की मांग करते हैं. कई बार अपराधी फेसबुक को हैक कर भी यूजर के प्रोफाइल को इस्तेमाल कर लेते हैं और यूजर को इसकी भनक भी नहीं लगती है. सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी विदेशी या किसी अनजान नंबर से व्हाट्सऐप पर फेक प्रोफाइल तैयार कर जानने वालों से राशि की मांग करते हैं.

40 एमएमटी कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा

रांची। भारत की नवरत्न कंपनियों में शुमार एकीकृत बिजली कंपनी नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए कैप्टिव खदानों से 40 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है. नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन को यह लक्ष्य पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कैप्टिव कोयला उत्पादन में 17 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल करने में मदद करेगा. ऐसे में एनटीपीसी वित्त वर्ष 2024-2025 में कैप्टिव खदानों के माध्यम से कोयले की 15 प्रतिशत से अधिक आवश्यकता पूरी हो जाएगी, जिससे बिजली उत्पादन के लिए ईंधन की सुरक्षा मजबूत होगी. कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 31 मार्च तक 34.15 एमएमटी कोयला प्रेषण का लक्ष्य हासिल कर लिया है और कोयला उत्पादन 34.38 एमएमटी रहा. यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रतिबद्धता दर्शाता है.

ललटू महतो, आस्तिक महतो, सुनील महतो, स्नेहा महतो हैं रेस में, पार्टी नेतृत्व को लेना है फैसला

जमशेदपुर सीट : कुरमी की काट कुरमी से करने की तैयारी में है झामुमो

कौशल आनंद। रांची

जमशेदपुर लोकसभा सीट एक बार फिर से हॉट सीट बनती जा रही है. इंडिया गठबंधन के तहत यह सीट झामुमो के खाते में आयी है. जमशेदपुर से दो बार के सांसद विद्युत वरण महतो की काट निकालने में झामुमो जुटा है. मिली जानकारी के अनुसार पार्टी कुरमी की काट कुरमी से ही करने की तैयारी में है. कुरमी जाति पिछले एक वर्ष से भाजपा से नाराज चल रही है. कुरमी का गुस्सा भाजपा के साथ-साथ केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा से भी है, जिन्होंने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में खुद कुरमी को एसटी बनाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था. मगर अब वह कह रहे हैं कि ऐसा कोई प्रस्ताव केंद्र के पास लंबित नहीं है. इस बात से कुरमी समाज मुंडा के प्रति जबरदस्त रोष है. इस बात को समझते हुए झामुमो इसका चुनावी लाभ उठाना चाहता है. वैसे तो जमशेदपुर से झामुमो के लिए एक नहीं चार-चार नेता रेस में हैं. मगर पार्टी किस अपना दांव खेलती है, यह देखना दिलचस्प होगा.

ये हैं रेस में

लालटू महतो : लालटू महतो मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के करीबी में माने जाते हैं. इस सिलसिले में विगत कई दिनों से रांची-धनबाद एक किए हुए हैं. न केवल मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं बल्कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं. लालटू महतो के पिता स्व. अजीत महतो झामुमो के संस्थापक सदस्य थे. इनका राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यो में काफी योगदान रहा है .लालटू महतो कुडमी समाज के मांगो को लेकर हमेशा मुखर रहे हैं.

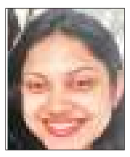

स्नेहा महतो : स्नेहा महतो झारखंड आंदोलकारी और झामुमो के संस्थापक स्व. निर्मल महतो की भतीजी, पूर्व डिप्टी सीएम और झामुमो के दिग्गज नेता रहे स्व. सुधीर महतो एवं ईचागढ़ की विधायक सविता महतो की पुत्री हैं. युवा चेहरा होने के साथ-साथ उनकी राजनीतिक परिवार की पृष्ठभूमि रही है. पढ़ी लिखी होने के कारण ये भी प्रमुख दावेदार के रूप में सामने आ रही हैं.

सुनील महतो : पूर्वी सिंहभूम के जिला सचिव रहे सुनील महतो भी झामुमो के टिकट के दावेदारी कर रहे हैं. ये पार्टी में कोल्हान से एक वरिष्ठ नेता के रूप में शुमार रहे हैं. सुनील महतो कोल्हान के कई विधायकों से संपर्क बनाए हुए हैं और अपनी लांबिंग करवा रहे हैं. अब पार्टी इन पर कितना भरोसा कर पाती है. यह भी देखना दिलचस्प होगा.

आस्तिक महतो : आस्तिक महतो झामुमो के वरिष्ठ नेता हैं. बीच में वे झामुमो छोड़ कर आजसू में चले गए थे और आजसू के टिकट पर जमशेदपुर से चुनाव लड़ चुके हैं. 2011 के उपचुनाव में जब झाविमो के टिकट पर डॉ अजय कुमार सांसद बने, उस समय वे 99 हजार मत लाए थे. ये भी अपनी मजबूत दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर का निर्देश

मैनिफेस्टो का सभी भाषाओं में अनुवाद कर लोगों तक पहुंचाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मीडिया, वार रूम और सोशल मीडिया के पदाधिकारियों के साथ रविवार को बैठक की. प्रभारी ने मीडिया विभाग के कार्यों की जानकारी हासिल की और आवश्यक दिशानिर्देश भी दिये. कहा कि पांच न्याय 25 गारंटी और कांग्रेस के मैनिफेस्टो को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाएं. झारखंड में बोली और लिखी जानेवाली सभी भाषाओं में मैनिफेस्टो का अनुवाद करें. चुनाव के दौरान विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में व्यापक प्रचार- प्रसार के लिए प्रदेश स्तर के प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रभारी के रूप में जिला व लोकसभा स्तर पर की जाए, ताकि जिला और लोकसभा स्तर के प्रवक्ताओं से समन्वय स्थापित किया जा सके.

बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिन्हा, अमूल्य नीरज खलखो, मानस सिन्हा, सोनाल शांति, निरंजन पासवान, आभा सिन्हा, डॉ संजय सिंह, कमल ठाकुर, शांतनु मिश्रा, रियाज अहमद, खुर्शीद हसन रूमी, जेबा खान, शकील अहमद अंसारी, ऋषिकेश, सोशल मीडिया चेयरमैन गजेंद्र सिंह, अग्रणी संगठन चेयरमैन गुंजन सिंह, नेली नाथन, अमीर हासमी, भानु प्रताप बड़ाईक, केदार पासवान, सुनीत शर्मा, ओंकार नाथ पांडे, हृदयानंद यादव, वार रूम प्रभारी पूर्णिमा सिंह, अजय सिंह, गुलजार अहमद के अलावा अन्य उपस्थित थे.

मीडिया विभाग के सदस्यों की भूमिका है काफी महत्वपूर्ण

झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटि

अपनी बातें जनता तक पहुंचाने के लिए मीडिया सशक्त माध्यम

प्रभारी मीर ने कहा कि लोकसभा चुनाव काफी महत्वपूर्ण है. मीडिया विभाग के सदस्यों की भूमिका चुनाव के दौरान तो महत्वपूर्ण है ही, लेकिन चुनाव के पहले की तैयारी मीडिया विभाग से जुड़े नेताओं पर ही होती है. आज के दौर में अपनी बातों को जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम मीडिया ही है. जनता से सीधा संवाद इसी माध्यम से होता है. यही कारण है कि मोदी सरकार के खास नुमाइंदों ने पिछले एक दशक के दौरान येन केन- प्रकारेण विभिन्न माध्यमों से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर कब्जा करने की कोशिश की, इसमें वह काफी हद तक सफल भी रहे. लेकिन आम जनता की आवाज को कांग्रेस उठाती रही और यही कारण है कि मोदी सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद मीडिया हमारी बातें जनता के समक्ष रख रही है.

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सहयोग बेहतरीन ढंग से लें: राजेश ठाकुर

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि चुनावी जंग का मैदान तैयार है. जंग जीतने के लिए हर हथियार का इस्तेमाल किया जाता है, परंतु लोकतंत्र में जनता की आवाज को हुकूमत तक पहुंचाने का बेहतरीन और सशक्त हथियार मीडिया ही है. हम अपनी बातें और कांग्रेस के मैनिफेस्टो पांच न्याय 25 गारंटी को जितने बेहतर तरीके से मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचा सकते हैं, उससे बेहतर माध्यम और कोई नहीं हो सकता. यह जरूरी है कि संविधान बचाने की इस लड़ाई में हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सहयोग बेहतरीन ढंग से लें. मोदी सरकार की कारगुजारियों से न सिर्फ जनता बल्कि लोकतंत्र का हर स्तंभ परेशान व नाराज है और शायद यही वजह है कि भाजपा लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर सशंकित है.

भाजपा ने बैठक कर बनाई चुनाव की रणनीति

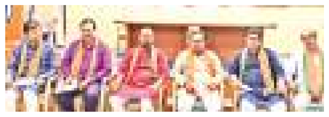

रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मीडिया प्रबंधन और संपर्क विभाग की बैठक हुई. प्रदेश मीडिया प्रबंधन एवं मीडिया संपर्क विभाग द्वारा लोकसभावार बनाये गये संयोजक, सह-संयोजक और प्रदेश मीडिया प्रबंधन के कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए. इसमें चुनाव कार्य में लगाये गये कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा हुई और लोकसभा चुनाव में 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने में मीडिया प्रबंधन की भूमिका पर जोर दिया गया. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि चुनाव कार्य में लगाये गये कार्यकर्ताओं की सजगता एवं तत्परता से ही हम पार्टी के 400 पार सीटों के लक्ष्य को हासिल करने में अपना योगदान दे सकते हैं. उन्होंने सभी से अपनी-अपनी जिम्मेवारी के प्रति तत्पर रहने की अपील की.बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और प्रदीप सिन्हा ने भी कार्यकर्ताओं को मीडिया प्रबंधन के कई तकनीकी बिंदुओं के टिप्स दिये.

विधि व्यवस्था के लिए गृह विभाग ने राशि आवंटित की

संवाददाता। रांची

झारखंड के सभी जिलों में विधि-व्यवस्था के लिए गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 2.15 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की है. इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि राशि की निकासी संबंधित जिला कोषागार से की जाएगी.

जानें किस जिले के लिए कितनी राशि आवंटित

देवघर	15 लाख	पलामू	04 लाख
दुमका	15 लाख	गढ़वा	04 लाख
पाकुड	04 लाख	लातेहार	04 लाख
गोड्डा	20 लाख	चतरा	04 लाख
साहिबगंज	04 लाख	जमशेदपुर	05 लाख
जामताड़ा	04 लाख	चाईबासा	15 लाख
रांची	20 लाख	सिमडेगा	05 लाख
खूंटी	05 लाख	धनबाद	15 लाख
लोहरदगा	04 लाख	सरायकेला	10 लाख
रामगढ़	10 लाख	गुमला	04 लाख
बोकारो	15 लाख	गिरिडीह	04 लाख
हजारीबाग	20 लाख	कुल	2.15 करोड़
कोडरमा	05 लाख		

किताबें नहीं मिलने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

एनसीईआरटी की किताबें नहीं मिलने से बढ़ी बच्चों की परेशानी

पियूष गौतम। रांची

राजधानी सहित राज्य के अन्य जिलों के स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 की शुरुआत होते ही पठन-पाठन का काम भी सुचारू रूप से शुरू हो गया है. लेकिन आलम यह है कि बाजार में एनसीईआरटी की किताबें नदारद हैं. बच्चों को नई किताबें नहीं मिल सकी हैं. बिना किताबों के ही पढ़ाई शुरू कर दी गयी है.शहर में एनसीईआरटी किताबों के डिस्ट्रीब्यूटर ग्रंथ भारती, पुस्तक मंदिर और 'जयश्री बुक हाउस' के संचालक ने बताया कि रांची में एनसीईआरटी किताबों की आपूर्ति कोलकाता से होती है. अब तक की स्थिति यह है कि नई किताबों के स्टॉक उपलब्ध ही नहीं हैं, जबकि पुराने वर्ष की किताबों का स्टॉक केवल 30 से 40 प्रतिशत ही है. लेकिन पुरानी किताबों को छात्र प्रथमिकता नहीं दे रहे हैं. वे पुरानी किताबें नहीं खरीदना चाहते हैं.

किताबें नहीं मिलने से बढ़ती है कालाबाजारी : जयश्री बुक हाउस के ऑनर संजय मिश्रा ने बताया कि हमें हमारी डिमांड के मुताबिक किताबों की आपूर्ति नहीं होती है और यह कोई नई बात नहीं है. पिछले कुछ वर्षों से अब तक यही होता आ रहा है. इसलिए अक्सर किताबों की कमी बनी रहती है. इससे एनसीईआरटी की पाइरेटेड किताबों की कालाबाजरी भी बढ़ती है. कई बार न चाहते हुए भी पाइरेटेड किताबें खरीदना छात्रों के लिए मजबूरी होती है. फिलहाल स्टॉक में कक्षा एक और दो की पर्याप्त किताबें हैं. जबकि तीसरी से 12वीं कक्षा तक की किताबें स्टॉक में नहीं हैं. उम्मीद है जल्द ही मांग के अनुरूप किताबों की आपूर्ति होगी.

राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी और ई-पाठशाला ऐप पर किताबें उपलब्ध : किताबों की अनुपलब्धता के कारण छात्रों का पढ़ाई प्रभावित होना लाजिमी है. ऐसे में ऑनलाइन उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर छात्र अपनी कक्षा के पाठ्यपुस्तकों को पढ़ सकते हैं. सभी एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें एनसीईआरटी वेबसाइट के साथ-साथ बहुत सारी डिजिटल एप पर उपलब्ध है.

नए सत्र में सिर्फ कक्षा 3 और 6 के लिए ही पुस्तकें जारी होंगी

बता दें कि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 (एनसीएफ-23) के अनुरूप एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकें विकसित करने की प्रक्रिया में है. इस शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एनसीईआरटी केवल कक्षा 3 और 6 के लिए ही नई पाठ्य पुस्तकेंही प्रकाशित करेगा. कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तकें अप्रैल 2024 के अंतिम सप्ताह तक और कक्षा 6 की पाठ्य पुस्तकें मई 2024 के मध्य तक मुद्रित संस्करण में उपलब्ध होंगी.

31 मई तक किताबों की 1.03 करोड़ प्रतियां उपलब्ध होने की उम्मीद

एनसीईआरटी ने बताया कि कक्षा 1, 2, 7, 8, 10 और 12 के लिए पाठ्यपुस्तकों के 2023-2024 संस्करणों की 1.21 करोड़ प्रतियां पूरे देश में जारी की गई हैं. इसके अलावा कक्षा 4, 5, 9 और 11 के लिए 27 .58 लाख पुस्तकों का बफर स्टॉक भी जारी किया गया है, जबकि नए प्रिंट ऑर्डर के अनुसार इन कक्षाओं के लिए 1.03 करोड़ प्रतियां 31 मई 2024 तक उपलब्ध होने की उम्मीद है.

शीर्ष नक्सली अनिल यादव से एनआईए कर रही पूछताछ

संवाददाता। रांची

खास बातें

- भाकपा माओवादी प्रमोद मिश्रा के सहयोगी हैं अनिल
- बिहार के गया जिले के लुटुआ गांव का रहनेवाला है

भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा के सहयोगी नक्सली अनिल यादव से एनआईए पूछताछ कर रही है. अनिल यादव मूल रूप से बिहार के गया जिले के लुटुआ गांव का रहने वाला है. बता दें कि बिहार पुलिस ने रितेश विद्यार्थी के भाई रोहित विद्यार्थी को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी. इस दौरान रोहित विद्यार्थी ने पुलिस को बताया था कि प्रमोद मिश्रा गया जिले का लुटुआ गांव आने वाला है. सूचना के आधार पर बिहार पुलिस ने 9 अगस्त 2023 को पोलित ब्यूरो सदस्य और एनआरबी (उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो) के प्रभारी प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को गिरफ्तार कर लिया था. प्रमोद मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद बिहार पुलिस ने हथियार, गोला-बारूद और एक बंदूक फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया था. जिसे बिहार और यूपी में हथियारों की सप्लाई करने और देसी हथियारों को इकट्ठा करने के लिए स्थापित किया गया था.

भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने में जुटे थे प्रमोद : एनआईए जांच से संकेत मिले हैं कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंगों को भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से कैडरों को प्रेरित करने, भर्ती करने और माओवादी की विचारधारा का प्रचार करने का काम सौंपा गया था. वे इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आतंक और हिंसा की साजिश रच रहे थे. जांच से यह भी पता चला है कि प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में माओवादी के कैडरों व समर्थकों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स का नेतृत्व कर रहे थे.

बड़ा सवाल : कल्पना को सहानुभूति मिलेगी या सीता को

परिस्थितियां खींच लायी दोनों गोतनी को राजनीति में

रवि भारती। रांची

झारखंड इन दिनों में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की दोनों बहुएं काफी चर्चा में हैं. दोनों में समानता यह है कि परिस्थिति ने उन्हें राजनीति में कदम रखने को विवश कर दिया. कल्पना सोरेन को ठीक उसी तरह राजनीति में आना पड़ा, जैसे सीता सोरेन ने राजनीति में कदम रखा. फर्क सिर्फ इतना है कि 21 मई 2009 को दुर्गा सोरेन के असामयिक निधन की वजह से सीता सोरेन को राजनीति में कदम रखना पड़ा. उन्हें पिछले तीन चुनावों से जामा की जनता का आशीर्वाद मिलता आ रहा है. वहीं कल्पना सोरेन को 31 जनवरी को पति हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद राजनीति के मैदान में उतरना पड़ा.

विधायक से ऊपर नहीं उठ सकीं सीता : दुर्गा सोरेन के निधन के महज कुछ दिन बाद हेमंत सोरेन 24 जून 2009 को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे, लेकिन सही मायने में राजनीति की शुरुआत 2009 के विस चुनाव से हुई. 2005 में दुमका सीट हारने के बाद 2009 में हेमंत ने वापसी की और इसके बाद कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा. अर्जुन मुंडा सरकार में उप सीएम बने. बाद में कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना कर सीएम बन गये. 2014 में रघुवर दास की सरकार बनी, तो नेता प्रतिपक्ष रहे और 2019 में फिर सत्ता पर काबिज हो गये. लेकिन इस दौरान चुनाव जीतने के बावजूद सीता विधायक के पद से ऊपर नहीं उठ सकीं.

दोनों के नारों में भी झलकता है साम्य

सीता सोरेन दुमका से बीजेपी की उम्मीदवार हैं. उनका नारा है झारखंड को झुकाना नहीं बल्कि झारखंड को बचाना है. वहीं कल्पना सोरेन का एक ही नारा है... झारखंड झुकेगा नहीं. दोनों के नारों में भी साम्य झलकता है. देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा सीता सोरेन को क्या टास्क देती है, इस पर पिक्चर क्लीयर नहीं है. कल्पना सोरेन का विजन क्लियर है. गांडेय सीट पर 20 मई को उपचुनाव होना है. कल्पना सोरेन लगातार जनसभाएं कर रहीं हैं. वहीं सीता सोरेन भी कैंपेनिंग कर रही हैं. अब चुनाव परिणाम ही बताएगा कि किसके पाले में गेंद रही.

सीता के पास एकमात्र जमा पूंजी दुर्गा सोरेन का नाम

सीता सोरेन के पास एकमात्र जमापूंजी है दुर्गा सोरेन का नाम. वहीं कल्पना सोरेन के साथ पार्टी खड़ी है. यह भी समझना होगा कि सीता सोरेन को आखिर परिवार क्यों छोड़ना पड़ा. इसकी सबसे बड़ी वजह हो सकती है राहुल की न्याय समापन यात्रा में कल्पना सोरेन का शामिल होना. सीएम चंपाई सोरेन न सिर्फ कल्पना सोरेन को साथ लेकर गये बल्कि मंच पर उन्हें बोलने का भी मौका दिया गया. इसी से साफ हो गया था कि झामुमो का नेतृत्व किसके हाथ में हैं. यह जानते हुए भी कि कल्पना का पार्टी में कोई ओहदा नहीं है, जबकि सीता केंद्रीय महासचिव थीं.

बड़ी सफलता हटिया डिवीजन की फ्लाइंग टीम ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

हटिया स्टेशन से सात नाबालिग रेस्क्यू, तीन गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

हटिया स्टेशन से पुलिस ने रविवार को सात नाबालिगों को बरामद किया है. साथ ही तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है. आरपीएफ पोस्ट हटिया की एएचटीयू, नन्हे फरिश्ते और रांची डिवीजन की फ्लाइंग टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है. जानकारी के अनुसार, हटिया स्टेशन पर बाल और मानव तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. सुबह करीब पांच बजे चेकिंग के क्रम में सात नाबालिग और तीन व्यक्ति प्लेटफार्म नंबर एक पर एस्केलेटर के नीचे ट्रेन का इंतजार कर रहे थे. संदेह होने पर सभी से पूछताछ की गयी.

पूछताछ में पता चला कि सात नाबालिगों के साथ तीनों लोग विजयवाड़ा जाने वाली ट्रेन (ट्रेन नंबर 18637 एक्सप्रेस) पकड़ने के लिए बस से हटिया रेलवे स्टेशन आये थे.

विजयवाड़ा ले जाने की थी तैयारी

पुलिस की पूछताछ में पकड़े गये तीन में से एक व्यक्ति सुनेश कच्छप ने बताया कि उसके गांव में ठेकेदार रियाज अंसारी का ट्रैक्टर का काम चल रहा था. वहां वह (सुनेश कच्छप) भी काम कर रहा था. बताया कि रियाज अंसारी को छह माह पहले विजयवाड़ा स्थित इलेक्ट्रिक बोर्ड बनाने वाली वायरस कंपनी में ले जाया गया. दो माह पहले वह गांव आया था. छह अप्रैल 2024 को ठेकेदार रियाज अंसारी ने उसको डाल्टेनगंज बस स्टैंड में बुलाया और इन सातों नाबालिग से परिचय कराया. सुनेश कच्छप ने बताया कि रियाज अंसारी ने उसको पांच हजार और सभी का फर्जी आधार कार्ड दिया.बताया कि रियाज ने उसको कहा कि वहां पहुंचाने के बाद वह उसे और पांच हजार रुपये देगा. बताया कि उसके कहने पर ही सभी नाबालिग को वह डाल्टेनगंज से बस से हटिया स्टेशन लेकर आया. स्टेशन से जेनरल टिकट लेकर विजयवाड़ा जाने वाली ट्रेन का प्लेटफार्म नंबर एक पर इंतजार कर रहे थे.

चित्रपट झारखंड के आठ विभागों के समन्वयक की घोषणा की गई

संवाददाता। रांची

चित्रपट झारखंड की वार्षिक योजना को लेकर रविवार को विश्व संवाद केंद्र कांके रोड सभागार में बैठक कर वित्तीय वर्ष की योजनाओं की रूपरेखा पर चर्चा की गयी. नए सचिव के रूप में पुलिन मित्र को मनोनीत किया गया.अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह की अध्यक्षता में 2023-2024 की कार्ययोजना एवं बजट की घोषणा की गई. साथ ही साथ झारखंड को आठ विभागों में बांटा गया. संथालपरगना का समन्वयक डॉ दीपक प्रसाद, धनबाद का योगेंद्र तुलस्यान , पलामू का नवीन कुमार सहाय को बनाया गया.

राकेश रमण को हजारीबाग व गुमला, सुमित मित्तल को रांची का विभाग समन्वयक बनाया गया. इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत संघ चालक अशोक कुमार श्रीवास्तव को चित्रपट झारखंड द्वारा प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया.

मुंबई इंडियंस का खाता खुला

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

चुनावी समर 2024

सोमवार 08 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 14 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 349

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 12

नवादा की रैली में मोदी ने भरी हुंकार

रामनवमी आ रही, पाप करने वालों को भूलना मत

नवादा। पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार के नवादा में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि यहां गठबंधन एक उम्मीदवार खड़ा करता है, तो दूसरा दल कहता है कि असली उम्मीदवार कोई और है. ये मजबूरी में एक साथ आए हैं, इंडिया गठबंधन मतलब देश विरोधी नफरती ताकतों का ठिकाना. इसके साथ ही मोदी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए कामों को गिनाया. पीएम मोदी ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि वे कहते हैं कि मोदी का गारंटी देना ठीक नहीं है और इसपर बैन लगना चाहिए. उन्होंने कहा कि मोदी का गारंटी देना गैरकानूनी है. पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता के कथित बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी गारंटी देता है क्योंकि मोदी की नीयत साफ है. मोदी इसलिए गारंटी देता है क्योंकि वो गारंटी पूरी करने के लिए मेहनत करता है. पिछले दिनों आयोध्या में बने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, जिसमें विपक्ष के कई दलों ने हिस्सा नहीं लिया. ऐसे नेताओं पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि मोदी ने गारंटी दी थी कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनेगा, मंदिर का शिखर आसमान छू रहा है. दुनिया देख रही है.

नीतीश कुमार की फिसली जुबान

चार हजार से ज्यादा एमपी रहेंगे पीएम मोदी के पक्ष में इस बार

नवादा। पीएम नरेंद्र मोदी की रविवार को नवादा की सभा में बिहार के सीएम नीतीश कुमार की जुबान फिसल गयी. इस को लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर जम कर ट्रोल किया जा रहा. उन्होंने सबसे पहले बिहार सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ को याद कराया. इसी बीच नीतीश की जुबान भी फिसली. उन्होंने कहा- आदरणीय प्रधानमंत्री जी का दसवां साल चल रहा है. फिर तो आगे रहबे करेंगे. पांच साल में कोई दिक्कत नहीं. हमको पूरी उम्मीद है कि चार... चार हजार से ज्यादा एमपी रहेंगे इनके पक्ष में. हम यही अनुरोध करने आएं हैं. पूरा दीजिए. देश में 543 संसदीय क्षेत्र हैं और इतने ही सांसद चुने जाते हैं. बिहार में 40 सीटें हैं. पीएम मोदी ने इस बार 400 पार का लक्ष्य रखा है, लेकिन मुख्यमंत्री 400 की जगह चार हजार बोल गए. सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले बिजली और शौचालय की क्या स्थिति थी? इसके बाद हमलोग आए तो सब ठीक करवाए. लोगों को नौकरी नहीं मिलती थी. हमलोग आए तो कितना नौकरी दिए. 20 लाख रोजगार का वादा निभाने का काम कर रहे हैं. अभी तक पांच लाख लोगों को रोजगार मिल गया . 10 लाख नौकरी का भी वादा हमलोग निभाने जा रहे.

तेजस्वी यादव का मोदी पर पलटवार

भाजपा के लोग खुद को ही भगवान राम न समझ लें

पटना। बिहार के नवादा में पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में इंडिया एलायंस और राजद पर सनातन धर्म के अपमान का आरोप लगाते हुए जम कर हमला बोला और उन्हें सनातन विरोधी बताया. इस पर पूर्व डिप्टी सीएम और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया दी है. तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम के पास और कुछ नहीं है, उनके पास क्या सबूत है इस बात का, हम और आप हिंदू नहीं हैं क्या? तेजस्वी यादव ने कहा, मेरे घर में मंदिर है, हमलोग पूजा नहीं करते हैं क्या ? ये दिखाने वाली बात है क्या, हम क्या विरोधी हैं. जितने भाजपा के नेता हैं वो अपने आपको भगवान राम समझ रहे हैं क्या? उनका विरोध कर रहे हैं तो ये भगवान राम का विरोध कैसे हुआ. भाजपा के लोग अपनी तुलना भगवान राम से न करें. भगवान राम सब देख रहे हैं और सबको वहीं जाना है. भगवान राम जब न्याय करेंगे तो इन लोगों को पता चल जाएगा. अपने आपकी भगवान राम से तुलना न करें. बता दें कि नवादा से भाजपा विवेक ठाकुर उम्मीदवार हैं और उन्हीं के प्रचार के लिए पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को नवादा रैली करने पहुंचे हुए थे.

राहुल गांधी ने किया एक और वादा

हम लोग सत्ता में आये तो संपत्ति बंटवारे का भी सर्वेक्षण करवाएंगे

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पार्टी के ''जितनी आबादी उतना हक'' नारे का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो यह पता लगाने के लिए एक वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएगी कि देश की अधिकतर संपत्ति पर किसका नियंत्रण है. कांग्रेस का घोषणापत्र जारी करने के बाद हैदराबाद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के अलावा वेल्थ सर्वे (संपत्ति के बंटवारे का सर्वेक्षण) कराया जाएगा, यह हमारा वादा है. उन्होंने कहा, हम पहले यह निर्धारित करने के लिए एक जाति जनगणना करेंगे कि कितने लोग अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), एससी, एसटी और अल्पसंख्यक समुदाय से हैं. उसके बाद, धन के समान वितरण को पक्का करने के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत हम एक वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएंगे. यह रेखांकित करते हुए कि पार्टी सभी क्षेत्रों में सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व तय करेगी, राहुल ने कहा कि कांग्रेस यह पक्का करेगी कि लोगों को उनका उचित शेयर दिलाया जा सके.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,400
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

फिल्म 'इंडियन 2' जून में होगी रिलीज

नयी दिल्ली। अभिनेता कमल हासन की फिल्म ''इंडियन 2'' जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. तमिल फिल्म इंडियन 2 का निर्देशन शंकर ने किया है. यह 1996 में आई जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म इंडियन का दूसरा भाग है. इंडियन 2 का निर्माण करने वाली कंपनी लाइका प्रोडक्शंस ने एक्स पर फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी साझा की.

आप नेताओं ने किया सामूहिक अनशन

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी के प्रमुख नेता रविवार को यहां जंतर-मंतर पर एक दिवसीय अनशन पर बैठे. इस मौके पर सभी ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाये.

टीएमसी नेताओं को मिल रही धमकी: ममता

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं से या तो भाजपा में शामिल होने या कार्रवाई का सामना करने के लिए कह रही हैं. यह घोर आपत्तिजनक है. चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए.

तो राहुल को ब्रेक ले लेना चाहिए: प्रशांत

नयी दिल्ली। जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि यदि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं, तो राहुल गांधी को अपने कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए. उन्होंने कहा कि राहुल के साथ उनकी सहानुभूति है, लेकिन जनता के मन में क्या है, यह तो चुनाव के बाद मालूम होगा.

24 हजार विस्थापित शिविरों से डालेंगे वोट

इंफाल। मणिपुर में 11 महीनों से जारी संघर्ष, 50000 से अधिक लोगों के विस्थापित होने तथा कुछ लोगों में चुनाव विरोधी भावना होने के बीच निर्वाचन आयोग राज्य में लोकसभा चुनाव कराने के चुनौतीपूर्ण काम के लिए जुट गया है. राज्य में चुनाव सरगर्मियां फीकी नजर आ रही हैं.

बंगाल में गुंडों का कई इलाकों पर नियंत्रण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं है और राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका कारण अतीत की विरासत हो सकता है.

250 से 300 मेगावाट बिजली की कमी राज्य में

10 से 12 घंटे ही मिल रही बिजली ग्रामीण क्षेत्रों में

19 से 21 घंटे ही मिल रही बिजली शहरी क्षेत्रों में

2500 से 3000 मेगावाट होने की संभावना गर्मी में बिजली की डिमांड, होगी बड़ी परेशानी

बेचैन करेगी बिजली

रवि भारती। रांची

इस साल भी गर्मी में बिजली रुलाएगी. अभी गर्मी शुरू होते ही 250 से 300 मेगावाट बिजली की कमी होने लगी है. ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल रही है. जबकि शहरी क्षेत्रों में 19 से 21 घंटे ही बिजली मिल रही है. गर्मी में बिजली की डिमांड बढ़ कर 2500 से 3000 मेगावाट होने की संभावना जताई गई है. वित्तीय वर्ष 2014-15 में पीक ऑवर में (शाम छह बजे से रात 10 बजे तक) 86 मेगावाट कमी थी. जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में यही कमी बढ़ कर 535 मेगावाट हो गई है. झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने केंद्र सरकार के पावर एक्सचेंज से 300 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की मांग की है. इसके लिए पत्राचार भी किया गया है. पावर एक्सचेंज से बिजली नहीं मिल पा रही है. बिजली न मिलने की वजह से सुबह व शाम के समय रांची, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, चाईबासा आदि जगहों पर प्रतिदिन बिजली की कटौती की जा रही है.

पतरातू पावर प्लांट से अब तक उत्पादन शुरू नहीं हुआ : बता दें कि पतरातू पावर प्लांट से अब तक उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है. 2019 में ही पतरातू प्लांट से उत्पादन शुरू होना था, लेकिन 2024 अप्रैल में भी उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है. जानकारी के अनुसार अब जुलाई से उत्पादन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है.

पतरातू पावर प्लांट 4000 मेगावाट का है. इस पावर प्लांट से 85 फीसदी बिजली मिलेगी. वहीं नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट के दो यूनिट से बिजली मिलनी शुरू हो गयी है. वहीं गोड्डा स्थित अडाणी पावर से 1600 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है. इससे उत्पादित सारी बिजली बांग्लादेश भेज दी जाती है. हालांकि शर्तों के अनुसार, अडाणी झारखंड को 400 मेगावाट बिजली देने पर सहमत हैं. इसके लिए भी पीपीए की प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है.

शहरों के साथ गांवों में बिजली की कटौती जारी आगे और बड़ी चुनौती है

नहीं शुरू हो पाया पतरातू थर्मल पावर प्लांट

झारखंड के पावर प्लांट से कितनी मिलती है बिजली

पावर प्लांट	कितनी मिलती है बिजली
टीवीएनएल	380 मेगावाट
इनलैंड पावर	63 मेगावाट
सिकिदिरी हाइडल	130 मेगावाट
आधुनिक पावर	180 मेगावाट
केटीपीएस(डीवीसी)	600 (डीवीसी कमांड एरिया)
एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा	170 मेगावाट
पंचेत हाइडल(डीवीसी)	00

यहां से मिलती है इतनी बिजली

पावर प्लांट	प्लांट क्षमता	कितनी बिजली
सीटीपीएस (डीवीसी)	500	00 मेगावाट
बीटीपीएस(डीवीसी)	500	00 मेगावाट
एमपीएल धनबाद	1050	150 मेगावाट
अडाणी पावर गोड्डा	1600	00 मेगावाट
सोलर	80	80 मेगावाट

झारखंड के पावर प्लांट की क्षमता 6200 मेगावाट, पर बिजली 1300 मेगावाट

झारखंड में में स्थापित पावर प्लांटों की क्षमता 6200 मेगावाट है. जबकि इन प्लांटों से 1300 मेगावाट बिजली ही मिल पाती है. बरसात के मौसम में ही 1600 मेगावाट बिजली मिल पाती है. इसका कारण है कि पूरी क्षमता से पावर प्लांटों से उत्पादन नहीं होता है. गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ कर 2500 से तीन हजार मेगावाट तक हो जाती है. इस मांग की पूर्ति के लिए बिजली खरीदनी पड़ती है.

> *बिजली कटौती करने के एवज में झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वर्तमान टैरिफ में दो फीसदी का पेनॉल्टी लगायी है. शहरी क्षेत्र में 23 घंटा और ग्रामीण क्षेत्र में 22 घंटा बिजली देना अनिवार्य है. जितना घंटा कम बिजली मिलेगी, उतना उपभोक्ता के फिक्स चार्ज कम लिए जाने का प्रावधान है. वितरण निगम को हर हाल में नियमों का पालन करना अनिवार्य है.*
>
> *-**अतुल कुमार**, सदस्य तकनीक, झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग*

टाटा पावर कमांड एरिया के लिए जोजेबेड़ा 469 टाटा स्टील से जमशेदपुर को मिलती है बिजली

कितनी खरीदी जाएगी बिजली

प्लांट का नाम	मेगावाट
एनटीपीसी	
फरक्का वन और टू	119.35
फरक्का थ्री	59.71
कहलगांव वन	18.34
तालचर	66.68
कहलगांव टू	10.21
बाढ़ वन	84.72
बाढ़ टू	18.97
कोरबा	50.00
दारीपल्ली वन	151.43
नॉर्थ कर्णपुरा	177.46
नॉर्थ कर्णपुरा न्यू	150.00
कांटी	16.10
नबीनगर	33.96
एनएचपीसी	
रंगीत	7.42
तीस्ता	48.34
पीटीसी	
चुक्का	27.99
ताला	116.89
कुरिचू	0.55
मांगडे	9.44
डीवीसी	
केटीपीएस	600
टीटीपीएस	420
आधुनिक	189
सोलर	
सेकी वन	450
सेकी टू	10
स्टेट आइपीपी	16
विंड एनर्जी	
पीटीसी	200
सेकी	100
इंलैंड पावर	63
सिकिदिरी	130

कल्पना सोरेन ने 21 की रैली को ले गठबंधन के नेताओं के साथ की बैठक, सबको खुद न्योता देने की ली जिम्मेदारी

उलगुलान रैली में आएंगे इंडिया के शीर्ष नेता, जुटेंगे लाखों लोग

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मुर्मू 21 अप्रैल को प्रभात तारा मैदान में आयोजित न्याय उलगुलान महारैली की सफलता के लिए रेस हो गयी है. रविवार को कल्पना सोरेन ने अपने निवास स्थान पर गठबंधन नेताओं के साथ बैठक की. जिसमें महारैली की सफलता के लिए रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पीसीसी अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, महासचिव कैलाश यादव, माले विधायक विनोद सिंह, झामुमो महासचिव विनोद पांडेय और केंद्रीय सचिव सुनील श्रीवास्तव आदि शामिल हुए. बैठक में तय हुआ कि उलगुलान रैली में इंडिया गठबंधन के सभी शीर्ष नेता बुलाए जाएंगे. उन्हें न्यौता देने की जिम्मेदारी खुद कल्पना सोरेन ने ली है. वह जल्द ही न्यौता देने का काम शुरू कर देंगी.

पांच लाख भीड़ जुटाने और चुनाव को लेकर बनी रणनीति : बैठक में झामुमो द्वारा आयोजित महारैली में पूरे राज्य से 5 लाख भीड़ जुटाने की रणनीति बनी. इसमें कल्पना सोरेन ने सभी गठबंधन के सहयोगियों से सहयोग मांगा. बैठक में न केवल रैली बल्कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन का साझा प्रचार अभियान को लेकर भी चर्चा हुई. यह तय किया गया कि 21 के बाद चरणबद्ध तरीके से होने वाले चुनाव के हिसाब से चुनावी अभियान चलाया जाएगा.

इन केंद्रीय नेताओं को दिया जाएगा निमंत्रण

महारैली में इंडिया गठबंधन के राष्ट्रीय नेता पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका गांधी बढेरा, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, सांसद संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालीन, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, एनीसीपी प्रमुख शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, वाम नेता सीताराम येचुरी, डी राजा सहित गठबंधन के अन्य नेताओं को बुलाया जाएगा. इसकी जिम्मेवारी खुद कल्पना सोरेन लेंगी. ये खुद आला नेताओं को आमंत्रित करेंगी.

- बैठक में कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राजेश ठाकुर, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, माले विधायक विनोद, झामुमो महासचिव विनोद पांडेय हुए शामिल
- कल्पना सोरेन ने सहयोगी दलों से भी भारी भीड़ जुटाने की अपील की, बोलीं- रांची में ऐतिहासिक होगी इंडिया गठबंधन की उलगुलान रैली, लोग करेंगे वर्षों तक याद

पार्टी कार्यालय में हुई जिलाध्यक्षों की बैठक

इधर पार्टी कार्यालय हरमू में विभिन्न जिलाध्यक्षों की बैठक हुई. जिसमें 21 की उलगुलान महारैली की तैयारी को लेकर चर्चा हुई. बैठक में पार्टी नेताओं ने जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि समय काफी कम है. इसलिए सभी को अपने-अपने जिले में तैयारी शुरू कर दें. अधिक से अधिक संख्या में अपने-अपने जिले से कार्यकर्ताओं और लोगों को लाना है. बैठक में पार्टी महासचिव विनोद पांडेय सहित हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो, गढ़वा, पलामू, कोडरमा, गिरिडीह, प. सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए. बतातें चलें कि गत दिवस भी सिमडेगा, लातेहार, खूंटी, चतरा, रांची, धनबाद, गुमला जिला की जिला इकाई से जुड़े पार्टी पदाधिकारियों की बैठक हुई थी.

झारखंड का हाल

राजमहल में 33%, गोड्डा में 21%, कोडरमा में 20% हैं मुस्लिम मतदाता

11 सीटों पर मुस्लिम वोटर्स बहुसंख्यक, फिर भी दरकिनार

सत्य शरण मिश्रा। रांची

चुनावी मौसम में देश के सभी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय की बात कर रहे हैं. सभी जातियों को समाज में उनके संख्या बल के आधार पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर देने की बात जा रहा है। लोकसभा क्षेत्रों में महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दलित, पिछड़ों और सवर्णों के आंकड़ों का गणित समझने के बाद राजनीति दलों ने उम्मीदवार को टिकट दिया है, लेकिन झारखंड में राजनीतिक दलों ने मुस्लिम समुदाय के साथ न्याय नहीं किया. एनडीए ने झारखंड के सभी 14 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है. वहीं इंडिया गठबंधन ने भी 5 सीटों में प्रत्याशी उतार दिये हैं, लेकिन इन 19 प्रत्याशियों में से एक भी उम्मीदवार मुस्लिम समुदाय से नहीं है.

झारखंड के 11 लोकसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता मुस्लिम समुदाय की है. राजमहल में 33 फीसदी और गोड्डा में 18 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं. आबादी के मामले में खूंटी, लोहरदगा और पलामू लोकसभा क्षेत्र में भी दूसरे नंबर पर मुस्लिम वोटर्स आते हैं. भाजपा ने 14 लोकसभा सीट पर तीन महिला प्रत्याशियों को उतारा है. पांच आदिवासी प्रत्याशियों को टिकट दिये गये हैं. अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और सवर्ण प्रत्याशियों को भी टिकट मिले हैं, लेकिन मुस्लिम समुदाय के नेताओं को दरकिनार कर दिया गया. वहीं इंडिया गठबंधन ने भी अबतक जिन 5 उम्मीदवारों की घोषणा की है, उनमें भी तीन आदिवासी और दो पिछड़ी जाति के हैं.

किस लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की कितनी आबादी

लोकसभा	आबादी	प्रतिशत	लोकसभा	आबादी	प्रतिशत
चतरा	198400	13 .5%	पलामू	285222	14 .7%
धनबाद	337017	15 .9%	राजमहल	493860	33 .3%
दुमका	249084	17 .4%	रांची	303109	15 .1%
गिरिडीह	286800	17%	सिंहभूम	85405	6 .6%
गोड्डा	371320	21 .1%			
हजारीबाग	307131	18%			
जमशेदपुर	203150	11 .7%			
खूंटी	88569	7 .2%			
कोडरमा	381195	20 .4%			
लोहरदगा	182150	14 .4%			

- वहीं इंडिया गठबंधन ने भी 5 सीटों में प्रत्याशी उतार दिये हैं

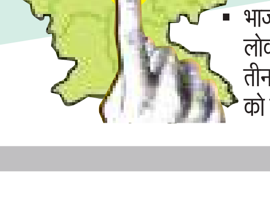

- भाजपा ने 14 लोकसभा सीट पर तीन महिला प्रत्याशियों को उतारा है.

रांची समेत पांच जिलों में खुलेंगे नॉरकोटिक्स थाने

सौरभ सिंह। रांची

रांची समेत राज्य के पांच जिलों में नॉरकोटिक्स थाने खुलेंगे. इसे लेकर सीआईडी ने तैयारी शुरू कर दी है. जिन जिलों में नॉरकोटिक्स थाने खोले जाएंगे उनमें रांची, चतरा, हजारीबाग, खूंटी और जमशेदपुर शामिल हैं. इसी साल झारखंड के सभी पांचों जिलों में नॉरकोटिक्स थाना काम करना शुरू कर देगा. सीआईडी मुख्यालय की तरफ से सभी संबंधित जिलों के आईजी और डीआईजी को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों के एसपी को निर्देश दें कि वे नॉरकोटिक्स थाना खोलने के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर यथाशीघ्र भेजें, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके. सीआईडी के अधिकारियों के अनुसार, झारखंड के इन पांच जिलों में सबसे अधिक ड्रग्स का कारोबार होता है. इस कारण इन जिलों के विभिन्न थानों में सबसे अधिक एनडीपीएस अधिनियम के केस दर्ज होते हैं. झारखंड में अभी नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का जोनल ऑफिस कार्य कर रहा है, जो सीधे एमएचए को रिपोर्ट करता है. अगर पांच नॉरकोटिक्स थाने खुल जाते हैं, तो नशे के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का ग्राफ तो बढ़ेगा ही, साथ ही साथ दोषियों को सजा दिलवाने के ग्राफ में भी इजाफा होगा.

यहां खुलेंगे

- रांची, चतरा, हजारीबाग, खूंटी और जमशेदपुर
- सीआईडी मुख्यालय ने जारी किया निर्देश

ब्रीफ खबरें

लोहा तस्करी में दो दबोचे गए, भेजा जेल

महुदा। लोहा की तस्करी के आरोप में महुदा थाना की पुलिस ने शनिवार को दो लोगों को धर दबोच .दोनों आरोपी बोकारो जिला अंतर्गत चास थाना क्षेत्र के तारानगर के रहने वाले हैं. गिरफ्तार दोनों आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में धनबाद जेल भेज दिया हैं. मामले को लेकर बताया जाता हैं कि धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को जोड़ने वाले तेलमोचो महुदा पुलिस चेक पोस्ट पर आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र जांच अभियान के क्रम में एक दो पहिया वाहन में लोहे के पाइप को लादकर बोकारो ले जाया जा रहा था.

आज कई इलाकों में बिजली नहीं रहेगी

महुदा । झारखंड राज्य विधुत प्रमण्डल के गणेशपुर सब स्टेशन में सोमवार को बाघमारा, गणेशपुर, काण्ड्रा एवं महुदा फीडर की बिजली सप्लाई सुबह नौ बजे से 12 बजे तक बिजली बंद रहेगी. उक्त बातें गणेशपुर सब स्टेशन के अनुमंडल पदाधिकारी अनिल कुमार ने महुदा में बताया. उन्होंने कहा कि गर्मी व आंधी बरसात को देखते हुए गणेशपुर सब-स्टेशन में मेंटेनेश का कार्य किया जायेगा. इसके अलावे जंगल क्षेत्र में खड़े बिजली खम्भे के आसपास झाड़ियों को भी साफ किया जायेगा.

तोपचांची में दो पक्षों में मारपीट, थाने में शिकायत

तोपचांची। रविवार को तोपचांची थाने में मारपीट का मामला सामने आया. घटना तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत रामाकुण्डा पंचायत का है. बैल घुस जाने को लेकर मामला मारपीट तक पहुंच गया. घटना के संबंध में घायल ओम प्रकाश कुम्हार ने बताया कि बैल घुस जाने को लेकर मामला बढ़ा. घर के चार सदस्यों को मारपीट के दौरान चोट आई है. घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहोबहियार में करवाया जा रहा है. बताया कि घटना को लेकर तोपचांची थाना में शिकायत की गई थी. जिसके बाद रविवार को तोपचांची थाने की पुलिस रामाकुण्डा पहुंची और दोनों पक्षों को समझाया गया.

घायल की इलाज के दौरान रिम्स में मौत

धनबाद । वासेपुर ओवर ब्रिज पर दो बाइकों की टक्कर में जख्मी पांडरपाला निवासी सहजाद अंसारी की रांची रिम्स में मौत हो गई. शहजाद अंसारी पांडरपाला से आरा मोड़ की ओर जा रहा था, तभी वासेपुर की ओर से तेज गति से आती हुई स्कूटी सवार रेलवे ओवर ब्रिज में उससे टकरा गई. जहां शहजाद अंसारी को गंभीर चोटें आई थी. उनकी हालत नाजुक बताते हुए डॉक्टरों ने उसे रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया था. रविवार को इलाज के क्रम में रांची में उसकी मौत हो गई.

स्टेशन मास्टर एसो. का 48 वां अधिवेशन

धनबाद। धनबाद स्टेशन स्थित रेलवे ऑडिटोरियम में ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन का 48वां अधिवेशन मनाया गया. जहां डीआरएम केके सिन्हा समेत एसोसिएशन के सचिव गौरी शंकर सिंह व कई पदाधिकारी और रेलकर्मी उपस्थित थे. कार्यक्रम के शुरूआत में पहले रेल हादसे में हुई रेलकर्मियों की मौत पर दो मिनट का मौन रख उनकी आत्म की शांति के लिए प्रार्थना की गई. एसोसिएशन के सचिव गौरी शंकर सिंह ने कहा कि अधिवेशन में बेहतर कार्य करनेवाले रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया. इसके अलावे नई कमेटी का गठन किया गया.

जबलपुर मंडल में चल रहा है नन इंटरलॉकिंग का काम

हावड़ा-भोपाल व कोलकाता-मदार समेत सात जोड़ी ट्रेनें रद्द

संवाददाता । धनबाद

जबलपुर रेल मंडल के छतेनी, ब्यौहारी, दुवरी कलां और बिजयसौता स्टेशनों पर नन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण धनबाद समेत कई स्टेशनों से होकर चलने वाले सात जोड़ी ट्रेनें अलग-अलग तिथियों को रद्द रहेंगी. जिसमें ट्रेन नंबर 13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस आठ और 15 अप्रैल, ट्रेन नंबर 13026 भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस 10 और 17 अप्रैल, ट्रेन नंबर 19608 मदार-कोलकाता एक्सप्रेस आठ और 15 अप्रैल, ट्रेन नंबर 19607 कोलकाता-मदार एक्सप्रेस 11 और 18 अप्रैल, ट्रेन नंबर 11651 जबलपुर-सिंगरौली एक्सप्रेस 9 से 22 अप्रैल, ट्रेन नंबर 11652 सिंगरौली-जबलपुर एक्सप्रेस 10 से 23 अप्रैल, ट्रेन नंबर 22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस 10, 13, 17 व 20, ट्रेन नंबर 22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस 11. 16, 18 व 23 अप्रैल, ट्रेन नंबर 22167 सिंगरौली-हज़रत निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस 14 व 21 अप्रैल, ट्रेन नंबर 22168 हजरत निजामुद्दीन-सिंगरौली एक्सप्रेस 15 व 22 अप्रैल, ट्रेन नंबर 18009 संतरागाछी-अजमेर एक्सप्रेस 12 व 19 अप्रैल, ट्रेन नंबर 18010 अजमेर-संतरागाछी एक्सप्रेस 13 व 20 अप्रैल, ट्रेन नंबर 19413 अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस 10 व 17 अप्रैल और ट्रेन नंबर 19414 कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस 12 व 19 अप्रैल को नहीं चलेगी.

धनबाद होकर चलेगी हावड़ा-मदार के बीच स्पेशल ट्रेन

धनबाद। यात्रियों की सुविधा को लेकर धनबाद होकर हावड़ा–मदार के बीच स्पेशल ट्रेन चलेगी. गाड़ी संख्या 09609 मदार–हावड़ा स्पेशल 14 व 21 अप्रैल को मदार स्टेशन से सुबह 08 .30 बजे खुलेगी और जयपुर–आगरा फोर्ट–कानपुर–प्रयागराज–पं दीन दयाल उपाध्याय होते हुए अगले दिन 18 .00 बजे हावड़ा स्टेशन पहुंचेगी. यह गाड़ी कोडरमा स्टेशन 10 .15 बजे पहुंचेगी और 10 .17 बजे खुलेगी. 12 .30 बजे धनबाद स्टेशन पहुंचेगी और 12 .35 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी. गाड़ी संख्या 09610 हावड़ा–मदार स्पेशल 16 व 23 अप्रैल को हावड़ा स्टेशन से 15 .00 बजे खुलेगी और पं दीन दयाल उपाध्याय–प्रयागराज–कानपुर–आगरा फोर्ट–जयपुर होकर अगले दिन 21 .55 बजे मदार स्पेशल को पहुचेगी. यह गाड़ी धनबाद स्टेशन 20 .50 बजे पहुंचेगी और 20 .55 बजे खुलेगी. 23 .02 बजे कोडरमा स्टेशन पहुंचेगी और 23 .04 बजे खुलेगी.

योग से रोग मुक्त जीवन बना सकते हैं : सुधा दीदी

संवाददाता । कतरास

पतंजलि योग समिति राज्य प्रभारी सुधा दीदी ने धनबाद प्रवास के दौरान रविवार को कतरास सूर्य मंदिर परिसर में संचालित योग केंद्र में लोगों को योग अभ्यास करवाया.इस दौरान उन्होंने योग की विशेषताओं की जानकारी देते हुए कहा कि योग और आसन के अभ्यास से शरीर में शक्ति और लचीलापन विकसित होता है. साथ ही मनुष्यों के नस को आराम मिलता है. आसानी से मांसपेशियों, जोड़ों, त्वचा और पूरे शरीर की ग्रंथियों को मजबूती प्रदान करता है.. उन्होंने कहा कि योग से शांति ,तनाव मुक्त जीवन,शरीर की थकान ,रोग मुक्त शरीर ,वजन पर नियंत्रण होता है. इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में योग धारण करना चाहिए.

सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण

सोशल मीडिया पर पुलिस प्रशासन की रहेगी नजर

संवाददाता । धनबाद

लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र आदर्श आचार संहिता के अनुपालन तथा सोशल मीडिया पर चुनाव से सम्बंधित पोस्ट व सूचनाओं पर नजर रखने के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन के निर्देश पर पुलिस ने मीडिया सेल का गठन किया है. इसे लेकर पुलिस केंद्र में डीएसपी (मुख्यालय -2) संदीप कुमार गुप्ता व डीएसपी अर्चना खलखो ने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया.इसमें धनबाद जिले के सभी थानों में नामित मीडिया सेल के नोडल पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया.डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य लोकसभा चुनाव में सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर निगरानी रखना है. पुलिस की टीम सोशल मीडिया पर किसी पार्टी, प्रत्याशी अथवा राजनीतिक दल के सदस्यों से सम्बंधित वैसे पोस्ट अथवा कंटेंट को चिन्हित करेगी जिससे एमसीसी के निर्देशों का उल्लंघन होता हो.उन्होंने कहा कि वैसे लोगों के खिलाफ विधि अनुसार कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं .साथ हीं सोशल मीडिया पर किसी धर्म, समाज अथवा समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

एसडीएम और डीएसपी स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

धनबाद । बाजार समिति में बनाए गए स्ट्रांग रूम का रविवार को एसडीएम और डीएसपी शंकर कामती ने निरीक्षण किया. इस दौरान दोनों पदाधिकारियों ने स्ट्रांग रूम जाकर सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य चीजों का जायजा लिया. वहीं डीएसपी शंकर कामती बरवाअड्डा थाने में ईद और रामनवमी को लेकर आयोजित शांति समिति की बैठक में शामिल हुए. उन्होंने क्षेत्र के लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की. कहा कि दोनों समुदाय के लोग आपस में मेल मोहब्बत के साथ त्योहार मनाएं और किसी तरह की अफवाह में नहीं पड़ें. इससे पूर्व उन्होंने बरवाअड्डा थाना प्रभारी और सर्किल इंस्पेक्टर के साथ बैठक कर चुनाव संबंधित कार्य की समीक्षा की. साथ ही कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए.

हरिहरपुर थाने में शांति समिति की बैठक

गोमो । राम नवमी और ईद त्योहारों को लेकर हरिहरपुर थाना गोमो में रविवार को शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी गिरिधर गोपाल की अध्यक्षता में हुई. बैठक में दोनों समुदायों के लोगों ने शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्वक ढंग से ईद और रामनवमी बनाने का आश्वासन दिया. थाना प्रभारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. उन्होंने कहा कि सरकार की गाइड लाइन का पालन करते हुए दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं का सम्मान रखने के साथ निर्धारित रूट पर ही लाइसेंसी अखाड़ा जुलूस निकालने की अनुमति दी जाएगी. इसके अलावा शराब, डीजे और खतरनाक प्रदर्शन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगें. जुलूस के दौरान पुलिस बल की व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने दोनों त्योहारों से पर अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए दोनों समुदायों को हर्षोल्लास, सोहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने का अनुरोध किया ,साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि त्योहार में अपना सहयोग प्रदान करें.

धमकी को लेकर थाने में की शिकायत

संवाददाता । महुदा

तेलमच्चो के कुंजी निवासी दारा सिंह मांझी ने महुदा थाने में लिखित शिकायत कर तेलमच्चो निवासी संतोष महतो एवं युद्धिष्ठिर साव द्वारा जान मारने की धमकी ,जातिसूचक शब्द का प्रयोग करने एवं अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जबरन निजी जमीन से पार करने का आरोप लगाया है. आवेदन में बताया है कि संतोष महतो एवं युद्धिष्ठिर साव प्रतिदिन अपने ट्रेक्टरों द्वारा दामोदर नदी के कुंजी घाट से अवैध बालू उठाकर बाहर में बेंचते हैं.वे लोग प्रतिदिन मेरे रैयती जमीन से अपने ट्रेक्टर पार करते हैं.मैं कई बार मना किया, परन्तु वे नहीं माने. तीन अप्रैल को सुबह नौ बजे मैंने उनलोगों का ट्रेक्टर रोक दिया.इससे दोनों आक्रोशित होकर तलवार लेकर पहुंचे एवं जातिसूचक गाली देने लगे. रोकने पर जान से मारने का धमकी दी .इधर महुदा पुलिस शिकायत के आलोक में छानबीन कर रही है . ज्ञात हो कि तेलमच्चो घाट, डोंगा घाट एवं कुंजी घाट से प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में ट्रेक्टरों द्वारा दामोदर नदी से बालू उठाकर बाहर अवैध रूप से बेचा जा रहा है. बावजूद जिला एवं स्थानीय प्रशासन मुकदर्शक बना हुआ है.

तानशाह मोदी सरकार को उखाड़ फेंके : मथुरा महतो

संवाददाता । कतरास

इंडिया गठबंधन से झामुमो के गिरिडीह लोकसभा के प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो ने रविवार को बाघमारा विधानसभा के गजलीटांड में जनसंपर्क अभियान चलाकर अपने पक्ष मतदान करने की अपील की . तत्पश्चात एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन को वोट देकर तानाशाही मोदी सरकार को उखाड़ फेंके.तभी देश सुरक्षित हो सकता है . उन्होंने वर्तमान सांसद पर भी हमला बोलते हुए कहा कि वोट लेने के बाद जनता को भुल गए . पांच साल वे इलाके में कहीं नहीं दिखे. उन्होंने कहा कि अगर जनता हमें अपना सेवक बनाती है तो मैं उनकी आवाज को दिल्ली तक पहुंचाने का काम करूंगा.

गैंगस्टर प्रिंस के घर पर इश्तेहार चस्पा

पुटकी। धनबाद के गैंगस्टर प्रिंस खान के वासेपुर कमरमखदूमी रोड स्थित आवास पर रविवार को केंदुआ पुलिस ने इश्तेहार चस्पा करने की कार्रवाई पूरी की. प्रिंस के खिलाफ केंदुआ थाने में रंगदारी से जुड़े एक मुकदमे में यह कार्रवाई हुई है. बताते चलें कि केंदुआ के जेवर कारोबारी संजय वर्मा के वाट्सएप पर कॉल कर और मैसेज कर तीस लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी. इस मामले को लेकर जून 2023 में मुकदमा कायम किया गया था. इसी मामले में केंदुआ थाने से धीरज कुमार मिश्रा और संजय मुंडा प्रिंस के रावास पहुंचे और वहां पर इश्तेहार चस्पा किया. स्थानीय लोगों से कहा कि अदालत में तय समय पर हाजिर नहीं हुआ तो उसकी संपत्ति कुर्क की जाएगी.

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर लोगों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की गयी

संवाददाता । मैथन

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर रविवार को कुमारधुबी बाणी मंदिर क्लब कुल्टी के श्री हास्पिटल की मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया. क्लब के सदस्यों व शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत की मुखिया अनामिका देवी के सहयोग से लगे इस कैंप में हृदय संबंधी बीमारी की मुफ्त जांच की गयी. हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. वाई के सुभाष सिंह (एम्स) ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की. मुखिया अनामिका देवी, समाज सेवी दोएल घोष, बापी बनर्जी, प्रो डी. सिंह, डॉ दिनेश, विश्वनाथ दास, संजीव मजूमदार, संजय यादव आदि ने दीप जलाकर कैंप का उद्घाटन किया. मौके पर पहली बार वोट देने वाले मतदाता, बीएलओ एवं पत्रकारों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के संयोजक अभिजीत घोष ने सभी मौजूद लोगों को मतदान करने की शपथ दिलायी. बीएलओ मिलन बाउरी द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया. श्री घोष ने कहा कि यह कैंप स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता व वोटरों को जागरूक करने के उद्देश्य से लगाया गया.

कार्यकर्ताओं ने सांसद प्रत्याशी नलिन सोरेन का स्वागत किया

संवाददाता । निरसा

निरसा मोड़ पर रविवार को झामुमो के रांची से दुमका जाने के क्रम में दुमका लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रत्याशी सह शिकारीपाड़ा के विधायक नलिन सोरेन, मंत्री बसंत सोरेन और विधायक स्टीफन मरांडी का झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य अशोक मंडल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया. नलिन सोरेन जीतेगा, जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा, शिबू सोरेन जिंदाबाद,हेमंत सोरेन जिंदाबाद नलिनी सोरेन जिंदाबाद, बसंत सोरेन जिंदाबाद, अशोक मंडल जिंदाबाद के नारों के साथ आवाज बुलंद किया, राजू झा,कामख्या चौधरी, ठाकुर मांझी, नईम शेख, रूहु शेख, किशोर हांसदा, मनोज राणा, संजीत महतो,मनोहर खान, स्वप्न लोहार, लंकेश्वर लोहार, सुशांत लोहार, अब्दुल सत्तार, विकास सिंह ,छोटू ठाकुर, रंजीत सिंह, शैलेन्द्र सिंह, श्याम सुंदर, अजीत पंडित, महेश रविदास, मकसूद शेख, अजीज खान अधिवक्ता, जयदेव रविदास,,रमेश हेम्ब्रम, विनोद मरांडी, विजय टुडू, भूटा रविदास, साधन महतो, मनोज नंदी, सुजाता सिन्हा, कमला रवानी, सीमा बागती इत्यादि मौजूद थे.

खास बातें

- कार्यकर्ताओं ने जीत की आवाज बुलंद की
- शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारे लगाए

नियमों का पालन करते हुए पर्व मनायें : एसडीपीओ

संवाददाता । मैथन

मैथन स्थित निरसा एसडीपीओ कार्यालय में शनिवार की देर शाम मासिक क्राइम मीटिंग हुई. जिसमें निरसा अनुमंडल के सभी थाना एवं ओपी प्रभारी उपस्थित थे. बैठक के बाद एसडीपीओ रजत माणिक बाखला ने कहा कि रामनवमी में बिना लाइसेंस के अखाड़ा निकालने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी. कहा गया कि लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश में आचार संहिता लागू है. आचार संहिता के नियमों का पालन करते हुए लोग ईद एवं रामनवमी का पर्व मनायें. कोई व्यवधान उत्पन्न न हो, इसका ध्यान रखें. उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार में डीजे पर प्रतिबंध रहेगा, लाइसेंसधारी अखाड़े तय रूट पर ही अपना जुलूस निकालेंगे, यदि नए रूट पर जाने की कोशिश की गई, तो पुलिस उन पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करेगी. इस दौरान उन्होंने थानेदारों को हिदायत देते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह से पालन किया जाए, यदि नियमों को उल्लंघन करते हुए कोई पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें. कहा गया कि इंटरस्टेट चेकपोस्ट पर कड़ाई से वाहन जांच की जाए.

मैथन

14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती मनाने का भी निर्णय लिया

विहिप नौ से 24 अप्रैल तक मनाएगी श्रीराम महोत्सव

संवाददाता । मैथन

विश्व हिंदू परिषद एग्यारकुंड प्रखंड की एक बैठक रविवार को चिरकुंडा झरियापाड़ा के हरि मंदिर में प्रखंड अध्यक्ष शंभू साव की अध्यक्षता में हुई. बैठक में नौ से 24 अप्रैल तक सभी गांव, वार्डों में स्थित मंदिरों में श्रीराम महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया. श्रीराम महोत्सव की तैयारी करने के लिए पंचायत एवं वार्ड स्तर पर कार्यक्रम संयोजकों की नियुक्ति की गई.

बैठक में 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती प्रखंड स्तर में मनाने का निर्णय लिया गया. इसके अलावा 23 अप्रैल को श्रीहनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम प्रखंड क्षेत्र के सभी मंदिरों में मनाने का भी निर्णय लिया गया. बैठक में निर्णय लिया गया कि यह सभी कार्यक्रम मंदिर प्रांगण में ही संपन्न होंगे, किसी भी तरह की रैली नहीं निकाला जाएगी. बैठक में सर्वसम्मति से एग्यारकुंड प्रखंड समिति का विस्तार भी किया गया. जिसमें बजरंग दल प्रखंड संयोजक राकेश कुमार, सत्संग प्रमुख संतोष मिश्रा, गोरक्षा प्रमुख चिन्मय घोष को बनाया गया. साथ ही झरियापाड़ा नंबर छह की समिति का भी विस्तार किया गया, जिसमें अध्यक्ष विशाल बाउरी, मंत्री सूरज रविदास, बजरंग दल संयोजक राहुल बाउरी, सहसंयोजक रोहित बाउरी, सत्संग प्रमुख शुभम साव को बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री दीपक कुमार मंडल, जिला संगठन मंत्री सोनाराम महतो, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख संतोष कुमार, बजरंग दल जिला मिलन केंद्र प्रमुख कन्हाई मंडल, पूर्वी-टुंडी प्रखंड अध्यक्ष वीरेंद्र मंडल, चिरकुंडा प्रखंड मंत्री दुलाल बाउरी के अलावे दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें

- महोत्सव की तैयारी के लिए संयोजकों की नियुक्ति की
- प्रखंड समिति का विस्तार भी किया गया

एसएनएमएमसीएच और सदर के ब्लड बैंक में रक्त की किल्लत

संवाददता । धनबाद

एसएनएमएमसीएच और सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की किल्लत हो गई. जरूरतमंदों को काफी दिक्कत हो रही है. रक्तदान शिविर नहीं लगने से ब्लड स्टोरेज नहीं हो पा रहे हैं. विभाग की ओर से लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है. सरकार के नए दिशा निर्देश के बाद ब्लड बैंकों में अब जरूरतमंद लोगों को बिना रक्तदाता के खून मिल रहा है. प्रभारी डॉक्टर बीके पांडे ने बताया की पहले ब्लड बैंक से खून लेने पर बदले में कोई दूसरा ग्रुप का खून देना पड़ता था, लेकिन अब यह नियम बंद कर दी गई है. ब्लड बैंक से हर दिन 45 से 50 लोगों को रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है. जबकि इस मात्रा में खून नहीं मिल पा रहा है. फिलहाल ब्लड बैंक में 450 यूनिट रक्त है. इसमें बी पॉजिटिव, ए पॉजिटिव और एबी पॉजिटिव के रक्त है. जबकि नेगेटिव ग्रुप का कोई भी ब्लड नहीं है. नेगेटिव रक्त के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है.

खास बातें

- जरुरतमंदों की काफी दिक्कत हो रही है
- 40 से 50 लोगों को रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है

सदर अस्पताल में मात्र 10 यूनिट ब्लड

सदर अस्पताल में मात्र 10 यूनिट ब्लड स्टोरेज है. इसमें पांच ओ पॉजिटिव और पांच बी पॉजिटिव रक्त ग्रुप का खून है. जबकि दूसरे ग्रुप का कोई भी खून यहां नहीं है. ऐसे में गर्भवती माता को प्रसव के लिए रक्तदाता का सहारा लेना पड़ रहा है. ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ बीके पांडेय ने कहा कि रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है. इसके लिए काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है.

राज्यभर की खबरों
के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार 08 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 14 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 349 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 10

पैसेंजर टेंपो से समीर करवाता है लॉटरी की सप्लाई

- फिर चरम पर पहुंचा समीर की लॉटरी का कारोबार धनबाद में बाबर, सोनू, अकबर संभाल रहे कारोबार

रिजवान शम्स। धनबाद

पुलिस की सख्ती के बाद कुख्यात लॉटरी के अवैध कारोबारी समीर अहमद ने न सिर्फ कारोबार का तरीका बल्कि अपना ठिकाना भी बदल लिया है. फिलहाल धनबाद में फ्लैट लेकर रह रहा है और यहीं से कारोबार की डीलिंग भी कर रहा है. धनबाद में अब उसके ब्रांड की लॉटरी पैसेंजर वाली टेंपो से सप्लाई की जा रही हे. इस टेंपो में कुछ फर्जी पैसेंजर भी बैठे रहते हैं ताकि पुलिस को लगे कि यात्री बैठे हुए हैं. फिर आटो चालक ही समीर के हॉकरों को फोन कर बता देता है कि कहां पहुंचना है, इसके बाद फिर पूरे सप्ताह की लॉटरी दे दी जाती है. यह काम शुक्रवार या शनिवार को ही किया जाता है. इन्हीं दो दिन में पूरे सप्ताह तक की लॉटरी की टिकट हॉकरों को बांट दी जाती है. इसके बाद लॉटरी टिकट की

शुभम संदेश इंपैक्ट

बिक्री का भुगतान लेने के लिए कई लोग हैं, जो समीर के खास बंदे हैं. इनमें उसके काले रंग की स्कार्पियो का चालक भी शामिल रहता है. स्कार्पियो चालक के हाथ में भुगतान होता है, क्योंकि वह चालक समीर का सबसे भरोसेमंद आदमी बन गया है. धनबाद में लॉटरी के सप्लाई और भुगतान लेने में बाबर, सोनू,अकबर आदि प्रमुख हैं. ये लोग धनबाद शहर की कमान संभाल रहे हैं. बता दें कि लॉटरी कारोबारी समीर का न सिर्फ धनबाद जिले बल्कि झारखंड के कई जिलों बड़े पैमाने पर कारोबार फैला हुआ है, यहां तक कि बंगाल के भी कई इलाकों में उसकी लॉटरी बेची जाती है.

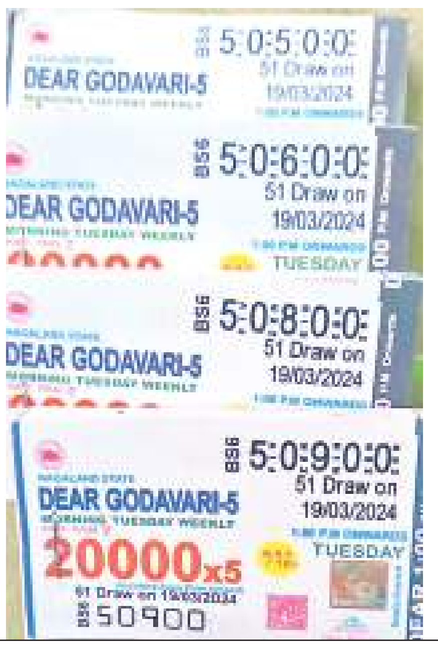

- यात्री बैठे टेंपो में टिकट लोडकर चिन्हित स्थानों में होती है सप्लाई, शुक्रवार या शनिवार को मिलती है पूरे सप्ताह भर की टिकटें
- **समीर की स्कार्पियो का चालक लेता है हॉकरों से भुगतान, फिलहाल समीर का सबसे भरोसेमंद हाथ**

ये है समीर का ब्रांड

धनबाद में समीर अहमद की लॉटरी का आधा दर्जन ब्रांड बेचा व खरीदा जा रहा है. सभी लॉटरी बंगाल की डुप्लिकेट टिकट छपवाकर बेची जाती है. इसी को लेकर भौंरा ओपी में प्राथमिकी भी दर्ज हुई है. डियार गोदावरी के बीएस-1, बीएस-3, बीएस-6 और बीएस-7 ब्रांड का लॉटरी समीर का बताया जा रहा है. ये सभी ब्रांड धनबाद में खूब बिक रहे हैं.

निरसा में आनंद साव के ठिकानों पर छापा, सात गिरफ्तार

निरसा में लॉटरी का किंग माने जाने वाले आनंद साव के ठिकानों पर रविवार की देर शाम एसएसपी एचपी जनार्दनन की स्पेशल टीम ने दबिश दी.निरसा के भालजोरिया स्थित मकान और गोदाम में एसओजी टीम ने छापेमारी करते हुए कुख्यात आनंद साव के सात कर्मियों को दबोच लिया है. इनके पास से भारी मात्रा में अवैध लॉटरी का टिकट बरामद किया गया है. बताया जा रहा है कि एक बैग में लॉटरी का टिकट है और एक बैग में रुपये होने की बात कही जा रही है. हालांकि पुलिस की तरफ से रुपये बरामद होने की पुष्टि नहीं हो सकी है. बता दें कि आनंद साव जीटी रोड का कुख्यात लॉटरी कारोबारी है. कई सालों से लगातार लॉटरी का अवैध कारोबार कर काफी रुपये और संपत्ति खड़ा कर चुका है. पुलिस को उसकी तलाश थी. सटिक सूचना के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है और उसके बड़े नेटवर्क को तोड़ने का प्रयास किया गया है.

पकड़े गये तीन, जेल गये दो !

हाल ही में भौंरा रेलवे क्वार्टर में पुलिस ने छापेमारी की थी और समीर के ब्रांड की लॉटरी की टिकट बरामद हुई थी. इस मामले में पुलिस ने रेलकर्मी रवि और विवेकानंद को जेल भेजा था. इस मामले में चर्चा ये फैली हुई है कि यहां छापेमारी के दौरान तीन लोगों को दबोचा गया था. हालांकि इनमें से एक को छोड़ दिया गया, चर्चे के मुताबिक भागने वाला ये व्यक्ति समीर का बेहद खास था और उसका नाम अजीत है. अजीत के भागने या छोड़े जाने के पीछे कई बातें चर्चे में हैं. ये भी कहा जा रहा है कि लोकल पुलिस भी समीर से सुविधा शुल्क ले रही थी, इस कारण मरव्वत की गई है. बता दें कि इस छापेमारी में समीर के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज हुई थी. प्राथमिकी में एक अज्ञात व्यक्ति के भागे जाने की बात कही गई है.

बर्थडे मनाने जा रहे युवकों की टोली पोल से टकराई, कई घायल

पुटकी। बर्थ डे पार्टी मनाने चिटाही रामराज मन्दिर जा रहे युवकों की कार धनबाद बोकारो फोर लेन पर चिरुडीह गांव के पास डिवाइडर से टकराते हुए गैरेज में खड़ी कार व पोल से टकरा गई. हादसे में छह से ज्यादा युवक घायल हो गए. इनमें दो की हालत गंभीर है. घायलों में कार सजावट कर रहा मैकेनिक व कार सवार युवक विशू, आनन्द, सनी आदि शामिल है. कार चालक स्टेरिंग में फंस गया. गैस कटर से खून से लथपथ बाहर निकाला गया. सभी घायलों को एसएनएमएमसीएच भेजा गया. कार पर सवार सभी युवक बर्थ डे पर चिटाही धाम पूजा करने जा रहे थे. जबकि घर में किसी व्यक्ति के इलाज के नाम पर कार लेकर निकले थे. दिन के दस बजे नवनीत होटल से आगे बढ़ते ही तेज गति कार डिवाइडर से टकराते हुए गैरेज में खड़ी कार को टक्कर मरते 33 हजार के जेईसीबी पोल से टकरा गई. डिवाइडर से टकराने के बाद कार करीब 150 मीटर सड़क पर रगड़ खाती रही. गैरेज में खड़ी कार मुनिडीह के एक व्यक्ति की है, जिसे दो दिन पूर्व की खरीद गैरेज में सजावट करा रहा था. इधर पोल के क्षतिग्रस्त होने से धनबाद,मनईटांड़,भूली,कपूरिया,पुटकी आदि इलाके में विद्युत आपूर्ति चार घंटे तक ठप रही.

खड़े ट्रक को मारी टक्कर तीन युवक हुए घायल

तोपचांची। तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत लेदाटांड स्थित एनएच में खड़े ट्रक को टाटा मैजिक ने जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में टाटा मैजिक में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गये. तीनों हजारीबाग के रहने वाले बताये जा रहे हैं. वहीं टाटा मैजिक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. घटना की सूचना के बाद तोपचांची पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और एनएच कर्मी की मदद से तीनों को एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि ट्रक का टायर पंचर हो गया था. चालक एनएच किनारे ट्रक खड़ा करके पंचर बना रहा था. तभी राजगंज की तरफ से आ रही टाटा मैजिक ने ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी.

धनबाद रेल मंडल के 107 स्टेशनों पर एक भी नल नहीं

ए-वन, ए और बी श्रेणी के स्टेशनों पर है नल, सी श्रेणी के स्टेशन पर ध्यान नहीं, 24 साल से है जल संकट

74 रेल मंडल के स्टेशन पर वाटर बूथ की व्यवस्था की जाए

- धनबाद रेल मंडल के अधिकारी पिछले कई वर्षों से माल ढुलाई में सबसे अधिक कमाई कर नंबर वन बने हैं

राजा गुप्ता। धनबाद

धनबाद रेल मंडल के 189 स्टेशनों में 107 स्टेशनों पर एक भी नल नहीं यानी वाटर बूथ तक नहीं हैं. जबकि रेलवे बोर्ड का सख्त निर्देश है कि भारतीय रेलवे के धनबाद समेत 74 रेल मंडल के सभी स्टेशन पर वाटर बूथ की व्यवस्था की जाए. इतना ही नहीं शीतल पेयजल नल का भी अलग से वाटर बूथ होना चाहिए, लेकिन रेलवे के अधिकारियों को यात्रियों की सुविधा से कोई लेना देना नहीं रह गया है. यात्री सुविधा के नाम पर नेता हो या फिर अधिकारी, सिर्फ बड़े-बड़े दावे करते हैं. रेलवे में कई बार यात्री सुविधा व स्वच्छता अभियान को लेकर अधिकारियों की टीम धनबाद समेत कई स्टेशनों का दौरा करती है. यात्रियों से फिडबैक भी लेती है, लेकिन सबकुछ ढाक के तीन पात ही साबित होते हैं. रेलवे सूत्रों के अनुसार धनबाद हो या फिर अन्य रेल मंडल, सभी जगहों के अधिकारी ठेका कार्यों व अपनी सुविधा के साथ-साथ माल ढुलाई पर ध्यान देते हैं, ताकि खुद को रेलवे मुख्यालय की नजर में अव्वल साबित हो सके. यही हाल धनबाद रेल मंडल के अधिकारियों का है. धनबाद रेल मंडल के अधिकारी पिछले कई वर्षों से माल ढुलाई में सबसे अधिक कमाई कर नंबर वन बने हैं. जोनल मुख्यालय से लेकर रेलवे मुख्यालय दिल्ली तक जाकर ऑल ओवर चैंपियन का शील्ड लेते हैं.

कई जगहों पर लगे चापानल हो गए बेकार

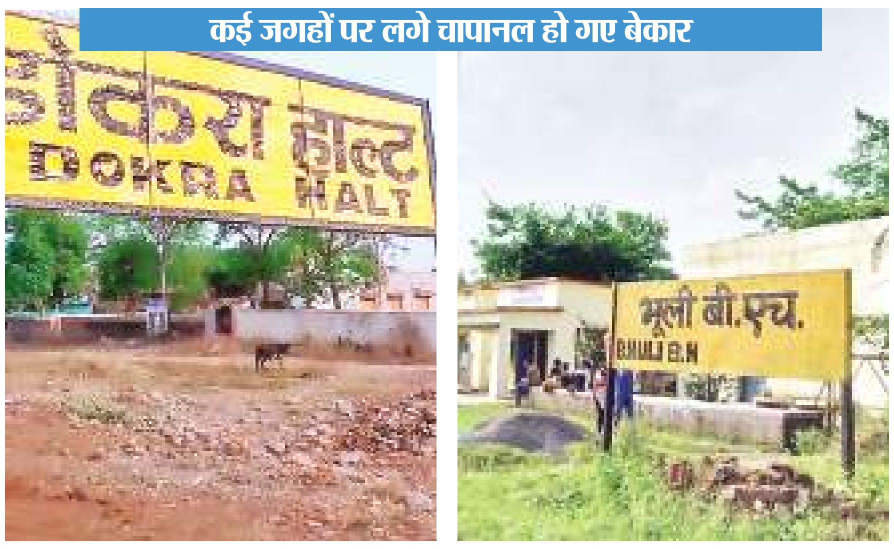

धनबाद मुख्यालय, लेकिन भूली व डोकरा में नल नहीं

यात्रियों का कहना है कि धनबाद रेल मंडल का मुख्यालय धनबाद है, लेकिन यहां के स्टेशन के बगल में पूर्व की ओर डोकरा और पश्चिम दिशा में भूली है. धनबाद स्टेशन के पड़ोसी स्टेशन होने के बावजूद दोनों जगहों पर एक भी नल तक नहीं है. शीतल पेयजल वाटर बूथ की व्यवस्था तो दूर की बात है. यात्री कहते हैं कि भीषण गर्मी में धूप में खड़े होकर ट्रेन पकड़ना पड़ता है. हाइ लेबल प्लेटफॉर्म तक नहीं है. शेड, शौचालय और बैठने के लिए लोहे या सीमेंटेड चेयर तक नहीं दी गई है. रेलवे के अधिकारी धनबाद रेल मंडल पूर्वी रेलवे कोलकाता से हाजीपुर जोनल मुख्यालय से जुड़ने के बाद आजतक झांकने तक नहीं आए हैं. मंडल या जोनल मुख्यालय के अधिकारी सिर्फ बड़े स्टेशनों का ही निरीक्षण करने आते हैं. छोटे स्टेशनों पर तभी आते हैं, जब कोई हादसा होता है. यात्री बताते हैं कि धनबाद स्टेशन पर आठ प्लेटफॉर्म है, जबकि सभी प्लेटफॉर्म पर लगे नलों में अधिकतर से पानी नहीं निकलता है. वाटर एटीएम भी लगभग बंद रहता है, जहां पांच रुपये लीटर पानी मिलता है. लोग दुकानों से ही मिनरल वाटर खरीद कर प्यास बुझाते हैं.

ट्रेन रुकते ही बोतल में पानी भरने के लिए दौड़ते रहते हैं यात्री

लोगों का कहना है कि जब छोटे स्टेशनों पर ट्रेनें रुकती है, तो यात्री खाली बोतल में पानी भरने के लिए प्लेटफॉर्म पर दौड़ते रहते हैं, लेकिन नल नहीं मिलता है. कहीं चापानल दिख गया तो वह भी खराब रहता है. इसी बीच ट्रेन खुल जाती है और यात्री दौड़कर कोच में चढ़ जाते हैं. फिर कुछ यात्री आपस में बात करते हैं कि यही हाल धनबाद रेल मंडल का, जो खुद को भारतीय रेलवे में नंबर वन का खिताब हासिल करती है. इस रेल मंडल में यात्रियों को बुनियादी सुविधा भी नसीब नहीं होती है. अगर देखा जाए तो सिर्फ ए-वन, ए और बी श्रेणी के स्टेशनों पर ही गिने-चुने नल है. बाकी सी श्रेणी के स्टेशनों पर नल या वाटर बूथ नहीं है. 24 साल से दर्जनों स्टेशनों पर जल संकट है, लेकिन अधिकारी जल संकट दूर करने नहीं आते हैं. रेलवे बोर्ड का आदेश फाइलों में कैद है. कई जगहों पर लगे चापानल भी बेकार हो गए है. धनबाद रेल मंडल के प्रधानखंता से मानपुर, धनबाद से चंद्रपुरा, गोमो से बरकाकाना, बरकाकाना से सिंगरौली, बरकाकाना से हजारीबाग टाउन, कोडरमा से महेशपुर के बीच छोटे-छोटे स्टेशनों पर भीषण गर्मी में जल संकट होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है.

जब्त वाहनों को कृषि बाजार में रखा जाता है, इन वाहनों में ही लगी आग

कृषि बाजार में आग, 15 वाहन राख

संवाददाता। धनबाद

बरवाअड्डा कृषि बाजार प्रांगण में रविवार की दोपहर आग लगने की घटना से अफरा-तफरी मच गई. आग की चपेट में आकर वहां रखे हुए 10-15 वाहन जलकर राख हो गए. बरवाअड्डा पुलिस कृषि बाजार में ही जब्त किए गए वाहनों को कई सालों से रखती आ रही है. आग इन्हीं वाहनों में लगी थी. आग की घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में पुलिस के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है.व्यापारियों का कहना है कि यदि आग का दायरा बढ़ जाता तो फिर यहां खड़े सैंकड़ों ट्रक और दुकानों में रखा तेल, अनाज-फल आदि भी जलकर राख हो जाते.

बताते चलें कि धनबाद कृषि बाजार के कैंपस में ही बरवाअड्डा पुलिस जब्त वाहनों को रखती है. यहां पर दर्जनों वाहन खड़े रखे गए हैं. इन वाहनों के चारों तरफ झाड़ियां भी उग चुकी है. इन झाड़ियों में ही किसी तरह आग लग गई और फिर आग ने वाहनों को चपेट में ले लिया. आग और धुआं का अंबार देखकर व्यापारियों में हंड़कंप मच गया. सभी लोग दुकानदारी छोड़ कर आग बुझाने में जुट गए. मामले की खबर लोकल पुलिस को अग्निशमन विभाग को दी गई. बिना विलंब किए ही अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को काबू करने में जुट गई. इसी स्थल पर जहां वाहन रखे हुए थे, वहां पर झाड़ियां उग आई थी, किसी कारण इन झाड़ियों में आग लग गई और वाहन जलने लगे. मामले खबर अग्निशमन विभाग की दी गई. विभाग की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत की, खबर लिखे जाने तक आग पर लगभग काबू पा लिया गया है. हालांकि 10 से 15 वाहनों के जलने की बात कही जा रही है.

आग लगने से मचा हड़कंप, तीन घंटे में पाया आग पर काबू, व्यापारियों में आक्रोश

50 मीटर की दूरी पर था तेल टैंकर

जहां आग लगी ठीक उससे 50 मीटर की दूरी पर डीजल टैंकर लगा हुआ था. ये टैंकर भी पुलिस द्वारा जब्त किया गया था. टैंकर में तेल भरा होने की बात कही जा रही है. ऐसे में व्यापारी यही सोच कर सकते में हैं कि यदि आग टैंकर तक पहुंच जाती तो क्या होता. ऐसे में पूरा कृषि बाजार आग की चपेट में आ जाता, न सिर्फ माल बल्कि जान के भी नुकसान होने से इंकार नहीं किया जा सकता है. स्थानीय कारोबारी पुलिस व अन्य संबंधित पदाधिकारियों से मांग कर रहे हैं कि यहां से तत्काल जब्त वाहनों को हटाया जाए.

वाहनों के कारण हो रही चोरियां

पुलिस द्वारा जब्त वाहनों से पार्टस और अन्य सामान निकाले जाने की घटनाएं भी हो रही हैं. इन वाहनों के कारण ही यहां पर अवांछित लोगों का आना-जाना भी लगा रहता है. ऐसे में व्यापारी वर्ग इन तत्वों से डरा सहमा रहता है. चोरी-छिनतई की कई वारदातें भी घट चुकी हैं. बवाजूद इसके यहां से वाहनों को नहीं हटाया जा रहा है. ये आरोप यहां के व्यापारी लगा रहे हैं.

मतगणना के लिए बन रहा स्ट्रांगरूम

कृषि बाजार में लोकसभा चुनाव के मतों की गिनती भी होनी है. इसके लिए स्ट्रांग रूम बनाया जा रहा है. ऐसे में व्यापारी इस बात का भी जिक्र कर रहे हैं कि यहां की सुरक्षा की जिम्मेवारी भी पुलिस प्रशासन की है. यदि समय रहते इन वाहनों को नहीं हटाया गया तो भविष्य में भी ऐसी घटनाओं की पूर्नावृति हो सकती है. इसलिए यहां से जल्द से जल्द इन वाहनों को हटाने का काम किया जाए.

आग लगने की घटना की होगी जांच : थानेदार

बरवाअड्डा थानेदार सुनील कुमार रवि ने कहा कि थाना में जगह कम होने के कारण जब्त वाहनों को वहां रखा जाता था, आग कैसे लगी है, इस बात की जांच की जा रही है. वरीय अधिकारियों को इस बाबत जानकारी दी जाएगी. यहां पर पुलिस के अलावा एमवीआई और डीटीओ कार्यालय द्वारा पकड़े गए वाहनों को भी रखा जाता है.

हड़कंप चाईबासा के डीएमएफटी फंड में हुई लूट की जांच गृह मंत्रालय ने शुरू की

अधिकारियों व राजनीतिज्ञों में भय व दहशत का माहौल

शैलेश सिंह। किरीबुरु

पश्चिमी सिंहभूम जिला में विकास राशि की लूट में शामिल सफेदपोश नेता, अधिकारी और अभियंताओं की अब खैर नहीं है. पं. सिंहभूम जिला में डीएमएफटी फंड को सांसद निधि और विधायक निधि की तरह जिला प्रशासन ने योजनाओं की अनुशंसा करा कर अभियंताओं की मिलीभगत से लूट की गई है. इसकी जांच केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के द्वारा जांच रिपोर्ट तैयार किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है. यह मामला पूर्व डीसी अरवा राज कमल के समय और विशेष कर तत्कालीन डीडीसी संदीप बक्शी के समय काल की है. इस विकास राशि की लूट की जांच भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बिपिन पूर्ति की शिकायत पर होने की जानकारी मिल रही है. बिपिन पूर्ति ने राज्यपाल को लिखित रूप में शिकायत की थी. साथ ही भाजपा के द्वारा गृह मंत्रालय को भी शिकायत दर्ज कराई गई थी.संदीप बक्शी के कार्यकाल में डीएमएफटी फंड में व्यापक पैमाने में लूट हुई है.

रिपोर्ट में पूर्व डीडीसी की भूमिका पर संदेह

गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट में यह भी कयास लगाया जा रहा है कि तत्कालीन डीडीसी संदीप बक्शी का इस पूरे प्रकरण में मुख्य भूमिका रही है. संदीप बक्शी का डीडीसी में पदस्थापन कराने में जिला के तीन विधायकों ने अनुशंसा की थी. तत्कालीन डीडीसी संदीप बक्शी ने अपने लूट कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए माननीय लोगों को भी शामिल किया था. संदीप बक्शी के गाइड लाइन में डीएमएफटी की राशि कार्यपालक अभियंताओं के द्वारा संवेदकों से वसूली की जाती थी. ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता सुनील नाथ, वर्तमान कार्यपालक अभियंता जितेन्द्र पासवान के साथ साथ बीसीडी के कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई के अभियंता ने मुख्य भूमिका निभाई है.

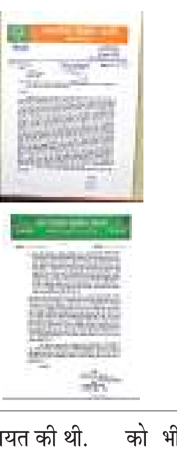

गृह मंत्रालय को भेजी गई गोपनीय रिपोर्ट

गृह मंत्रालय को भेजी गई गोपनीय रिपोर्ट में किस अभियंता, अधिकारी और माननीय की भूमिका रही है, इसकी जानकारी सामने आने तक जिला के राजनीतिज्ञों में हड़कंप मचा हुआ है. गृह मंत्री अमित शाह ने चाईबासा में आयोजित एक सभा में साफ शब्दों में डीएमएफटी फंड की लूट की जांच की बात कही थी. वहीं भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी लगातार डीएमएफटी की योजना की जांच की बात कहते रहें हैं. इस संबंध में सामाजिक संगठन और राजनीतिक दलों के द्वारा राज्य और केंद्र सरकार को इसकी शिकायत दर्ज कराया गया था. यहां तक की सत्ता पक्ष के जिला झामुमो कमेटी के बड़े नेता सोना देवगम ने भी पूर्व मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन से लिखित शिकायत दर्ज कराए थे. जिला ग्रामीण संवेदक संघ ने भी भारी कमीशन वसूली की शिकायत ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से मिलकर की थी. इसी क्रम में कमिशन वसूली के मामले में जिला के दो एजेंसी में छापेमारी कर एसीबी निगरानी विभाग के द्वारा रंगे हाथों कुछ अधिकारियों को घुस लेते पकड़ा गया था.

झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने सरायकेला के भाजपा नेताओं संग किया संवाद

भाजपा देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में जुटी

संवाददाता। आदित्यपुर

लोकसभा चुनाव अपने इशारे पर कराना चाहती है झारखंड सरकार. उक्त बातें भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व झारखंड के प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहीं. उन्होंने कहा, विपक्ष भाजपा को वाशिंग मशीन कहना बंद करे. हमारे दल में जो भी आए हैं वे आचरण सुधार लें, क्योंकि भाजपा उन्हें कानूनी तौर पर कोई मदद नहीं करने वाली है. बता दें कि वाजपेयी रविवार को सरायकेला विधानसभा के नेताओं संग लोस चुनाव के मद्देनजर संवाद करने आये थे. उन्होंने बताया कि वे हर जिले के नेताओं व पदाधिकारियों संग संवाद कर रहे हैं. उन्हें चुनाव के सलीके बता रहे हैं. भाजपा देश को भ्रष्टाचार मुक्त कर साफ सुथरी और अपराध मुक्त समाज बनाने में जुटी है. इससे पूर्व वाजपेयी जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो झंडा बैनर नहीं देख भड़क गए और कार्यकर्ता से बात की. जिस पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन झंडा बैनर लगाने से कार्रवाई कर रहा है. उन्होंने स्वयं राज्य चुनाव आयोग के पदाधिकारी के रवि कुमार से बात की. उनसे पूछा कि यह कैसा चुनाव है. जिस पर के रवि कुमार ने कहा कि झंडा बैनर नहीं लगाया जा सकता. यह चुनाव खर्च में जुड़ेगा. बता दें कि झारखंड प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी संवाद करने पहुंचे थे. आदित्यपुर स्थित होटल गुडविल में संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुई. जिसमें स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव ने किया. संवाद कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, चाईबासा लोकसभा के संयोजक विनोद श्रीवास्तव, सुबोध कुमार गुड्डू, जेबी तुबिद, पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह, धनबाद प्रभारी शैलेंद्र सिंह, गणेश महाली, जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव, पूर्व विधायक अनंत राम टुडू, सह संयोजक अमित सिंह बॉबी, रमेश हांसदा, शकुंतला महाली आदि मंचासीन रहे. इस संवाद कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील श्रीवास्तव, रितिका मुखी, उषा पांडेय, रिंकू राय, राकेश मिश्रा, निरंजन मिश्रा, ललन शुक्ला, ललन तिवारी, रमेश प्रसाद, सतीश शर्मा और कुमुद रंजन शामिल थे.

किया संवाद

- प्रभारी प्रत्येक जिले के नेताओं से कर रहे हैं बात
- कार्यक्रम स्थल पर झंडा बैनर नहीं होने से नाराज

हाल हजारीबाग सरकारी विद्यालय का, जिला शिक्षक अधीक्षक ने इस संबंध में कुछ भी कहने से किया इंकार

पढ़ाई के वक्त स्कूली बच्चों से करायी जा रही ईंट-मिट्टी की ढुलाई

संवाददाता। हजारीबाग

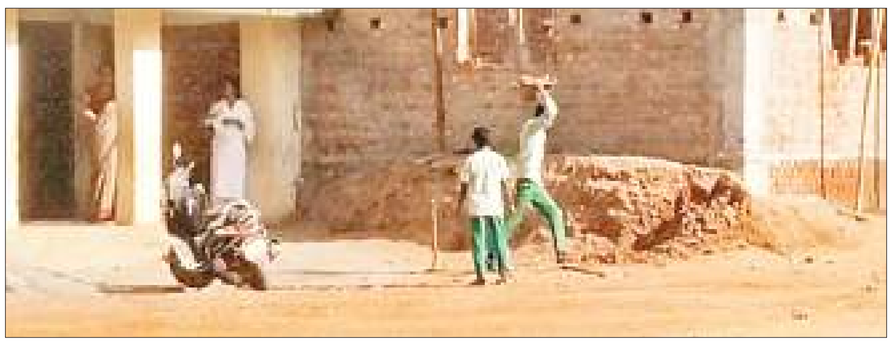

कोर्रा राजकीय बालक मध्य विद्यालय में पढ़ाई के समय बच्चों से ईंट और मिट्टी की धुलाई का काम कराया जा रहा है. दरअसल, विद्यालय के पास में ही निर्माण कार्य चल रहा था, जहां से बच्चे ईंट और मिट्टी की धुलाई करते देखे गए. इस काम में लगभग आधा दर्जन से अधिक बच्चों को स्कूल प्रबंधन ने लगाया था. छात्र कुदाल से मिट्टी उठाकर कढ़ाई में डाल रहे थे और दूसरे बच्चे मिट्टी उठा रहे थे.

यह उस वक्त हो रहा था जब पढ़ाई का समय था. स्कूल की प्रभारी प्राचार्य भी उस वक्त स्कूल परिसर में थीं. जब उनसे यह पूछा गया कि आप ऐसा क्यों करवा रहे हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि स्कूल के पास चलने फिरने में परेशानी होती थी और गड्ढा बन गया था. इस कारण बच्चों के साथ मिलकर सभी ने मिट्टी भरा है. लेकिन वीडियो में प्रभारी प्राचार्य आशा कुमारी खड़ी नजर आ रही है.

उन्होंने कहा कि विद्यालय में बाल संसद बनाया गया है. नियम के अनुसार विद्यालय चलता है. श्रमदान करके सभी बच्चों एक-एक कढ़ाई मिट्टी गड्ढे में डाली है.

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय की स्थिति बेहद खराब है.

खास बातें

- विद्यालय प्रबंधन ने आधा दर्जन बच्चों को काम में लगाया था
- विद्यालय प्रभारी बोलीं-बच्चों के काम करने में बुराई नहीं

चहारदीवारी नहीं होने के कारण विद्यालय बंद होने के बाद लोग शराब भी स्कूल परिसर में पीते हैं. जहां तहां गंदगी रहती है. आलम यह है कि स्थानीय लोग शौच करने से भी परहेज नहीं करते हैं. स्कूल के शिक्षक और कर्मी स्कूल की सफाई खुद करते हैं. विद्यालय में सफाई कर्मी भी नहीं है. अगर बच्चे काम करते हैं तो उसमें बुराई भी नहीं है.

इस संबंध में जिला शिक्षक अधीक्षक संतोष गुप्ता से पूछा गया तो वे ऑन रिकॉर्ड कुछ भी कहने को तैयार नहीं हुए. उन्होंने आचार संहिता का हवाला देते हुए कुछ भी कहने से इंकार कर दिया. लेकिन उन्होंने फोन करके बीओ को आदेश दिया कि पूरे मामले की जांच की जाए और कार्रवाई भी की जाए क्योंकि यह मामला बेहद गंभीर है. हालांकि सरकार लाखों रुपये बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर रही है और विद्यालय में बच्चों से ईंट और मिट्टी की ढुलाई कराई जा रही है. यह कहां तक सही है इसका जवाब उनके पास नहीं था.

एसपी को मिली सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

तीन ट्रकों पर गाय-बछड़ों के साथ 14 व्यापारी पकड़े गए

संवाददाता। कोडरमा

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को मिली गुप्त सूचना आधार पर कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कोडरमा घाटी से तीन ट्रक से चौदह गाय व चौदह बछड़े के साथ चौदह व्यापारी को पकड़ा. मामला दर्ज करते हुए सभी को जेल भेज दिया गया.

आरोपियों में न्यू कॉलोली कोडरमा निवासी शैलेंद्र यादव, पिता बृजनंदन यादव, ट्रक चालक विजय राय, पिता मदन राय, ग्राम रामदेव, थाना अकबरपुर जिला नवादा, खलासी सन्नी राज, पिता मनोज राजवंशी, ग्राम रामदेव, थाना अकबरपुर नवादा, बेलातांड कलामंदिर, झुमरीतिलैया निवासी सन्नी यादव, पिता सुरेश यादव, ग्राम सिपारा, थाना हिलसा नालंदा, लालगोप, पिता दुखित गोप, टांड़मठिया थाना हदियावां भोजपुर निवासी विकास, पिता सुरेंद्र गिरी, ग्राम ब्रह्मस्थान, थाना चंडी नालंदा, श्याम, पिता बासुदेव यादव, अनिल, पिता रामनाथ यादव, मलविया थाना नुरसराय नालंदा, बिरमानी यादव पिता नवल यादव, ट्रक चालक तेजपुरा थाना रामपुर नालंदा निवासी मणिभूषण, ग्राम खासपुर, थाना मनेर, पटना निवासी विकास, पिता कृष्ण राम, व्यापुर थाना मनेर पटना निवासी रंजीत राय पिता पुनीत राय, दानापुर निवासी गुड्डू कुमार आदि शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

स्वास्थ्य कैंप में इलाज के लिए उमड़ी भीड़

चौपारण। झारखंड सर्जन एसोसिएशन एवं ओम साईं चिरायु अस्पताल बांधगाड़ी, दीपाटोली रांची की ओर से रविवार को हेल्थ अवेयरनेस कैम्प का आयोजन पंचायत भवन, रामपुर किया गया. इसका करीब 500 से अधिक मरीजों ने लाभ उठाया. इसमें पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष कुमार मोदी, डॉ. अर्चना मोदी, (कैंसर रोग विशेषज्ञ), डॉ. पी के रैना(न्यूरो सर्जन), विवेक राज डॉ. सुनील कुमार (यूरोलोजिस्ट), श्याम प्रसाद (फिजीशियन), डॉ. सपन (हड्डी रोग विशेषज्ञ), प्रदीप कुमार (फिजिशियन),डॉ. अनुपमा महली, सीनियर (स्त्री रोग विशेषज्ञ) आदि ने योगदान दिया.

पुलिस का छापा, अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर जब्त

रामगढ़। रजरप्पा पुलिस छापामारी अभियान चलाकर रविवार को अहले सुबह दुलमी प्रखंड के लावालौंग के गोडातु पीसीसी सड़क पर पानी टंकी के समीप अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर जब्त कर थाना ले आयी है. छापामारी अभियान का नेतृत्व रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने किया. उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर में लगभग तीन टन अवैध कोयला लोड है. हालांकि पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर छोड़कर भागने में सफल रहा. ट्रैक्टर चालक, ट्रैक्टर मालिक एवं छत्तर निवासी कोयला व्यवसायी चुनचुन सिंह पिता प्रदीप सिंह पर कोल माइंस एक्ट व वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

वर्षों से फरार वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र से कई वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. आरोपी की पहचान गुरहेत निवासी प्रेमेश्वर राम, पिता स्व. भदवा राम के रूप में हुई है.

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर किया रक्तदान

रामगढ़। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर रविवार को झारखंड मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट संगठन की महिला सदस्यों ने रक्तदान किया. रामगढ़ के पुराने सदर अस्पताल परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में 52 यूनिट ब्लड का कलेक्शन हुआ. शिविर में बतौर अतिथि डॉक्टर ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह, डॉक्टर उदय श्रीवास्तव एवं सदर अस्पताल ब्लड बैंक के पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर रेणु, ब्लड बैंक के अजय चित्रा, सोनी, गुलाबी, अनिशा एवं झारखंड मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राम नीरेख दुबे, उपाध्यक्ष अजीत मंडल, सचिव टिकेश्वर प्रसाद कुशवाहा आदि उपस्थित थे.

इंडिया गठबंधन के लोस प्रत्याशी जेपी पटेल पहुंचे चौपारण, कहा

इस बार हजारीबाग क्षेत्र से बीजेपी नहीं, जेपी की बारी

संवाददाता। चौपारण

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन की ओर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी जय प्रकाश पटेल ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव हम नहीं गठबंधन का हर एक एक कार्यकर्ता लड़ रहा है. हमारी जीत आपकी जीत होगी. इस बार हजारीबाग से बीजेपी (भारतीय जनता पार्टी) नहीं, जेपी की बारी है. उन्होंने कहा कि झारखंड में सभी 14 लोक सभा सीट इंडिया गठबंधन जीतेगा. इससे पहले प्रत्याशी घोषित होने के बाद पहली बार मांडू के विधायक जय प्रकाश भाई पटेल चौपारण पहुंचे. सबसे पहले इटखोरी स्तिथ मां भद्रकाली मंदिर में जेपी पटेल ने अपनी पत्नी संग पूजा अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया. ततपश्चात सबैया मोड़ के पास कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया. उसके बाद झापा मोड, दादपुर पंचायत के सिंहपुर में बजरंग मंदिर के पास झामुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष बिरेंद्र राणा, प्रखंड सचिव भीम राणा, महाराजगंज चौक पर जिप सदस्य रवि अकेला, डोमाडाड़ी पुल के समीप कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष विकास यादव के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने जेपी का स्वागत किया.

जेपी तीन लाख से अधिक मतों से जीतेंगे : अकेला

पटेल का काफिला विधायक अकेला के आवास पर चुनावी समारोह में तब्दील हो गया. अकेला ने वचन दिया कि यहां के कार्यकर्ताओं ने ठाना है कि लोकतंत्र व संविधान को बचाना है और बीजेपी को गद्दी से हटाना है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को बूथ पर जिताने का मंत्र दिया. कहा कि जेपी को तीन लाख से अधिक मतों से चुनाव जीतने से कोई नहीं रोक पाएगा. मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मंटू यादव, रवि शंकर अकेला, उप प्रमुख प्रीति गुप्ता, जिला युवा अध्यक्ष शैलेंद्र यादव, नंदकिशोर यादव, हेलाल अख्तर,नागेंद्र कुशवाहा, अजय राय, युवा कांग्रेस नेता सोनू कुमार आदि उपस्थित थे.

सदन में ज्वलंत मुद्दों को लेकर रहूंगा मुखर : जेपी पटेल

संवाददाता। बरही

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जेपी पटेल रविवार को बरही पहुंचे. बरही चौक पर पटेल व बरही विधायक उमाशंकर अकेला का स्वागत घटक दलों के कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ किया. इसके बाद जेपी पटेल कार्यकर्ताओं के साथ पैदल मार्च करते हुए बरही प्रखंड परिसर स्थित नगर भवन में कार्यकर्ता सम्मेलन सह स्वागत समारोह में शामिल हुए. इसकी अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव व संचालन प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने किया. कार्यक्रम में विधायक उमाशंकर अकेला, जेएमएम केंद्रीय समिति सदस्य बिनोद विश्वकर्मा, जेपी पटेल की धर्मपत्नी ललिता देवी मुख्य रूप से शामिल रहे. पटेल ने कहा कि कांग्रेस ने अपने पांच न्याय व 25 गारंटी को न्याय पत्र में शामिल कर यह स्पष्ट कर दिया है कि आम लोग उसकी प्राथमिकता में हैं. उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की पांच गारंटी पर भरोसा करेगी.

समारोह में बरही विधायक प्रतिनिधि छट्ठु गोप, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, संजय यादव, प्रमुख मनोज रजक, उप प्रमुख देवलाल कुशवाहा, तोखन रविदास, राजद नेत्री पूनम यादव, सुनील साहू, कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता, शशि गुप्ता, उदय केशरी, रिजवान अली, अशोक सिंह, गोविंद यादव आदि उपस्थित थे.

हजारीबाग यूथ विंग ने की पहल, वर्षों से धार्मिक कार्यों में दे रही सेवा

रोजेदारों के बीच तरबूज-लुंगी का वितरण

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने वाले हजारीबाग यूथ विंग ने शनिवार देर शाम सरदार चौक के मजार के समीप रमजान माह में दूसरी बार रोजेदारों के बीच तरबूज एवं लूंगी का वितरण किया. बता दें कि हजारीबाग यूथ विंग यह सेवा कार्य पिछले 2 वर्षों से निरंतर रूप से करते आ रही है. मोहर्रम में भी संस्था ने सेवा प्रदान की थी. मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इस कार्य से प्रभावित होकर हजारीबाग यूथ विंग की सरहाना की.

वहीं हजारीबाग यूथ विंग प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के बड़ा बाजार चौक डिश टीवी ऑफिस के समीप 251 किलो लड्डू महा भोग का वितरण करेगी. इसमें एकमात्र लड्डू सवा पांच किलो का बनाया जाएगा जो महावीर स्थान स्थित प्रभु श्री राम को भोग लगाया जाएगा. कार्यक्रम में संयोजक अभिषेक पांडे एवं प्रभारी गुंजन मद्धेशिया अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं. चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग हर धार्मिक कार्यों में अपनी सहभागिता करती है. अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि रामनवमी पर लगातार तीसरे वर्ष संस्था लड्डू महा भोग वितरण कार्यक्रम करेगी.

चुनाव : डीसी ने प्रवासी मजदूरों को लिखी चिट्ठी

रामगढ़। लोकसभा चुनाव में मतदान शत प्रतिशत हो, इसके लिए अलग-अलग तरीके से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है. इस बार प्रवासी मजदूरों को भी बुलाने की अपील की गई है. ''चिट्ठी आई है'' अभियान के तहत रविवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने प्रवासी मजदूर भाइयों के नाम एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें मतदान की तिथि का जिक्र करते हुए यह अपील की गई है कि वे वोट डालने अपने घर जरूर आएं. डीसी की यह चिट्ठी सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को उपलब्ध करा दी गई है. यह चिट्ठी लेकर बीएलओ उन घरों में जाएंगे, जिनके घर के सदस्य दूसरे राज्य में रहकर काम कर रहे हैं. उनके घर से ही वीडियो कॉल की जाएगी और प्रवासी मजदूरों को डीसी की चिट्ठी दिखाई जाएगी.

इस बार नशामुक्त रामनवमी का संकल्प लें युवा : प्रधान

संवाददाता। हजारीबाग

ख्याति प्राप्त हजारीबाग की रामनवमी के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है. वहीं हजारीबाग संरक्षण समिति भी इसकी तैयारियों में जुट गयी है. समिति ने बड़ा अखाड़ा में रविवार को अध्यक्ष प्रशांत प्रधान की अध्यक्षता में बैठक की.

बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि रामनवमी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों पर चल कर आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द से मनायी जाएगी. प्रधान ने युवाओं से नशामुक्त रामनवमी का संकल्प लेने की अपील की. प्रधान ने नवनिर्वाचित श्री श्री चैत्र रामनवमी महासमिति अध्यक्ष चुने जाने पर जीतू यादव को बधाई व शुभकामना दी. मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष निशांत कुमार प्रधान, पूर्व महासमिति अध्यक्ष राजकुमार यादव सुनील केशरी, संजीव लाल भगत, ओम प्रकाश गोप, अजय कुमार साव, ज्योति सिन्हा आदि उपस्थित थे.

मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए जनता भाजपा को जिताएगी

संवाददाता। रामगढ़

एनडीए गठबंधन के हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल रविवार को जिले के कई पंचायत क्षेत्रों का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने कुंदरू, सरैया, लोधमा, छत्तर आदि क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में 62 साल तक राज किया, लेकिन गरीबों के उत्थान के लिए कोई कार्य नहीं किया. सिर्फ गरीबी हटाओ देश बचाओ का नारा दिया. उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी ने गरीबों के लिए पीएम आवास, उज्ज्वला गैस योजना, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, कोरोना में मुफ्त वैक्सीन, आयुष्मान भारत कार्ड, किसानों को 6000 का सम्मान, हर घर जल योजना देने का काम किया है. इसके अलावे पूरे विश्व में भारत का नाम आगे बढ़ाया है. इसलिए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए हजारीबाग लोकसभा की जनता भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का काम करेगी. इससे पूर्व उनके यहां पहुंचने पर रामगढ़ पार्षद धनेश्वर महतो व कुंदरूकलां मुखिया किशुनराम मुंडा द्वारा उनका स्वागत किया गया. मौके पर आजसू नेता मनोज महतो, प्रदीप कुशवाहा, भाजपा नेता रणंजय कुमार उर्फ कुण्टू बाबू, राजीव जायसवाल, छोटन सिंह आदि उपस्थित थे.

जनसंपर्क कर मनीष जायसवाल ने मांगा समर्थन

रामगढ़। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल ने रविवार को रामगढ़ के 28 गांवों में जनसंपर्क कर भाजपा के लिए समर्थन मांगा. इस दौरान रामगढ़ जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता और आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारा गठबंधन स्वाभाविक है. मनीष जायसवाल ने रविवार को रामगढ़ के ग्राम कोठार में बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभियान शुरू किया. ग्राम छत्तर मांडू में समाजसेवी बिरेन सिंह और छत्तर असना टोला में 108 साल की उम्र की अति वृद्ध मतदाता से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना.

डीसी और एसपी ने विभिन्न स्कूलों का किया निरीक्षण

रामगढ़। रामगढ़ जिले में सफलतापूर्वक, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराने तथा निर्वाचन के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में बनाए जाने वाले इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार के साथ मांडू प्रखंड अंतर्गत कुज्जु, घाटो, बरमसिया सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित विभिन्न विद्यालयों आदि का निरीक्षण किया. इस दौरान इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के आलोक में भवन में उपलब्ध कमरों की संख्या, शौचालय, जलापूर्ति, विद्युत सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया. संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू, अंचल अधिकारी मांडू, थाना प्रभारी मांडू सहित अन्य उपस्थित थे.

केरेडारी प्रखंड के हाईवा ऑनर एसो. की बैठक में कई विषयों पर चर्चा

विस्थापित प्रभावित हाईवा ऑनर संघ का गठन, सरोज बने अध्यक्ष

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड के हाईवा ओनर एसोसिएशन संघ की बैठक केरेडारी गांव स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में की गई. इसकी अध्यक्षता सरोज कुमार साहू ने की. इसका संचालन राजू कुमार ने किया. बैठक में हाईवा ऑनरों के हित में कई विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें स्थानीय हाईवे ऑनरों को प्राथमिकता के आधार पर उचित भाड़ा समय पर भुगतान एवं माइंस में बाहरी गाड़ी की एंट्री पर रोक आदि विषय पर चर्चा की गई.

वहीं हाईवा ऑनरों को एक सूत्र में बांधने के लिए विस्थापित प्रभावित हाईवा ऑनर संघ केरेडारी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष सरोज कुमार साहू, उपाध्यक्ष जाबिर हुसैन, गणेश कुमार साव, सचिव संतोष कुमार, मीडिया प्रभारी राजू कुमार, कोषाध्यक्ष रामरतन कुमार को बनाया गया. वहीं सदस्य के रूप में राजेश कुमार साव, मुंशी कुमार, प्रमोद कुमार, लालजीत महतो, धनेश्वर साव, चरित्र कुमार, सुरेश कुमार, लखन कुमार साव, महेंद्र महतो, संरक्षक सुरेश साव, सुबोध सिंह, सूरज साव, संजय कुमार दुबे का चयन किया गया. अध्यक्ष सरोज कुमार कहा कि जिस उम्मीद और आशा के साथ मुझे जिम्मेदारी दी गई है उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा. साथ ही हाईवा ऑनरों की भलाई में 24 घंटे समर्पित रहूंगा.

खास बातें

- हाईवा ऑनरों को उचित भाड़ा समय पर भुगतान की मांग
- माइंस में बाहरी गाड़ी की एंट्री पर रोक का मामला भी उठा

सख्ती एसडीओ कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर आरोपियों के खिलाफ जारी हो सकता है गिरफ्तारी वारंट

एसडीओ कोर्ट से 3475 लोगों को मिला 107 का बेलेबल नोटिस

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में रामनवमी और चुनाव को लेकर एसडीओ कोर्ट ने 3475 लोगों के खिलापफ 107 का नोटिस निकाला है. यह आंकड़ा एसपी ऑफिस का है. यह नोटिस वैसे लोगों के लिए है जिन पर चुनाव और रामनवमी में हुड़दंग करने की आशंका हैं. हालांकि यह नोटिस बेलेबल है. उन्हें एसडीओ कोर्ट जाकर बॉन्ड पेपर भरना होगा. अगर नोटिस मिलने के बाद आरोपी एसडीओ कोर्ट नहीं जाते हैं तो उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी निकल सकता है. दरअसल, हजारीबाग में रामनवमी और विजयदशमी के दिन लगभग डेढ़ सौ झांकियां शहर के झंडा चौक होते हुए जामा मस्जिद रोड से गुजरती हैं, जिसमें करीब 30 घंटे का समय लगता है. त्योहार को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट हो जाता है. इस दौरान वैसे लोगों को चिन्हित किया जाता है जिन पर पूर्व से रामनवमी व चुनाव के समय झगड़ा, दंगा भड़काने के आरोप में थाने में मामला दर्ज है.

सदर एसडीओ शैलेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह.

शहर के चार थाने की बात करें तो सदर थाने में 200 लोगों पर 107 का मामला दर्ज है, जबकि 110 और 108 के केस में 20 लोग शामिल हैं.

खास बातें

- रामनवमी व लोस चुनाव के मद्देनजर की गई कार्रवाई
- प्रशासन दोनों आयोजनों को शांति से संपन्न कराने में जुटा

ये वैसे लोग हैं जिन पर 107 के अलावे और भी पुराने केस दर्ज हैं. वहीं लोहसिगना थाने ने अब तक 200 लोगों को 107 का नोटिस भेजा है, जबकि पांच लोगों को 110 का नोटिस दिया गया है. बड़ा बाजार थाने ने 160 लोगों को 107 का नोटिस दिया है, जबकि 110 का नोटिस 10 लोगों को भेजा गया है. कोरा थाने की ओर से 200 लोगों को 107 का नोटिस भेजा गया है, जबकि 16 लोगों पर 110 व 108 के मामले दर्ज हैं.

इधर, जिला प्रशासन रामनवमी त्योहार व लोकसभा चुनाव को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी और चुनाव संपन्न करवाने में जुटा है. शहर के विभिन्न जगहों पर लगे सीसीटीवी को दुरुस्त भी किया जा रहा है. इसके अलावा एसपी ऑफिस, डीसी ऑफिस, डीजीपी ऑफिस रांची और चुनाव आयुक्त ऑफिस में कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से शहर की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है.सदर अनुमंडल पदाधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि चुनाव को लेकर पहले से आचार संहिता लगा हुआ है और रामनवमी को देखते हुए धारा 144 भी लगायी जाएगी. रामनवमी में डीजे पर प्रतिबंध लगा हुआ है. पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि जिले के विभिन्न थानों में से 3475 लोगों को 107 का नोटिस दिया गया है. अगर ये लोग एसडीओ कोर्ट में जाकर बॉन्ड नहीं भरते हैं और अगर शहर में कुछ होता है तो इन्हें पकड़ कर बिना वारंट जेल भेजा जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्ष हजारीबाग में रामनवमी संपन्न करवाने के लिए अतिरिक्त 5000 फोर्स लगाए गए थे. इस वर्ष भी भारी संख्या मेंफोर्स मंगाई जाएगी.

श्मशान घाट के शेड में ही अधेड़ व्यक्ति ने लगा ली फांसी

संवाददाता। रामगढ़

कोरोना काल के बाद भी आम नागरिक का जीवन पटरी पर आना अभी भी मुश्किल नजर आ रहा है. जिस तरह आम जनजीवन लगातार कठिन होता जा रहा है उससे लोग आत्महत्या करने पर विवश हो रहे हैं. ऐसा ही एक मामला रामगढ़ के पतरातू से सामने आया. यहां रविवार को अधेड़ ने श्मशान घाट के शेड में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी. एनटीपीसी न्यूटाउनशिप के निकट कालीघाट स्थित श्मशान घाट के शेड में फंदे से झूलती हुई लाश देखकर लोग चौक गए. मृतक विश्वजीत राम उर्फ कारु राम (50) पीटीपीएस कॉलोनी के हनुमानगढ़ी का रहने वाले थे. पीटीपीएस के रांची हेडक्वार्टर में बतौर सफाई कर्मी कार्यरत थे. जब लोगों ने वजह जानने की कोशिश की तो पता चला कि वह बैंक का लोन नहीं चुका पा रहे थे. इस मामले की पुष्टि करते हुए पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार राम ने बताया कि आम नागरिक और परिवार वाले भी इसी बात को बता रहे हैं कि क़र्ज़ नहीं चुका पाने की वजह से विश्वजीत लगातार तनाव में थे. घर में भी इसी बात को लेकर अक्सर विवाद हो रहा था. पुलिस को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया है.

ब्रीफ खबरें

राजपूत क्षत्रिय घटवाल विकास समिति की बैठक

गांडेय(गिरिडीह)। गांडेय प्रखंड के डोकीडीह पंचायत के मोहनपुर गांव में रविवार को सूर्यवंशी राजपूत क्षत्रिय घटवाल विकाश समिति की जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मुन्ना सिंह ने की. बैठक में आगामी लोकसभा और विधानसभा उप चुनाव में सूर्यवंशी राजपूत क्षत्रिया घटवाल घाटवार समाज के बुद्धिजीवियों से उपचुनाव को लेकर विचार विमर्श किया गया और जिला कमेटी द्वारा लिए गए निर्णय को समाज के लोगों के बीच गांव गांव घूमकर रखने की बात कही गई . कमेटी द्वारा एक सप्ताह के अंदर गांडेय विधान सभा में जातीय जनगणना कार्य करने का निर्णय लिया गया .

साहिबगंज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

साहिबगंज। रविवार को नगर थाना प्रांगण में ईद उल फितर रामनवमी पर्व को लेकर साहिबगंज एसडीओ अंगारनाथ स्वर्णकार अध्यक्षता में शांतिपूर्ण समिति की बैठक की गई. बैठक में ईद उल फितर एवं रामनवमी को शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ मनाने पर विचार विमर्श किया गया. इसके बाद साहिबगंज एसडीओ अंगारनाथ स्वर्णकार ने कहा कि सौगात और शांतिपूर्ण वातावरण में उत्सव को मनाई जाय एवं क्षेत्र में आपसी भाईचारा की जो मिसाल कायम है उसे बरकरार रखने पर विशेष ध्यान दिया जाय.

जमुआ में शिक्षक के निधन से शोक

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ थाना क्षेत्र के लताकी निवासी सेवा निवृत शिक्षक तपेश्वर गिरी के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक व्याप्त है. स्थानीय जनपतिनिधि एवं गोस्वामी समाज के कई पदाधिकारियों ने शोक जताया है. रामाधार हाजरा ने बताया कि स्व गिरी बोकारो जिला के दुग्दा के प्राथमिक विद्यालय में 25 वर्ष सेवा दी . व पलामू बस्ती पांच साल सेवा देकर सेवा निवृत हुए थे . वे अपने कार्यों के प्रति समर्पित थे.

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सामूहिक उपवास

बोकारो । राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत आम आदमी पार्टी बोकारो जिला कमेटी की ओर से रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया. स्थानीय सेक्टर पांच पुस्तकालय मैदान के पास स्थित पार्टी कार्यालय के समक्ष आयोजित उपवास में जिला और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ताओं ने शिरकत की. मौके पर प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर अरविंद केजरीवाल को अवैध तरीके से गिरफ्तार किया गया है.

भाजपा प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

गांडेय (गिरिडीह) । रविवार को अहिलियपुर मंडल में भारतीय जनता पार्टी के उपचुनाव के उम्मीदवार दिलीप वर्मा ने मंडल के अंतर्गत आने वाले अहिलियापुर पंचायत के पांडेयडीह मंदिर में मां छिन्नमस्तिका का दर्शन कर जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की. जनसंपर्क अभियान दुलहडीह, रसनजोरी, प्रमडीहजामजोरी बुधुडीह, भादवा, अंधारकोला, भासपुर का दौरा कर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से मिलकर आशीर्वाद लिया . मौके पर उपस्थित मंडल अध्यक्ष पुरषोत्तम चौधरी, महामंत्री भागीरथ उपस्थित थे.

माइक्रो फाइनांस कंपनी के ग्रुप लीडर पर धोखाधड़ी का आरोप

लोन के नाम पर महिलाओं से लाखों की ठगी

संवाददाता।बोकारो

माइक्रो फाइनांस कंपनी के द्वारा गरीब महिलाओं को लोन दिलाने के नाम पर कंपनी के ग्रुप लीडर द्वारा लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. मामला रेलवे फाटक से सटे झुग्गी झोपड़ी का है. बताया गया कि गरीब महिलाओं को लोन उपलब्ध कराने के नाम पर ग्रुप लीडर के द्वारा अंगूठा लगाकर 25 से 30 लाख रुपए की ठगी की गयी है. उक्त कंपनी की ग्रुप लीडर जहीरा बेगम के द्वारा इस धोखाधड़ी के मामले को अंजाम दिए जाने का आरोप है. इस बात की जानकारी मिलने के बाद महिला समूह की सदस्यों की परेशानी बढ़ गयी है.

बैंक के अधिकारी मौके पर पहुंचकर उनसे पैसे की भी मांग कर रहे हैं.

मौके पर पीड़ित और उनके परिजनों ने बताया कि जहीरा बेगम के द्वारा महिलाओं को बताया गया कि उनके नाम पर लोन स्वीकृत हुआ है. इस पर महिलाओं ने जब लोन लेने से इंकार कर दिया तो आरोपी ने कहा कि अगर लोन नहीं लेना है तो तीन बार पोस्ट मशीन में अंगूठा लगाना होगा, ताकि लोन कैंसिल हो जाए. इन लोगों से लोन कैंसल करने के नाम पर अंगूठा लगाया . बाद में जब आरोपी महिला अपने घर को बेचकर रातोंरात फरार हो गई, तब इन लोगों को पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है. समूह की ऐसी 25 से 30 महिलाएं हैं, जिससे एक लाख रुपए से अधिक की ठगी की गई है. ठगी की कुल रकम 30 से 35 लख रुपए बताई जा रही है. पीड़ित परिवार वालों ने प्रशासन से लोन के नाम पर फर्जीवाड़ा करनेवाली महिला और बैंकर पर भी कार्रवाई करने की मांग की है. पीड़ितों का कहना है कि जब हम लोगों को अंगूठा लगाने के बाद बैंक के द्वारा पैसा नहीं दिया गया तो वह पैसे की वसूली करने का अधिकार कैसे रखते हैं. महिलाओं ने बताया कि यह माइक्रो फाइनांस कंपनी और बैंक की मिलीभगत से ये सब हुआ है, इसकी जांच जरूरी है.

खास बातें

- महिला समूह की सदस्यों की परेशानी बढ़ी
- 25-30 महिलाओं से एक लाख से अधिक की ठगी

देर रात घर में लगी आग, धान चावल सहित अन्य सामान जले

संवाददाता।देवघर

जिले के खागा थाना क्षेत्र स्थित घोड़ादहा गांव निवासी छोटे लाल मुर्मू के घर में शनिवार देर रात आग लग गयी. इस अगलगी में धान, चावल, मुर्गी सहित घर में रखे सारे सामान जल गये. आग कैसे लगी है, इसका पता अभी नहीं चल पाया है. घटना के संबंध में बताया गया कि छोटे लाल मुर्मू अपने परिवार वालों के साथ सो रहे थे. छोटे लाल के बेटे की नींद आधी रात में खुली तो उसने देखा कि घर धुंआ से भर गया है. बच्चे के हल्ला करने पर घर के सभी लोग उठ गये. हल्ला सुनकर आसपास के लोग भी वहां जुट गये. ग्रामीणों की मदद से आग को बुझाया गया. लेकिन तब तक घर में रखे सभी सामान जलकर राख हो गये थे. ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जानकारी ली.

हथियार से लैस अपराधियों ने दिनदहाड़े बाइक सवार को लूटा था

बालीडीह लूटकांड के तीन आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता।बोकारो

बोकारो के बालीडीह थाना क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप के निकट दो दिन पूर्व हथियार दिखाकर दिन दहाड़े लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. रविवार को यह जानकारी डीएसपी मुख्यालय आशीष महली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी. गिरफ्तार युवकों में विकास रवानी, साकेत कुमार सिंह तथा अजित कुमार नामक शामिल है. बताया गया कि हथियार से लैस अपराधियों ने दिनदहाड़े बाइक सवार विशाल कुमार सिंह को लूट का शिकार बनाया था.

गोड़ाबाली निवासी युवक विशाल सिंह बाइक से पेट्रोल पंप पंहुचा था. पेट्रोल लेकर जैसे ही पंप से बाहर निकाला, हथियार बंद अपराधियों ने घेर लिया. उससे मारपीट कर 60 हजार रुपया व बाइक लूटकर फरार हो गए. इधर विशाल सिंह के घर पंहुचते ही अपराधी का फोन आया, उसे चास गरगा पुल के पास बुलाया गया. इसके बाद लूट का शिकार युवक परिजनों के साथ थाना पहुंचे. घटना की जानकारी दी. मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर चास इलाके में छापेमारी शुरू कर दी. छापेमारी के दौरान चास डीएसपी कॉलोनी के पास पुलिस टीम को देख भाग रहे आरोपी विकास रवानी सहित अन्य दो को पुलिस ने पकड़ लिया. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी विकास रवानी हिस्ट्रीशीटर है. चास व सिटी पुलिस के लिए वांछित रहा है. फिलहाल वह इंडस्ट्रियल एरिया के एक फैक्ट्री में काम भी करता है. पुलिस इन तमाम बिंदु पर जांच कर रही है.

खास बातें

- विशाल कुमार को लूट का शिकार बनाया था
- गिरफ्तार विकास रवानी हिस्ट्रीशीटर है

बारह वारंटी गिरफ्तार, चोरी की चार बाइक बरामद

गोड्डा। आपराधिक मामले में फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिला के सभी थानों में एक साथ कार्रवाई की गई . जिसमें बारह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, जबकि चोरी की चार मोटरसाइकिलों को भी बरामद कर लिया गया . महगामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि महगामा थाना क्षेत्र के सरोतिया गांव में मोटरसाइकिल की चोरी होने की सूचना मिली थी . अनुसंधान के क्रम में मिली जानकारी के बाद ग्राम भांजपुर से मंगल यादव को पकड़ा गया . इसके घर से चोरी की बाइक बरामद की गई है . इसी की निशानदेही पर चोरी गए तीन मोटरसाइकिलों को भी बरामद कर लिया गया . चोरी को लेकर महगामा थाने में दर्ज केस में चार वर्षो से फरार चल रहे कन्हाई यादव को भी गिरफ्तार कर लिया गया . नाबालिग लड़की को भगा ले जाने के आरोपी राजन मिर्धा को नगर पुलिस ने शिवपुर मोहल्ले से गिरफ्तार कर लिया . मुफ्फसिल थाना अंतर्गत ग्राम कतरा के सूर्यदेव मंडल को अवैध शराब के मामले में गिरफ्तार कर पंजवारा थाना बिहार भेज दिया गया .

आशीष गैंग के तीन अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

संवाददाता।देवघर

संगठित आपराधिक गिरोह आशीष मिश्रा गैंग के तीन अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रखिया थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बंधा से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार अपराधियों में रोशन झा, अभिषेक वर्मा और शुभम कुमार शामिल है. इनके पास से पुलिस ने एक देशी हथियार और कारतूस बरामद किया है. रविवार को एसडीपीओ रित्विक श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लिया जानकारी दी.

एसडीपीओ ने बताया कि इन सभी की मंशा लोगों को डरा धमका कर रंगदारी वसूलने का था. वहीं संभावना जताई जा रही है कि ये अपराधी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के फिराक में थे. फिलहाल पुलिस इन लोगों से सख्त पूछताछ कर रही है. गौरतलब है कि देवघर में बाबा परिहस्त की मौत के बाद से आशीष मिश्रा गैंग सक्रिय है. जबकि आशीष मिश्रा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

39 साल से रमजान का 37वां रोजा रख रहे हैं कैलाश

साहिबगंज। रविवार को शहर के ईमली टोला झरना कॉलोनी के रहने वाले सेवानिवृत रेलवे गार्ड कैलाश प्रसाद बीते 39 वा साल से रमजान का 37 वां रोजा रख रहे हैं.वहीं कैलाश प्रसाद हिंदू धर्म मानने के बाबजूद रोजा रख रहे हैं. वे अन्य दिनों में भागवात गीता के साथ कुरान भी पढ़ते हैं. सेवानिवृत रेलवे गार्ड कैलाश प्रसाद बताते हैं कि वे 1985 से रोजा रखना शुरू किया. उनकी दोस्ती स्टेडियम के रहने वाले रेलवे के बतोर स्टेशन मास्टर कार्यरत हाजी जफर आलम से हुई थी. उसने रोजा रखने के लिए उन्हें प्रेरित किया. दरअसल उन दोनों की दोस्ती के दरमियान जब उन्हें हाजी जफर को रोजा रखते हुए देखते थे,तो उन्हें भी रोजा रखने की इच्छा हुई.

जरीडीह में अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़

संवाददाता।बोकारो

बोकारो डीसी विजया जाधव के निर्देश पर रविवार को उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त के मार्गदर्शन एवं उत्पाद निरीक्षक के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने जरीडीह थाना के सहयोग से नूतन डीह ग्राम में अवैध विदेशी शराब के मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. छापेमारी के क्रम में विधिवत तलाशी के दौरान बाउंड्री के अंदर बने एक कमरे एवं जमीन के अंदर छिपाकर रखी गई शराब सहित अन्य सामग्री रिकवरी की गई. जमीन के अंदर गाड़े ड्राम के अंदर बोरे में रखी, विदेशी शराब एवं अन्य सामग्री बरामद की गई है. छापामारी के बाद नूतनडीह निवासी अभियुक्त बसंत महतो के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया. छापेमारी दल में उत्पाद निरीक्षक संजीत देव, सदर अवर निरीक्षक कृष्णा प्रजापति एवं अवर निरीक्षक चंद्रपुरा दीपिका कुमारी, जरीडीह थाना प्रभारी अमित राय समेत पुलिस अधिकारी सोनू चौधरी, विकास विश्वकर्मा एवं सशस्त्र बल शामिल थे.

टीम ने मौके से विदेशी शराब - 675 लीटर (विभिन्न ब्रांड), तैयार रंगीन शराब 09 पानी के जार में -180 लीटर, विभिन्न ब्रांड के 4,000 लेबल, 4,000 ढक्कन, नकली होलोग्राम 5,000 तथा एक जरकिन में केरामेल 05 लीटर जब्त किया है.

गांजा का कारोबार करने वाला युवक धराया, जेल

संवाददाता।गोड्डा

प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा का कारोबार करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है. उसके पास से सवा किलो गांजा भी बरामद किया गया है. नगर थाना को सूचना मिलने के बाद कदवा टोला स्थित दुर्गा साह के घर पर छापेमारी की गई. इसके पास से प्रतिबंधित गांजा बरामद किया गया, जिसका वजन सवा किलो बताया गया है. दुर्गा साह गांजा का कारोबारी है, जो बाहर से माल मंगवाकर बेचने का काम करता है. गांजा के साथ पकड़े गए कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.

पच्चीस वारंटी गिरफ्तार : बीती रात चलाए गए समकालीन अभियान में अलग अलग थाना क्षेत्र से फरार चल रहे कुल पच्चीस वारंटी को गिरफ्तार कर लिया गया. इसकी जानकारी देते जाए एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने बताया कि नगर थाना की पुलिस द्वारा करीब बीस वर्ष से फरार चल रहे अभियुक्त पिंकू मेहतर को नहर चौक से गिरफ्तार कर लिया गया. इस अभियुक्त का मामला 2813 से कोर्ट में लंबित था और वहां से फरार चल रहा था.

पदाधिकारी ने आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया

साहिबगंज। रविवार को उपायुक्त साहेबगंज के निदेशानुसार जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद ने मंडरो प्रखंड अंतर्गत कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याण आवासीय विद्यालय करमपहाड़ का औचक निरीक्षण किया गया. वहीं निरीक्षण के क्रम में छात्रों से बात कर उनको मिलने वाली सुविधा के बारे में जानकारी ली एवं छात्रों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया. उन्होंने छात्रों के साथ भोजन भी किया. छात्रों को दी जाने वाली भोजन की शुद्धता एवं गुणवत्ता का जायजा लिया.उन्होंने भंडार गृह का निरीक्षण करते हुए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच एवं उनके माप की जांच की. उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिया कि बच्चों की पढ़ाई, विद्यालय परिसर की सफाई एवं बच्चों को मिलने वाली सुविधा में कोई कोताही न बरते. इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित थे.

नल जल योजना में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने किया हंगामा

संवाददाता।गांडेय

गांडेय थाना क्षेत्र के करीबांक पंचायत के कैराडाबर गांव में रविवार की दोपहर को जल - नल योजना का बोर्ड लगाने पहुंचे संवेदक के कर्मियों को ग्रामीणों का भारी विरोध झेलना पड़ा . ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से विरोध कर कर्मियों को बोर्ड लगाने नहीं दिया . ग्रामीणों का कहना है कि सबसे पहले पूरे पंचायत में जल - नल योजना में हुई अनियमितता को सुधारा जाए सभी बोरिंग पांइट से पाइप को जोड़कर घर - घर नल का पानी पहुंचाया जाए. उसके बाद बोर्ड लगाने दिया जाएगा . ग्रामीणों के विरोध को देखते ऐजेंसी का कर्मी मत्युजय यादव गांव से भाग खड़ा हुआ जबकि बोर्ड लेकर पहुंचे मजदूर और वाहन चालक भी कुछ देर के बाद बिना बोर्ड लगाए गांव से वापस चले गए.

जानकारी के अनुसार रविवार को पंचायत के उप मुखिया टुनटुन रवानी , सुरेश वर्मा , सुरेश रवानी , प्रदीप वर्मा , चन्दर यादव सहित अन्य लोग पंचायत का भ्रमण कर रहे थे . इसी क्रम में जल - नल योजना का बोर्ड लगाने ऐजेंसी का कर्मी मत्युजय यादव अन्य मजदूरों को लेकर पहुंचा. उपमुखिया सहित अन्य लोगों की नजर पड़ने पर सभी लोगों ने बोर्ड लगाने का विरोध किया. उपमुखिया सहित पंचायत के संक्रिय कार्यकर्ताओं को देखकर कैराडाबर , ओझाडीह , शीतला गांव के लगभग 100 ग्रामीण एकत्रित हुए और सभी लोगों ने बोर्ड लगाने का विरोध किया . जिसके बाद एजेंसी के कर्मी और मजदूरों को वापस लौटना पड़ा.

ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से कहा कि करीबांक पंचायत के मंडरो , असहना , ओझाडीह , करीबांक , लालपुर , शीतला , कैराडाबर , महेशपुर , गोविन्दाडीह , परहेता , चिरुडीह , भलुआ गांव के विभिन्न मोहल्ला में जल - नल योजना के तहत लगभग 70 जगह बोरिंग की गई है . परंतु संवेदक की लापरवाही के कारण किसी भी बोरिंग पांइट से ग्रामीणों के घर तक पानी नहीं पहुंच रहा है.

जमुआ में कानूनी जागरूकता शिविर

जमुआ (गिरिडीह)। झालसा रांची के निर्देशानुसार और डालसा गिरिडीह के आदेशानुसार रविवार को जमुआ प्रखंड के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमुआ मे विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता सह साक्षरता शिविर का आयोजन डॉ कपील कुमार सिंह की उपस्थिति में किया गया. प्रखंड विधिक सहायता केंद्र जमुआ के पीएलवी सुबोध कुमार साव ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के संबंध मे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि हर किसी को हर जगह जरूरी स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य शिक्षाऔर उससे जुड़ी जानकारी मिलनी चाहिए.साफ पानी,साफ हवा,जरूरी पोषण, रहने के लिए अच्छा घर ,काम करने के लिए बढ़िया वातावरण और परिस्थितियां हर व्यक्ति का अधिकार है. पीएलवी हीरा देवी ने उपस्थित लोगों को स्वास्थय के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड के संबंध में जानकारी दी.

गिरिडीह

किशोरी मंच की फुटबॉल टीमों के बीच अंतर ग्राम फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

बालिका सशक्तीकरण के लिए खेलों को मिले बढ़ावा : सुरेश

संवाददाताडुमरी ।(गिरिडीह)

बगोदर प्रखंड के तुकतुको खेल के मैदान में गर्ल्स नॉट ब्रॉइड्स तथा आशा संस्था के सहयोग से सुरेश कुमार शक्ति के नेतृत्व में रविवार को किशोरी मंच के फुटबॉल टीमों के बीच अंतर ग्राम फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया . इस दौरान फाइनल मैच में लुकइया किशोरी मंच ने टुकतुको किशोरी मंच को एक गोल से पराजित किया. मैच की शुरुआत वार्ड सदस्य कोनिका कुमारी, गीता देवी सेविका रामदुलारी देवी के द्वारा फीता काट कर और कीक मारकर किया गया. मुख्य अतिथि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, बनवासी विकास आश्रम के गिरिडीह जिला संयोजक उत्तम कुमार तिवारी ने कहा कि झारखंड की बच्चियां खेल की दुनिया में काफी नाम रौशन कर रही है. बालिकाओं के सशक्तीकरण तथा नेतृत्व विकास के लिए खेलकूद एक अहम माध्यम है . बेटी पढाओ बेटी बचाओ के लिए खेल का अवसर प्रदान करना सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं का परम कर्तव्य है . नेतृत्वकर्ता सुरेश कुमार शक्ति ने कहा कि गर्ल्स नॉट ब्रॉइड्स (लड़कियां सिर्फ दुल्हन नहीं) के सदस्य संस्था साथी भारत में बाल विवाह को समाप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविवधियां चला रही हैं. इसी कड़ी में जगह जगह बालिकाओं के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन किया जा रहा है. इस मैच में विजेता टीम राजधानी रांची में आयोजित टूर्नामेंट में खेलेगी, जिसमें अलग अलग जिलों की टीमें भाग ले रही है. वार्ड सदस्य कोनिका ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से लड़कियां काफी आगे निकल सकती हैं. वहीं सेविका रामदुलारी देवी ने कहा कि लड़कियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है. हम सभी को मानसिकता बदलनी होगी. तभी बाल विवाह को जड़ से खत्म कर सकते हैं . बाल विवाह कानूनी अपराध है . कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकुमार दास, रवि कुमार मैच निर्णायक दिनेश पासवान, सुनील पासवान, सविता कुमारी,अंशु कुमारी,मनीषा कुमारी, प्रियंका कुमारी,अंजनी हेम्ब्रम, सरिता हेंब्रम, जीत मुनि, कुमारी मायावती, कुमारी प्रियंका ,किरण ललिता, ममता रेशमी, पूजा हेब्रम कांति देवी, सुमन कुमारी, महेश दास, संजय कुमार चौधरी की भूमिका सराहनीय रही,अंत में ओमप्रकाश महतो द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम समापन कि घोषणा की गईं .

खास बातें

- बाल विवाह प्रथा को जड़ से समाप्त करने की पहल
- लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं हैं

स्वस्थ्य जीवन शैली और योग अभियान पर जागरुकता शिविर का आयोजन

‘स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार जरूरी’

संवाददाता।शिविरपाकुड़

झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वावधान में रविवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वस्थ जीवन शैली एवं योग अभियान पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ बाल कृष्ण तिवारी के निर्देश और सचिव अजय कुमार गुड़िया के मार्गदर्शन में पाकुड़ सदर के पाकुड़ प्रखंड सभागार में आयोजित किया गया.

उक्त कार्यक्रम में प्रधान सहायक राम विलास यादव ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार जरूरी है। साथ ही स्वच्छता पर भी ध्यान देना नियमित व्यायाम, टहलना, योग आदि को अपनी नियमित आदत बना कर ही हम स्वस्थ रह पाएंगे. भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग रहने की जरूरत है. योग से हमें सभी प्रकार के रोगों से लड़ने की क्षमता मिल जाती है. वहीं पीएलवी नीरज कुमार राउत ने कहा कि लगातार आठ घंटे की नींद लेना, नशा कारक पदार्थों का सेवन नहीं करना, अपने शरीर की क्षमता के आधार पर व्यायाम करना, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही सही नहीं है. इसलिए लोगों को सजग रहने की जरूरत है. दिनचर्या सुनिश्चित करेंगे तो तनाव घटेगा और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा. योग और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं.

सर्वोच्च फैसले का इंतजार

निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए ईवीएम मशीन में लगे वीवीपैट की पूरी पर्चियों की गिनती की मांग लंबे समय से विपक्षी दल और चुनावों पर नजर रखने वाले सिविल सोसाइटी करती रही है. दरअसल चुनावों को ले कर किसी तरह का संदेह नागरिकों के मन में नहीं रहे, इसके लिए यह मांग उठती रही है. मुख्य सवाल भी तो यही है कि नागरिकों का विश्वास चुनावों की प्रक्रिया में बना रहे. चुनाव आयोग को इसके लिए हर तरह के कदम उठाने की जरूरत महसूस की जाती रही है. अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने आश्वासन दिया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज होने वाले वोट और उससे संबंधित वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की अर्जियों पर वह समय रहते अपना निर्णय देगा, लेकिन फिलहाल संकेत यह मिला है कि अदालत ने इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी है. वरना, सुनवाई दो हफ्तों के लिए नहीं टाली जाती. समस्या यह है कि 19 अप्रैल से मतदान शुरू हो जाएगा. यह तारीख जितनी करीब आएगी, निर्वाचन आयोग की यह दलील उतनी ठोस होती जाएगी कि इस मामले में सिस्टम बदलने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा है.

> दरअसल चुनावों को ले कर किसी तरह का संदेह नागरिकों के मन में नहीं रहे, इसके लिए यह मांग उठती रही है. मुख्य सवाल भी तो यही है कि नागरिकों का विश्वास चुनावों की प्रक्रिया में बना रहे. चुनाव आयोग को इसके लिए हर तरह के कदम उठाने की जरूरत महसूस की जाती रही है.

इस मामले में निर्वाचन आयोग के रुख पर पहले से कई सवाल रहे हैं. जबकि ना सिर्फ विपक्ष, बल्कि सिविल सोसायटी के भी बहुत बड़े दायरे में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गहराते शक के साथ वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की मांग जोर पकड़ती गई है. जब वोट डाला जाता है, तो वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल मशीन, जो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की बैलेट यूनिट (बीयू) से जुड़ी होती है, कागज की एक पर्ची प्रिंट करती है. मुद्रित पर्ची सात सेकंड के लिए दिखाई देती है, ताकि मतदाता देख सके कि वोट सही ढंग से दर्ज किया गया है. मुमकिन है कि इन संदेहों में कोई दम न हो, इसके बावजूद यह अनिवार्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर उठने वाले संदेहों का पूरा निवारण किया जाए. लोकतंत्र में यह विश्वास सबसे महत्त्वपूर्ण होता है कि चुनाव के जरिए वास्तविक जनमत की अभिव्यक्ति हुई है. तभी मिला जनादेश सर्व-स्वीकृत बना रहता है. अगर इसके विपरीत धारणाएं बनीं, तो फिर पराजित पक्ष अपनी हार को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जिससे पूरे राजसत्ता की वैधता को चुनौती मिलने की दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं. इसलिए इसे आवश्यक माना जाता है कि मतदाता सूची तैयार करने से लेकर चुनाव परिणाम की घोषणा तक का हर कदम विश्वसनीय ढंग से उठाया जाए. दुर्भाग्य से इनमें से कुछ प्रक्रियाओं पर आज संदेह पैदा हो गया है. इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने जब वीवीपैट संबंधी अर्जियों पर फिर से सुनवाई का फैसला किया, तो उससे समाज के एक बड़े हिस्से में उम्मीद पैदा हुई. वीवीपैट पर्चियों की गिनती के खिलाफ व्यावहारिक दिक्कत संबंधी कई दलीलें दी जाती हैं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया को संदेहों से परे बनाए रखने के लिए तमाम दिक्कतों को बेहिचक स्वीकार किया जाना चाहिए. आशा है, अपना निर्णय देते वक्त सुप्रीम कोर्ट इस आकांक्षा को ध्यान में रखेगा.

सुभाषित

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैवकुटम्बकम् ॥

ये मेरा है, वह उसका है, जैसे विचार केवल संकुचित मस्तिष्क वाले लोगों दिमाग में ही आते हैं. जो उदार चरित्र वाले लोग हैं यानी जिनका मस्तिक विस्तृत है, उनके विचार से तो वसुधा एक कुटुम्ब है. न कोई पराया है और न ही त्यागने योग्य.

गुजरात बीजेपी में ऑल इज वेल नहीं

गुजरात की सियासत में पहली बार ऐसा दिख रहा है कि बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवारों का विरोध हो रहा है. आमतौर पर गुजरात में ऐसा बहुत कम ही देखने को मिलता है. बीजेपी में इस तरह का कल्चर भी नहीं रहा है, लेकिन गुजरात में जिस तरह से कई उम्मीदवारों का विरोध हो रहा है, उसने पार्टी के सामने मुश्किल खड़ी कर दी है. गुजरात बीजेपी में ऑल इज वेल नहीं है. दो ने टिकट किया वापस, दो और नेताओं पर लटकी तलवार...

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

गुजरात बीजेपी का सबसे मजबूत दुर्ग माना जाता है. बीजेपी की यह सियासी प्रयोगशाला भी है. 2014 और 2019 के चुनाव में बीजेपी ने सभी 26 सीटें जीतने में सफल रही है और लतागार तीसरी बार क्लीन स्वीप का टारगेट सेट किया. गुजरात बीजेपी में इन दिनों सियासी उठापटक चल रही है. बीजेपी अपनों के विरोध के चलते दो उम्मीदवारों का टिकट बदल चुकी है. इसके बावजूद मामला रुक नहीं रही है और तीन सीटों पर जिस तरह से सियासी संग्राम छिड़ा है, उसके चलते टिकट कटने की तलवार लटक रही है. गुजरात बीजेपी में पहली बार इस तरह से हो रहा है, जिसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि पार्टी में ऑल इज वेल नहीं है. गुजरात में सभी 26 लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में सात मई को चुनाव है. बीजेपी ने सभी 26 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर रखा है. गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रही हैं. कांग्रेस 24 सीटों पर तो आम आदमी पार्टी दो सीटों भरूच और भावनगर में चुनाव लड़ रही है. कांग्रेस के पास गुजरात में खोने के लिए कुछ नहीं है, क्योंकि पिछले दो चुनाव से उसका खाता तक नहीं खुला है. ऐसे में बीजेपी के सामने ही सारे चैलेंज है और पार्टी में जिस तरह सियासी घमासान मचा है, उससे टेंशन और भी बढ़ गई है.
गुजरात में बीजेपी अपनों के ही विरोध के चलते दो उम्मीदवार बदल चुकी है. साबरकांठा लोकसभा सीट पर बीजेपी ने भीखाजी ठाकोर को उम्मीदवार घोषित किया था, जिसके बाद विरोध के सुर सुनाई पड़ने लगे. विवाद इतना बढ़ गया कि भीखाजी ठाकोर ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया और पार्टी ने उनकी जगह दूसरा उम्मीदवार घोषित किया. कांग्रेस से बीजेपी में आए पूर्व विधायक महेंद्र सिंह बरैया की पत्नी शोभना बरैया को उम्मीदवार घोषित किया. बीजेपी में वडोदरा सीट पर दो बार की सांसद रंजन बेन भट्ट को उम्मीदवार घोषित करने के बाद जबरदस्त विरोध हुआ. रंजन बेन भट्ट के खिलाफ पोस्टर तक लगा दिए गए, जिसके बाद पार्टी को उनकी उम्मीदवारी बदलनी पड़ी. रंजन बेन भट्ट ने चुनाव लड़ने से ही मना कर दिया और बीजेपी ने उनकी जगह पर हेमांग जोशी को उतारा है. बीजेपी में यह यहीं थम नहीं रहा है, बल्कि तीन और सीटों पर विरोध चल रहा है, जिनके टिकट बदले जाने की मांग उठ रही है.
राजकोट लोकसभा सीट पर बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला को उम्मीदवार बनाया है. रूपाला के एक बयान पर इतना विवाद हो रहा है कि उसे थामने के लिए उन्हें माफी तक मांगी पड़ी. इसके बावजूद मामला रुक नहीं रहा है. रूपाला ने बयान दिया था कि अलग-अलग राजपूत शासकों और अंग्रेजों के बीच सांठगांठ थी, जिसके बाद विवाद हुआ और बढ़ता ही गया. क्षत्रिय समाज अब इस पर अड़ा है कि पुरुषोत्तम रूपाला का टिकट काटा जाए. रूपाला और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने दिल्ली में बीजेपी हाईकमान से मुलाकात की है. भूपेंद्र पटेल ने पीएम मोदी से भी मुलाकात की और माना जा रहा है कि बीजेपी में हो रहे सियासी संग्राम की जानकारी दी है. इसके अलावा साबरकांठा लोकसभा सीट पर भी टिकट को लेकर सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है. बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने अब गुजरात में मचे सियासी संग्राम को खत्म करने के लिए कसरत शुरू कर दी है. गुजरात के सियासी जानकार कहते हैं कि गुजरात की सियासत में पहली बार ऐसा दिख रहा है कि बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवारों का विरोध हो रहा है. अभी तक इस तरह का कल्चर कांग्रेस में रहा है, जहां टिकटों पर विरोध होते रहे हैं, जबकि बीजेपी तो अनुशासन वाली पार्टी रही है. बीजेपी में शीर्ष नेतृत्व के फैसले को सभी स्वीकार करते थे, लेकिन गुजरात बीजेपी में जो विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं वह काफी ज्यादा है. इसीलिए बीजेपी की चिंता बढ़ गई है. 90 के दशक में इस तरह का वाकया शंकर सिंह वाघेला के समय देखा गया था, लेकिन उसके बाद अब हो रहा है.

गोपी कहती हैं कि राजकोट से उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला का विरोध हो रहा है. रूपाला का विरोध चिंता की बात है, क्योंकि राजकोट बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है. नरेंद्र मोदी जब 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने अपनी जिंदगी का पहला चुनाव राजकोट से लड़ा था. गुजरात में क्षत्रिय खुलकर विरोध में उतर गए हैं, जो बड़ी संख्या में हैं. गुजरात के ग्रामीण इलाकों में क्षत्रिय वोटर अहम रोल में हैं, जिसे बीजेपी किसी भी सूरत में नाराज नहीं करना चाहती है. इसीलिए सीएम भूपेंद्र पटेल ने क्षत्रिय नेताओं के साथ बैठक की है और उन्हें समझाने की कवायद है.
बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह गुजरात से आते हैं. ऐसे में बीजेपी किसी भी सूरत में गुजरात में जोखिम भरा कदम नहीं उठाना चाहेगी. इसीलिए बीजेपी ने वडोदरा और साबरकांठा में उम्मीदवारों का विरोध हुआ तो पार्टी ने उनका फौरन टिकट काट दिया. साबरकांठा सीट पर बीजेपी ने भीखाजी भाई ठाकोर का टिकट काट कर कांग्रेस से बीजेपी में आए पूर्व विधायक महेंद्र सिंह की पत्नी शोभना को उम्मीदवार घोषित किया गया था. इसके बाद साबरकांठा में काफी विरोध सामने आया था. यह विवाद भीखाजी ठाकोर की टिकट बहाल करने की मांग को लेकर था. साबरकांठा सीट पर विवाद बढ़ने पर दो दिन पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साबरकांठा से जुड़े तमाम नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की थी. ऐसा माना जा रहा है कि सीएम ने साबरकांठा और राजकोट के घटनाक्रम से पीएम मोदी को अवगत कराया है. गुजरात पहुंच कर सीएम भूपेंद्र पटेल ने क्षत्रिय नेताओं के साथ बैठक कर रूपाला के खिलाफ उनकी नाराजगी को खत्म करने की कवायद की है. ऐसे में देखा है कि बीजेपी किस तरह से गुजरात में ऑल इज वेल का माहौल स्थापित कर पाती है?

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

हिंसा का बीज़

कस्बे में एक महात्मा थे. सत्संग करते और लोगों को धैर्य, अहिंसा, सहनशीलता, सन्तोष आदि के सदुपदेश देते. उनके पास सत्संग में बहुत बड़ी संख्या में भक्त आने लगे. एक बार भक्तों ने कहा महात्मा जी आप कस्बे में अस्पताल, स्कूल आदि भी बनवाने की प्रेरणा दीजिए. महात्मा जी ने ऐसा ही किया. भक्तों के अवदान और परिश्रम से योजनाएं भी बन गई. भक्तों ने कस्बे के नेता को सत्संग में बुलाने का निर्णय किया. नेताजी सत्संग में पधारे और जनसुविधा के कार्यों की जी भरकर सराहना की, किन्तु महात्मा जी की विशाल जनप्रियता देखकर, अन्दर ही अन्दर जल-भुन गए. महात्मा जी के संतोष और सहनशीलता के उपदेशों के कारण कस्बे में समस्याएं भी बहुत कम थीं. परिणाम स्वरूप नेता जी के पास भीड कम ही लगती थी. घर आकर नेताजी सोच में डूब गए. अगर यह महात्मा अहिंसा आदि सदाचारों का प्रसार करता रहा. अचानक उसके दिमाग में एक जोरदार विचार कौंधा और निश्चिंत होकर आराम से सो गए. प्रातः काल ही नेता जी पहुंच गए महात्मा जी के पास. थोडी ज्ञान ध्यान की बात करके नेताजी नें महात्मा जी से कहा-आप एक रिवाल्वर का लायसेंस ले लीजिए. एक हथियार आपके पास हमेशा रहना चाहिए. इतनी पब्लिक आती है पता नहीं कौन आपका शत्रु हो? महात्मा जी ने कहा, 'बंधु! मेरा कौन शत्रु? शान्ति और सदाचार की शिक्षा देते हुए भला मेरा कौन अहित करना चाहेगा.' नेता जी ने कहा, 'इसमें कहां आपको कोई हिंसा करनी है. इसे तो आत्मरक्षा के लिए अपने पास रखना भर है. हथियार पास हो तो शत्रु को भय रहता है.नेताजी ने छूटते ही कहा, ₹महात्मा जी, मैं आपकी अब एक नहीं सुनूंगा. कल ही मैं आपको लायसंस शुदा हथियार भेंट करता हूं.₹ दूसरे ही दिन महात्मा जी के लिए चमकदार हथियार आ गया. महात्मा जी भी अब उसे सदैव अपने पास रखने लगे. सत्संग सभा में भी वह हथियार, महात्मा जी के दायी तरफ रखे ग्रंथ पर शान से सजा रहता. किन्तु अब पता नहीं, महाराज जब भी अहिंसा पर प्रवचन देते, शब्द तो वही थे, किन्तु श्रोताओं पर प्रभाव नहीं छोडते थे. एक दिन एक विक्षिप्त सा युवक सभा में हो-हल्ला करने लगा. महाराज ने उसे शान्त रहने के लिए कहा. किन्तु टोकने पर उस युवक का आवेश और भी बढ़ गया और वह चीखा, "चुप तो तू रह पाखण्डी" इतना सुनना था कि महात्मा जी घोर अपमान से क्षुब्ध हो उठे. तत्क्षण क्रोधावेश में निकट रखा हथियार उठाया और हवाई फायर कर दी. लोगों की जान हलक में अटक कर रह गई. उसके बाद कस्बे में महात्मा जी का सत्संग वीरान हो गया और नेताजी की जनप्रियता दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी.

चुनावी मौसम में कच्चाथिवु द्वीप का सवाल

• चुनाव

पुष्परंजन

रामेश्वरम से कच्चाथिवु द्वीप की दूरी मात्र 25.9 किलोमीटर है. श्रीलंका के बहुचर्चित ज़ाफना ज़िले का हिस्सा है यह द्वीप. 1.6 किलोमीटर लंबे और 300 मीटर चौड़े इस द्वीप पर दस साल बाद अचानक से प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान गया है, वह भी सूचना के अधिकार की वजह से. तमिलनाडु के बीजेपी प्रेसिडेंट के. अन्नामलाई ने आरटीआई के ज़रिये यह जानकारी नहीं ली होती तो क्या 'द्वीपहरण' का यह सनसनीखेज़ मामला दबा रह जाता? डीएमके ने जब केंद्र पर दोषारोपण शुरू किया, जवाब में विदेशमंत्री एस. जयशंकर बोले, 'मैंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को 21 बार कच्चाथिवु द्वीप के बारे में जानकारी दी थी.' मगर, सवाल यह है कि पीएम मोदी को यह जानकारी आरटीआई से मिलती है, संबंधित मंत्रालय से क्यों नहीं मिली? इस प्रश्न का बेहतर उत्तर विदेशमंत्री एस जयशंकर ही दे सकते हैं. कच्चाथिवु पर विवाद का नवीनतम दौर 31 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के एक ट्वीट के साथ शुरू हुआ, जिसमें तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को मिली आरटीआई रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चाथिवु द्वीप को जून, 1974 में 'बेवकूफी से श्रीलंका को दे दिया.' इसके प्रकारांतर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली! नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चाथिवु द्वीप को छोड़ दिया. इससे हर भारतीय नाराज है.' सबसे दिलचस्प इस राजनीतिक युद्ध में तथ्यों का छिपाना और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना भी रहा है. अशोक के. कंठ 2009 से 2013 के बीच कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त तैनात थे. उनका मानना है कि भारत ने जितना श्रीलंका को दिया, उससे कहीं अधिक बड़ा और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इलाक़ा 1976 में हासिल कर लिया था. 23 मार्च, 1976 को भारत-श्रीलंका समझौते ने वाड्ज बैंक को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र के हिस्से के रूप में मान्यता दी, जिससे भारत को वहां के विपुल प्राकृतिक संसाधनों पर सार्वभौम अधिकार मिल गया था. अब सोचा जा सकता है कि यह डील मूर्खतापूर्ण थी, या कि दूरगामी रणनीतिक समझदारी वाली. भारत ने 2024 की शुरुआत में ही वाड्ज बैंक इलाके में तेल की खोज के वास्ते टेंडर निकाला था, उस वजह से श्रीलंका ने स्वयं अपने मछुआरों को वहां जाने पर रोक लगा दी. दरअसल, बीजेपी के लक्ष्य में तमिलनाडु का मछुआरा वोट बैंक है, उन्हें अपने आईने में उतारने को लेकर यह सारी कहानी बुनी गई है. गुजरात के बाद तमिलनाडु वह राज्य है, जहां समुद्री तटरेखा 1076 किलोमीटर लंबी है. तमिलनाडु के 38 में से 15 ज़िले तटीय हैं, जो पुदुचेरी समेत 40 लोकसभा सीटों में से आधे को प्रभावित करते हैं. मछुआरा समुदाय आये दिन श्रीलंकाई तटरक्षकों के हत्थे चढ़ता है. इनकी गिरफ्तारियां बीच समंदर होती हैं. इनके बोट जब्त होते हैं. कुछ हफ्तों बाद ये छूटते हैं, लेकिन इस बीच जमकर राजनीति होती है. तमिलनाडु फिशिंग रेगुलेशन एक्ट-1983 के अनुसार, 'राज्य के मछुआरे केवल तीन नॉटिकल माइल्स तक जाकर मछली का शिकार कर सकते हैं.' यों अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा नौ नॉटिकल माइल्स तक है, मगर बाज़ दफ़ा मछुआरे उसे भी पार कर जाते हैं, परिणामस्वरूप वे पकड़े जाते हैं, फिर एक बड़ा इश्यू बनता है. जून, 2011 में, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर 1974 और 1976 के समझौतों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की थी. हालांकि, केंद्र सरकार ने जयललिता के तर्कों पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था, 'भारत से संबंधित कोई भी क्षेत्र नहीं दिया गया था, न ही संप्रभुता छोड़ी गई थी, क्योंकि इसका कभी सीमांकन नहीं किया गया था.'दोनों समझौतों की वैधता की पुष्टि अगस्त, 2014 में भारतीय अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने की थी. उन्होंने भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढा के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ से कहा था, 'यदि आप कच्चाथिवु की वापसी चाहते हैं, तो आपको इसे पाने के लिए युद्ध में जाना होगा.' तीन हज़ार वर्गमील के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन 'वाड्ज बैंक' को भारत ने हासिल करने के बदले यदि 1.9 वर्ग किलोमीटर का कच्चाथिवु श्रीलंका को दे भी दिया, तो इसे मूर्खतापूर्ण कैसे कह सकते हैं? फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया का कहना है कि वाड्ज बैंक में 4,000 वर्ग मील का क्षेत्र शामिल है.

> कच्चाथिवु पर विवाद का नवीनतम दौर 31 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के एक ट्वीट के साथ शुरू हुआ, जिसमें तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को मिली आरटीआई रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चाथिवु द्वीप को जून, 1974 में 'बेवकूफी से श्रीलंका को दे दिया.' इसके प्रकारांतर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली!

भारत की आत्मा को बचाने का संघर्ष

• संघर्ष

जगदीश रत्तनानी

जवाहरलाल नेहरू ने कहा था-'जब दुनिया सोएगी, भारत प्रकाश और स्वतंत्रता के लिए जागेगा'. 15 अगस्त, 1947 के उस महत्वपूर्ण अवसर के 75 से अधिक वर्षों में जब हमें इस बात का जश्न मनाना चाहिए कि कैसे उस प्रकाश और स्वतंत्रता ने हमें पोषित किया तथा हमें एक ऐसे राष्ट्र का गौरवशाली नागरिक बनाया, जो उन मूल्यों पर खड़ा है, जिन्हें हम संजोना चाहते हैं, तब भारत एक बहुत ही अलग दौर में चला गया है. यह पीड़ादायक है और वर्तमान समय में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि उस सपने पर अंधेरा उतर रहा है, क्योंकि स्वतंत्रता को लूटा जा रहा है, लोकतंत्र को कुचला जा रहा है और भारत एक पतन के मार्ग पर जा रहा है. यह पतन अचानक नहीं हो रहा है. यह कुछ समय से संस्थानों, प्रमुख व्यक्तियों और एजेंसियों पर बढ़ते कब्जे के रूप में सामने आ रहा है जिसमें सभी को एक तरह से या किसी अन्य रूप में एक सोच, एक पार्टी और एक विचारधारा के सामने झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है. अधिक स्थानों पर कब्जा करने की तलाश जारी है. यह एक पार्टी द्वारा निर्मित एक बड़ी और अच्छी तरह से पोषित-प्रशिक्षित प्रचार मशीन द्वारा संचालित है जो हर विपक्ष को नजर और दिमाग से बाहर चाहता है. इसमें आक्रमण के सभी संकेत हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी एक ऐसी एजेंसी द्वारा की गई है, जिसका विश्वसनीयता मूल्य शून्य है और जो सरकार की दासी की तरह काम करती है. जो सभी संभावनाओं और अर्थों में सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक एजेंडे पर बिकी हुई होती है. यह केवल एक उदाहरण है कि उस एक पार्टी को सत्ता में रखने और अन्य सभी को बदनाम करने के लिए कितना दबाव डाला जा रहा है. वर्तमान स्थितियों में यह देखना मुश्किल है कि 2024 में निष्पक्ष चुनाव कैसे लड़ा जा सकता है. राष्ट्रीय मनोदशा को एक कार्टून द्वारा अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया गया था, जिसमें मैदान में दौड़ के समय सिर्फ सरकार का पदाधिकारी दौड़ रहा है और दौड़ में शामिल अन्य सभी को बंधा हुआ दिखाया गया था और फिर मजाक में एक सवाल पूछा गया है कि 'कौन जीत रहा है?' इस स्तर पर सभी बाजियां बंद हैं. हम बर्फीले पानी में हैं. हम अभी भी सुरक्षित रूप से तट पर पहुंच सकते हैं, लेकिन हाइपोथर्मिया होने का खतरा अधिक है. नेहरू ने हमें बताया था- 'लेकिन इतिहास में कभी न कभी एक पल आता है, जरूर आता है, जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब लंबे समय से दमित राष्ट्र की आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है.' आज हम वह पंक्ति इस प्रकार पढ़ सकते हैं- 'लेकिन इतिहास में शायद ही कभी एक क्षण आता है, जो आता है, जब हम नए से पीछे हटते हैं और अंधेरे युग में डूब जाते हैं और जब एक राष्ट्र की आत्मा, जिसे अंततः अभिव्यक्ति मिली होती है, एक बार फिर से दब जाती है.' हम नहीं जानते कि यह आत्मा जिसे यातना दी गई है, पीड़ित है, कुचली हुई है, उस एक दिन के लिए कैसे रुकी रहेगी, जब भारत फिर से फल-फूल सकता है और संविधान के मूल्यों और भावना को पुनः प्राप्त कर सकता है. वह संविधान जो कि कितना भी अच्छा दस्तावेज हो, लेकिन अंततः उन लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है जो इसकी रक्षा के लिए हैं. आज पूर्वाग्रहों का प्रयोग, नीति और उसका निष्पादन करने के लिए ही हो रहा है. इसके खिलाफ कुछ संस्थान खड़े हो रहे हैं जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा उल्लेखनीय उस फैसले के मामले में है, जिसने 2018 की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया और आदेश दिया था कि इस बात का विवरण सार्वजनिक किया जाए कि बॉन्ड किसने खरीदे और किसने पैसे लिये. फिर भी, इस फैसले से मायूस होकर इसे रोकने की हताशा इतनी अधिक थी कि संविधान पीठ से अपने आदेश में संशोधन करने के लिए कहने हेतु भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीयकृत बैंक, भारतीय स्टेट बैंक को डेटा जारी करने के लिए कम से कम 3 महीने का समय मांगने के लिए एक जूनियर अधिकारी का हलफनामा दायर करने का दुस्साहस करना पड़ा. यह समय डेटा जारी करने के लिए पर्याप्त से अधिक था. जैसा कि बाद में पाया गया कि डेटा आसानी से उपलब्ध है.

> वर्तमान स्थितियों में यह देखना मुश्किल है कि 2024 में निष्पक्ष चुनाव कैसे लड़ा जा सकता है. राष्ट्रीय मनोदशा को एक कार्टून द्वारा अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया गया था, जिसमें मैदान में दौड़ के समय सिर्फ सरकार का पदाधिकारी दौड़ रहा है और दौड़ में शामिल अन्य सभी को बंधा हुआ दिखाया गया था और फिर मजाक में एक सवाल पूछा गया है कि 'कौन जीत रहा है?'

मीडिया में अन्यत्र

विविधतापूर्ण और प्रभावशाली करियर

इस सप्ताह राज्य सभा से सेवानिवृत्त होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का लंबा सार्वजनिक करियर समाप्त हो गया. डॉ. सिंह ने कई तरह से देश की सेवा की- अर्थशास्त्री, अफसरशाह, नियामक, सांसद, कैबिनेट मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में भी. आजाद भारत में कम ही लोग होंगे, जिनका करियर उनके समान लंबा, विविधतापूर्ण और प्रभावशाली रहा हो. जैसे-जैसे समय व्यतीत हो रहा है, इस बात की संभावना है कि केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल (जब उन्होंने 1991 के आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत की) को इतिहासकार अलग से चिह्नित करेंगे. यह उस दृष्टि से अलग होगा जिससे कि सात रेसकोर्स में बतौर प्रधानमंत्री उनके एक दशक के कार्यकाल से अलग होगा. उस दौर में कोई अन्य अर्थशास्त्री या राजनेता भी वित्त मंत्री हो सकता था और उस समय जिस सुधार की तत्काल आवश्यकता थी उनके मानक भी व्यापक तौर पर ज्ञात ही थे और उसके लिए डॉ. सिंह की विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं थी. इसके बावजूद वित्त मंत्री ने जिस गंभीरता के साथ सुधारों के शुरुआती चरणों का प्रबंधन किया और बचाव किया, उसने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य और उसके विकास की कहानी में विश्वास बहाल करने में बहुत अधिक सहायता की. डॉ. सिंह के करियर की सबसे बड़ी कमजोरी को भी इस बात से महसूस किया जा सकता है कि वह राज्य सभा से सेवानिवृत्त हुए. भारत में जहां चुनावी लोकतंत्र हमेशा तकनीकी लोकतंत्र पर भारी पड़ता है और पड़ना ही चाहिए, वहां इस बात ने डॉ. सिंह के राजनीतिक प्रभाव को सीमित किया कि वह कभी जनता का सीधा समर्थन हासिल नहीं कर सके. कई लोग इसे ही 2004 से 2014 तक बतौर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री उनकी कमजोरी की वजह बताते हैं. सरकार के संवैधानिक मुखिया डॉ. सिंह, पार्टी और राजनीतिक संगठन जो सोनिया गांधी को रिपोर्ट करता था, के बीच शक्ति विभाजन साफ था. यह तथ्य है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साझेदार चाहते थे कि सोनिया गांधी देश की प्रधानमंत्री बनें, लेकिन उन्होंने इससे इनकार करके मनमोहन सिंह को चुना. इसका मतलब यही था कि वह हमेशा उनकी राजनीतिक छाया में रहेंगे. परंतु यह भी कहना होगा कि इनकी असहमतियां कभी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आईं. जब सोनिया गांधी के बेटे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के बनाए कुछ कानूनों को कैमरे के सामने फाड़ दिया तो यह अपने आप में एक स्तब्ध करने वाली घटना थी, क्योंकि ऐसे विवादों का सामने आना एक दुर्लभ अवसर था. **(बिजनेस सटेंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नजर/नजारे/नजरिया

तुझसे मिली नजर तो मेरे होश उड़ गये.नजर लागी राजा तोरे बंगले पे ..तेरे चेहरे से नजर नहीं हटती नजारे हम क्या देखें. हिंदी फिल्मों से लिये गये ये तीनों मजेदार और फड़कते गाने युवा दिलों में हलचल मचाने के लिए काफी रहे हैं. यह नजर भी अजीब है कभी मिल जाती है तो कभी लग जाती है तो कभी हटती ही नहीं. यानी तीनों गाने में नजर शब्द का प्रयोग तीन रूपों में हो रहा है. तीसरे गाने में तो चेहरे से नजर नहीं हटने के कारण नजारे देखना मुश्किल हो गया है. मतलब यह कि जिंदगी में नजर की अहम भूमिका होती है. जिसके पास नजर नहीं है, उसके लिए कहीं कोई नजारा नहीं है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार नजर अरबी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है दृष्टि, निगाह, किसी विशेष अवसर पर दिया गया उपहार, भेंट, चढ़ावा, कृपा, अनुग्रह, कृदृष्टि, भले-बुरे की परख, देखभाल. नजर से बननेवाले मुहावरे भी बहुत मजेदार होते हैं. ऊपर के तीनों गानों में नजर से बने मुहावरों का ही प्रयोग किया गया है. उदाहरण के लिए नजर आना या नजर पड़ना यानी दिखाई देना, नजर लगना यानी बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना, नजर बचना यानी देखने में चूक होना, नजर बांधना यानी ऐसा जादू करना कि किसी को कुछ दिखाई न दे. नजर उतारना यानी किसी उपचार से बुरी दृष्टि का प्रभाव नष्ट करना. अगर कोई पसंद आ जाये तो कहते हैं वह नजर पर चढ़ गया है. अगर आप किसी पर ध्यान नहीं देते, उसका तिरस्कार करते हैं तो इसका मतलब है कि आप उसको नजरअंदाज कर रहे हैं. नजर से ही बनता है नजारा. जाहिर है कि यह अरबी मूल का ही शब्द है, लेकिन यह संज्ञा पुल्लिंग है. इसका मतलब है दृश्य, नजर, दृष्टि, तमाशा, किसी पुरुष या स्त्री का एक दूसरे को अनुरागपूर्ण दृष्टि से देखना. इसी प्रकार नजरिया का मतलब है दृष्टिकोण, सोच, मानसिकता, मनोवृत्ति.

पल भर के लिए कोई हमें 'लाइक' कर ले

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

यह सेल्फी का दौर है. जिसे देखिए हाथ में मोबाइल लिए सेल्फी खींच रहा है. पहाड़ की चोटी पर, नदी के किनारे, ऊंची ऊंची अट्टालिकाओं की छत पर, सड़क पर, बाज़ार में, दफ्तरों में, ट्रेन में, बस में, झूलों पर, पुलों पर लोग सेल्फी लेते दिख जावेंगे. कभी एकाकी, कभी मित्रों के साथ, अजनबियों के साथ, पड़ोसियों के साथ, नेताओं के साथ, रिश्तेदारों के साथ, पालतू जानवरों के साथ, जंगली पशुओं के साथ लोग सेल्फी लेते नज़र आ जाएंगे. सेल्फी चस्का है, चाहत है, दीवानगी है, नशा है, जुनून है. सेल्फी की धूम है. ज़िंदगी का अहं हिस्सा बन गई है सेल्फी. बच्चों से लेकर बूढों तक कोई इससे अछूता नहीं रहा है. कहते हैं, हर दिन करीब नौ करोड़ साठ लाख लोग सेल्फी लेते हैं. दुनिया को अपना आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, और अपनी अदा दर्शाने का एक आनंददायक ज़रिया बन गया है, सेल्फी. भारत में तो हमारे प्रधानमंत्री तक सेल्फी के दीवाने हैं. बाहर से यहां कोई भी गणमान्य व्यक्ति आता है, मोदी जी उसके साथ सेल्फी लेने से चूकते नहीं. ऐसे में एक सेल्फी लेना तो बनता ही है. यहां आम आदमी भी अपनी किसी ख़ास मुद्रा की किसी विशेष कोण से सेल्फी लेता है और उसे फेस-बुक, ट्विटर, या वाट्स-एप जैसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है. कितनों ने 'लाइक' की, देखता है और खुश हो लेता है. सेल्फी एक ऐसी कला है, जिसके ज़रिए व्यक्ति आकर्षक रूप से अपने दोस्तों का ध्यान आकर्षित करता है. आप और आपके मित्र इसे बार बार देखना पसंद करते हैं. पल भर के लिए कोई हमें 'लाइक' कर ले, झूठा ही सही! डार्विन ने बताया था, आदमी मोटे तौर पर बन्दर की औलाद कहा जा सकता है. वैसे हमारा भारतीय मत तो यही कहता है कि हम देवताओं की संतान हैं. जो भी हो, मनुष्य और वानर जाति का सम्बन्ध बड़ा पुराना है. राम की सहायता वानर-सेना ने ही की थी. उनके सेनाध्यक्ष हनुमान को हम आज भी पूजते हैं. सही सेल्फी तो अब शुरू हुआ है – स्मार्ट फोन के आ जाने के बाद से. स्मार्ट फोन के कैमरे से अपना चित्र व्यक्ति स्वयं ही ले. सेल्फी का असली रूप तो यही है. कुछ लोग सेल्फी के चक्कर में कभी कभी अपनी जान तक गवां बैठते हैं. एक सज्जन, सामने आती रेल की पटरी पर खड़े होकर, सेल्फी लेने लगे और कट गए. एक अन्य व्यक्ति ने भालू के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की और वह उसका ग्रास बन गया. बेशक, सेल्फी लें, लेकिन इसका रोग न पालें. 'सेल्फाइटिस' से बचें. 'सेल्फ-लवेरिया' इतना न बढ़ने दें कि वह 'सेल्फाइटिस' का रूप धर ले.

सुकून

रमता जोगी :

नुपूर अशोक

अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य की यात्रा के दौरान एक और जगह जो हमने देखी उसका नाम था – एवरग्लेड्स. घास के मैदानों को पहले ग्लेड्स कहा जाता था और दूर-दूर तक फैले इन मैदानों को इसी नाम से पुकारा जाने लगा. पर ये मैदान नहीं हैं. ये दरअसल छिछले पानी से भरे दलदलनुमा विस्तार हैं. पानी के साथ ही इनमें घास और अन्य वनस्पतियों की बहुतायत है. कई मैनग्रोव्स भी यहां भरे हुए हैं. और इन सबके बीच मगरमच्छों का आश्रय स्थल है.

मगरमच्छों के बीच एक दिन

मगरमच्छ के दर्शन तो हमें उस एलीगेटर पार्क तक पहुंचने के पहले ही हो गए. पार्क तक जाने वाली सड़क में बीच-बीच में कई ऐसे स्थल बने हुए हैं जहां आप गाड़ी से उतर कर ऐसे जलाशय देख सकते हैं जिनमें अधिकतर मगरमच्छ दिख जाते हैं. हमें भी दिखे. हालांकि वे इतने स्थिर रहते हैं और आसपास के वातावरण में इस तरह घुलेमिले रहते हैं कि उन्हें पहचान पाना आसान नहीं होता. थोड़े धैर्य के साथ देखते रहने पर उनकी हल्की सी हरकत होते ही उन्हें पहचाना जा सकता है. लेकिन पार्क में जाकर उन्हें देखने का अनुभव अनोखा ही था.

चूंकि वहां पानी बहुत छिछला है, लगभग दो-ढाई फीट जितना, इसलिए वहां साधारण नाव का चलना मुश्किल है. इसलिए वहां एयरबोट्स चलती हैं. इस नाव में नाव के ऊपर ही, उसके पिछले हिस्से में एक बड़ी चरखी लगी रहती है. उसके तेज़ गति से घूमने के कारण हवा के वेग से नाव पानी के ऊपर तैरती हुई आगे बढ़ती है. टिकट काउंटर से टिकट लेकर हम ऐसी ही एक नाव पर सवार हुए. सवार होने के बाद पता चला कि वह चरखी नाव को आगे तो बढ़ाती है, साथ ही इतना शोर उत्पन्न करती है कि नाव में कान बंद करने के लिए हेडफोन रखे रहते हैं. नाव चलाने वाला चरखी के पास पीछे बैठा रहता है. नाव पर सवार होते ही हमें उसने बताया कि हम अपनी टोपियां कस कर बांध लें या पकड़े रहें या उतार लें क्योंकि हवा के वेग में उनका उड़ जाना पक्का है. नाव के चलते ही उसने जो गति पकड़ी और जो कलाबाज़ियां दिखाईं कि हमें तुरंत ये समझ में आ गया कि हमें टोपी के उड़ने से ज़्यादा खुद को गिरने से बचाना ज़रूरी है. लिहाजा हमने टोपियां उतारीं और अपने दोनों हाथों का इस्तेमाल खुद को नाव पर टिकाए रखने के लिए किया. पानी इतना गहरा नहीं था कि गिरते ही हम डूब जाते लेकिन उन मगरमच्छों के बीच गिरने की कल्पना मात्र ने हमारी पकड़ मजबूत बना रखी थी. फिर भी एक टोपी उड़ कर पानी में गिर ही गई. हम तो उसे मगरमच्छ को भेंट स्वरूप दे देने के लिए तैयार थे लेकिन हमारे स्टंटबाज़ नाविक को यह मंजूर नहीं था. उसने कलाबाज़ियां खाते हुए उस टोपी को पानी से उठा ही लिया और हमारी नाव पानी पर तेज़ गति से दाएं-बाएं झूमती हुई आगे चल पड़ी.

बड़े अच्छे लगते हैं

फ्लोरिडा के एवरग्लेड्स के एलीगेटर पार्क में हम गए तो थे मगरमच्छ देखने लेकिन वहां की एयरबोट में सवार होने के बाद पता चला कि वह एयरबोट और उसे चलाने वाला नाविक खुद में ही देखने लायक चीज़ हैं. नाव की वह सैर किसी एडवेंचर राइड से कम नहीं थी. तेज़ गति से भागती नाव कभी बाईं ओर झुकती हुई भागती तो कभी दाईं ओर लग रहा था मानो हम किसी थीम पार्क में थ्रिल राइड पर सवार हैं. बैकग्राउंड में चलती हुई चरखी की तेज़ आवाज़ इस राइड को और भी रोमांचक बना रही थी. इसके साथ ही हमारे स्टंटबाज़ नाविक की बातें लगातार चालू थीं. हेडफोन के बावजूद उसकी कमेंट्री हमें सुनाई दे रही थी. वह बता रहा था कि वह बचपन से इसी जगह पला-बढ़ा है. इस पानी के बीच वह बिना किसी नाव के पैदल ही घूम-फिर सकता है. पर नाव चलाने में उसे मज़ा आता है. आज तो वह थोड़ा धीरे चला रहा है, वरना वह इससे भी बहुत तेज़ चलाता है. हालांकि दूर-दूर तक फैले उस दलदली जंगल में न हमें दिशा का कोई ज्ञान रह गया था न दूरी का लेकिन वह बता रहा था कि वह यहां का हर कोना, हर मोड़ अच्छी तरह पहचानता है. पेड़ों के एक झुरमुट के पास पहुंच कर उसने नाव रोकी और वहां सुस्ताते हुए मगरमच्छ की ओर इशारा किया. नाव धीरे धीरे बढ़ती हुई उसके करीब जा रही थी. उसने कहा कि इनसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं क्योंकि वे पूरी नाव को एक बड़ा जीव ही समझते हैं. उन्हें नहीं समझ आता कि इस पर अलग अलग व्यक्ति बैठे हुए हैं जो आकार में कहीं छोटे हैं. खैर, किसी मगरमच्छ ने हम पर हमला नहीं किया और उस दिन हमें अच्छी तरह समझ में आ गया कि 'जल में रह कर मगर से वैर करने का सोचना भी नहीं चाहिए. नाव की अपनी यात्रा समाप्त कर हम जल से बाहर आकर थल पर फिर मगरमच्छ से मिले. पर्यटकों के लिए वहां एक एलीगेटर एक्ज़ीबिशन गैलरी बनी हुई थी जिसमें उनके बारे में काफी जानकारी दी हुई थी. इसके ही एक हिस्से में एक लाइव शो था जिसमें वे एक छोटे मगरमच्छ को हाथ में लिए हुए उससे संबन्धित बातें बताते हैं. शो के अंत में आप भी उस मगरमच्छ को हाथ में ले सकते हैं. कई लोगों ने उसे हाथ में लिया पर मैंने जल और थल – दोनों में उससे दूरी बनाए रखी. सचमुच कई ऐसी चीज़ें हैं दुनिया में जिन्हें दूर से देखने का आकर्षण तो होता है लेकिन बस दूरी ही उस आकर्षण को बनाए रखती है. ज़्यादा नजदीक आते ही उसकी खामियों के नुकीले दांत उस आकर्षक छवि को तार-तार कर देते हैं. कई लेखक, कवि, कलाकार और अधिकतर इंसान बस दूर से ही अच्छे लगते हैं.

शिखर चंद जैन

आजकल जिसे देखिए वह जल्दबाजी में नजर आता है. व्यस्तता का आलम यह है कि लोगों को सांस लेने तक की या यूं कहें कि जहर खाने तक की फुर्सत नहीं. रफ्तार ऐसी मानो जिंदगी को जीना ना हो बल्कि जल्दी से जल्दी बिताना हो. हालात ऐसे हैं कि ज्यादातर लोग व्यस्त कम अस्त-व्यस्त ज्यादा नजर आते हैं. तेज रफ्तार के कारण सेहत का संतुलन इस कदर बिगड़ चुका है कि जनसंख्या का बड़ा भाग हार्ट डिजीज, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा जैसी लाइफस्टाइल बीमारियों की चपेट में है और मानसिक बीमारियों जैसे डिप्रेशन, एंग्जायटी और स्ट्रेस से ग्रस्त हो चुका है. इन दिनों दुनियाभर के लाइफ कोच, समाजशास्त्री, मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए रफ्तार की बजाय संतुलन साधने की सलाह दे रहे हैं.

जरूरी है स्पीड पर कंट्रोल

अच्छी है धीमी गति

धीमी गति से बेपरवाह होकर एवं आराम से पसंदीदा एक्टिविटीज में समय व्यतीत करना अच्छा है. दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार अमेजॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव जेफ बेजोस ने अपनी ताजा पुस्तक "इन्वेंट एंड वांडर : द कलेक्टेड राइटिंग ऑफ जेफ बेजोस" में लिखा है कि वह अपने दिन की शुरुआत आराम से करते हैं. सुबह रिलैक्स मूड में रहते हैं. कोई जल्दी नहीं, कोई हड़बड़ी नहीं. वे लिखते हैं, "मैं अखबार पढ़ना पसंद करता हूं. कॉफी पीता हूं. आराम से बच्चों के साथ ब्रेकफास्ट करता हूं. रात को 8 घंटे की नींद मेरा रूटीन है. इससे मुझे सही ढंग से सोचने, मूड अच्छा रखने और एनर्जी लेवल ऊंचा रखने में मदद मिलती है. मेरी वर्किंग सुबह 10 :00 बजे से शुरू होती है. जल्दी सोना और जल्दी जागना मेरी आदत है. आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि रात को सोने से पहले जैफ बेजॉस और बिल गेट्स जैसे अमीर लोग अपने खाने के बर्तन खुद धोकर रखते हैं.

क्रिएटिविटी बूस्ट करे धीमी रफ्तार

अब तक ऐसे कई अध्ययन हो चुके हैं जिनमें पाया गया कि कम रफ्तार और रिलैक्सिंग मोड में दिन का कुछ समय बिताया जाए तो क्रिएटिविटी बूस्ट होती है और सही तरीके से महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद मिलती है. फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए गए एक अध्ययन में पाया गया कि गुनगुने पानी और साबुन की सुगंध ब्रेन को स्टीमुलेट करती है जिससे स्ट्रेस लेवल कम होता है. डिश वाशिंग के दौरान भी यह फायदा मिलता है. लेकिन फायदा तभी मिलता है जब आप इस काम में ही अपना ध्यान रखें ना कि कहीं दूसरी जगह. दुनिया के कई सफलतम लोगों पर किए गए अध्ययनों से मिले नतीजे बताते हैं कि नियमित रूटीन और पसंदीदा एक्टिविटीज में इन्वॉल्व होना, रिलैक्स मूड में होना उनकी सफलता का मंत्र है. ज्यादातर सफल और खुशहाल लोगों ने अपना समय परिवार के साथ बिताने, अच्छी तरह नींद लेने, एक्सरसाइज, मेडिटेशन, अवेयरनेस और पटरिंग से खुशी और सुकून मिलने की बात की. उनका कहना था कि संतुलित और ग्राउंडेड जिंदगी बहुत जरूरी है.

धीमी शुरुआत से बढ़े प्रोडक्टिविटी

एरियल करियर्स के मारे मार्केटिंग डायरेक्टर स्टीवन मैक कोनेल का कहना है कि इंसानी दिमाग किसी कंप्यूटर जैसा है जिसे समय–समय पर रिबूट करना जरूरी है. यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में रॉबर्ट ड्यूक की अगुवाई में शोधकर्ताओं के एक समूह ने अपने अध्ययन में पाया कि स्लोडाउन एक स्ट्रेटजी है जो ब्रेन को रिफ्रेश करती है. ब्रेन को ब्रेक देने या स्लो मूवमेंट के दौरान ताजगी मिलती है ,सोचने का ज्यादा वक्त मिलता है और डिसीजन मेकिंग ज्यादा अच्छी होती है जिससे गलतियां होने की संभावना कम रहती है. इससे पहले यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सहित अन्य शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन की धीमी शुरुआत से प्रोडक्टिविटी और एनर्जी लेवल बढ़ता है. जब आप रिलैक्स मूड में रहते हैं तो महत्वपूर्ण कामों पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं. एक काम से दूसरे काम की तरफ आसानी से शिफ्ट कर सकते हैं.

कुदरत से सीखें संतुलन

हम हमेशा सब कुछ जल्दी हासिल करने में लगे रहते हैं. कभी अतीत को लेकर तो कभी भविष्य को लेकर हमेशा परेशान रहते हैं. हम ज्यादा सफलता, ज्यादा धन, ज्यादा आराम, ज्यादा शोहरत और ज्यादा खुशी जल्दी से जल्दी पाने के फेर में हमेशा असंतुष्ट रहते हैं. यह असंतुष्टि और हड़बड़ी हमारे दिमाग ,पाचन प्रणाली , इम्यूनिटी सिस्टम और ओवरऑल हेल्थ पर नकारात्मक प्रभाव डालती है. लेकिन क्या आपने कभी कुदरत को ऐसा करते देखा है? कुदरत हमेशा वर्तमान में रहती है. धीमी रफ्तार के बावजूद उसे सब कुछ हासिल होता है. बीज जमीन में दबा रहकर अपने अंकुरित होने का इंतजार करता है. बाहर आकर सूरज की रोशनी और बादलों के पानी का इंतजार करता है. उनसे खुराक हासिल करते हुए वह धीरे धीरे बड़ा होता है. फूल और फल आने का इंतजार करता है और वक्त आने पर सब कुछ हासिल कर लेता है. इसी प्रकार हमें ज्यादातर समय अपनी बेहतरी की स्ट्रेटेजी बनाने में, अपना बौद्धिक कौशल बढ़ाने में और सेहत को दुरुस्त रखने में बिताना चाहिए ताकि हम खुद को सफलता हासिल करने के काबिल बना सकें. सफलता सिर्फ चाहने या जल्दबाजी से नहीं बल्कि कुछ करने से मिलेगी.

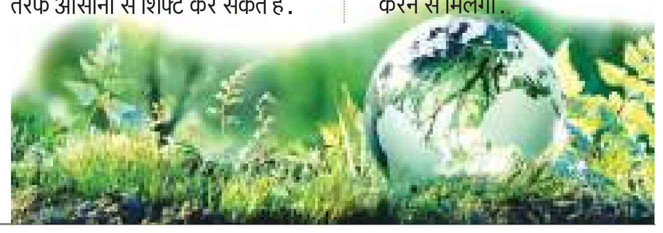

नई सुबह का आगाज़ अभी बाकी है

गुड़िया झा

"ये मत कहो खुदा से मेरी मुश्किलें बड़ी हैं, मुश्किलों से कह दो मेरा खुदा बड़ा है."

आमतौर पर देखा जाता है कि हम अपने जीवन में बहुत कुछ करना चाहते हैं, अपने सपनों को मन में संजोए रखते हैं. कई परिस्थितियों के कारण जब ये पूरे नहीं हो पाते हैं तो हमारे मन में एक अजीब सी निराशा उत्पन्न होती है. क्यों न इस निराशा को आशा में बदल कर फिर से जुट जाएं एक नई शुरूआत के लिए. बस जरूरत है हमें जागरूक होने की जो बहुत मुश्किल भी नहीं है.

1. **जब जागो तभी सबेरा :** जब भी अवसर मिले पूरी तत्परता से अपने सपनों को पूरा करने के लिए कदम आगे बढ़ाएं. कभी भी अपने में ये भ्रम ना पालें कि इतने दिनों तक कुछ नहीं किया तो अब करके क्या फायदा. बस हमारे हौसले बुलंद होने चाहिए. मेहनत से किया गया कोई भी काम छोटा नहीं होता. घर की छत तक पहुंचने के लिए एक एक सीढ़ियों पर ही पहले चढ़ना होता है. ठीक उसी प्रकार बड़ी सफलता हासिल करने के लिए छोटी छोटी बाधाओं को पार करना ही होगा. खट्टे मीठे उतार चढ़ाव का भी अपना एक अलग ही मजा है.

2. **अपनी योग्यता और क्षमता को पहचानें :** हर किसी की अपनी विशेष क्षमता होती है. अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए सबसे पहले अपनी योग्यता और क्षमता को पहचानें. इससे हमें आगे बढ़ने के लिए रास्ते भी अपने आप ही मिल जायेंगे. भीड़ के पीछे अनावश्यक दौड़ने से अच्छा है कि अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें क्योंकि भीड़ में अक्सर हम अपनें वजूद को खो देते हैं. अगर वहां भी कुछ सीखने को मिले तो उससे पीछे नहीं हटें.
3. **आलोचनाओं से घबराना कैसा :** अक्सर आलोचनाओं से हम घबरा जाते हैं. खुश रहें यह सोच कर कि कहीं तो हमारी चर्चा होती है. सबकी बातों को गंभीरता से सुने और अनावश्यक प्रतिक्रिया देने से बचें. इससे मन शांत रहता है. आलोचनाओं से भी अपनी कुछ कमियों को दूर कर नया सीखा जा सकता है. जो साधन हमारे पास मौजूद नहीं है उसके बारे में ज्यादा सोच कर समय बर्बाद करने से अच्छा है कि वर्तमान में जो हमारे पास है उसके दम पर आगे बढ़ें.

तीस प्लस के हैं तो अब संभलिए

बेशक जिंदगी दुबारा नहीं मिलती, इसलिए हमें खुल कर जीना चाहिए. लेकिन जिंदगी को जीने और बर्बाद करने में फर्क भी यह भी हमें ही समझना होगा. खासकर तब जब हम उम्र के तीसरे दशक को पार कर लेते हैं. आज चर्चा कुछ ऐसी बातों पर जिनसे 30 प्लस की उम्र में हमें बचना चाहिए. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको अलर्ट होने की जरूरत है ताकि आप समय पर अपनी लाइफ को सेट कर सकें.

1. **लाइफ प्लान में देरी :** लाइफ में आगे बढ़ने के लिए प्लानिंग सबसे जरूरी है. एक परफेक्ट लाइफ बनाने के लिए उसके बारे में सोचना जरूरी होता है. हमें कब क्या करना है किस समय पर करना है ये लाइफ का हिस्सा होता है. जॉब, शादी, बच्चे और सेविंग हर चीज के लिए प्लानिंग जरूरी होती है ताकी समय पर सब कुछ हासिल होने से आप रिटायरमेंट पर खुश रहें.
2. **बैचलर एज की आदतों पर खर्च :** जब जो जहां कहे चल दिए, साथियों के साथ रेस्त्रां, घूमने, फिल्म देखने में बेशुमार खर्च करना सब पसंद है. अगर आप भी अपनी इन आदतों को तीस पार की उम्र में भी बरकरार रखे हैं तो तत्काल इस आदत पर लगाम लगाएं. करियर और सेविंग के बारे में सोचिए. अभी नहीं संभले तो देर हो सकती है.
3. **फैमिली पर ध्यान नहीं देना :** तीस से कम की उम्र में दोस्तों के साथ या करियर पर ध्यान की वजह से फैमिली पर कम ध्यान देते हैं तो भी फैमिली समझ जाती है. लेकिन बाद में वही आदत रहता है तो पारिवारिक रिश्ता बिगड़ने लगता है. अब समय आ गया है कि प्राथमिकता में अपने परिवार को समय दें. इसके बाद का समय ही दोस्तों के नाम हो.

4. **खुद की उपेक्षा करना :** अपनों के लिए जीना, अपने काम पर ध्यान देना और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना सही है लेकिन अपने लिए टाइम निकालना और अपने आपको पहली प्राथमिकता बनाना उससे भी ज्यादा जरूरी है. महिला हों या पुरुष मी टाइम निकालिए और अपनी हॉबीज को एक्सप्लोर करें.

मोटिवेशन

पुरस्कार और सम्मान समारोह

इन दिनों पुरस्कार और सम्मान समारोह काफी हो रहे हैं. आयोजक सजावट और चमक-दमक पर काफी पैसा खर्च कर रहे हैं. रिफ्रेशमेंट, बुके, पौधों पर कोई कमी न रह जाए, इसपर पूरा ध्यान देते हैं. सभी मंचासिन विशिष्ट अतिथियों को मेमेंटो देने का रिवाज भी काफी जोरों पर है. बावजूद इसके ज्यादातर सम्मान समारोह कुछ बेसिक कमियों की वज़ह से सही प्रभाव छोड़ने में असमर्थ रहते हैं. आज पुरस्कार या सम्मान समारोह से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों का जिक्र करने जा रहा हूं. अगर इन बातों पर ध्यान दिया जाए, तो कार्यक्रम निश्चित रूप से ज्यादा प्रभावी, आकर्षक और सफल होंगे.

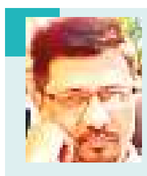
डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. **समय :** ज्यादातर कार्यक्रम समय पर शुरू नहीं होते. साधारण तौर पर कार्यक्रम दो-तीन कारणों से देर से शुरू होते हैं. मुख्य अतिथि या विशिष्ट अतिथि का समय पर न आना, आमंत्रित मेहमानों के इंतजार में आंखें बिछाए रहना और अंतिम क्षण में किसी समस्या का खड़ा हो जाना जैसे बिजली का चला जाना, माइक का काम न करना वगैरह. बहुत जरूरी है कि कार्यक्रम सही समय पर शुरू किया जाए. 15 मिनट की देरी क्षम्य है. मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि आएं या न आएं, दर्शक कम हों तब भी कार्यक्रम को सही समय पर शुरू करना चाहिए. इससे लोग कार्यक्रम व समय के प्रति गंभीर होंगे, समारोह की गरिमा कायम होगी.
2. **संचालन :** संचालक को पूरी तैयारी से मंच पर आना चाहिए. उद्घोषक या संचालक का दमदार संचालन कार्यक्रम में चार चांद लगा देता है. अक्सर एंकर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, पुरस्कृत विजेता का नाम गलत बोलते हैं, उनका परिचय गलत दे देते हैं, और फिर सफाई देते हैं कि उन्हें ठीक से बताया नहीं गया था, उन्हें जानकारी नहीं थी. इसके लिए जरूरी है कि आयोजन और एंकर मिलकर पहले से सभी डाउट्स क्लियर कर लें.
3. **पुष्प गुच्छ, सम्मान पत्र, शॉल :** आयोजक को पहले से इन्हें प्लेट में सजा कर रखना चाहिए. संस्था के सदस्यों को पहले से नियुक्त करके रखना चाहिए कि कौन किसको पुष्प गुच्छ भेंट करेगा, कौन किसे सम्मानित करेगा, शॉल-सम्मान पत्र-मेमेंटो वगैरह लेकर मंच पर कौन आएगा. यहां ऑन द स्पॉट बुलाने की परंपरा है, जो नजर आ जाए उसे बुला लो. इससे कार्यक्रम का प्रभाव कम होता है.

मूल मंत्र : मैनेजमेंट का अर्थ है सही ढंग से काम करना, लीडरशिप का अर्थ है सही ढंग से काम करवाना. किसी भी कार्यक्रम की सफलता में दोनों का सही अनुपात जरूरी है. आप कुछ भी कीजिए, प्रॉपर प्लानिंग के साथ कीजिए. हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान देकर. बिना टीम वर्क के कोई बड़ा कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता. जितना बड़ा कार्यक्रम, उतनी बारीक प्लानिंग, उतनी दमदार टीम.

4. **शॉल या पगड़ी :** साधारण तौर पर विजेताओं को शॉल ओढ़ाया जाता है, या पगड़ी पहनाई जाती है. वह जैसे ही अपनी जगह पर लौटते हैं, इन्हें उतार देते हैं. यह सही नहीं है. शॉल-पगड़ी पहने रहने से आपकी खुद की गरिमा बढ़ती है, और कार्यक्रम की भी. आप शॉल ओढ़ कर या पगड़ी पहन कर उद्गार व्यक्त करते हैं, तो आप भीड़ से अलग दिखते हैं. आपके फोटो भी आकर्षक आते हैं.
5. **परिचय :** हर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का संक्षिप्त परिचय देकर ही उन्हें मंच पर बुलाना चाहिए, भले लोग उन्हें जानते हों. यही बात पुरस्कृत होने वाले विजेताओं पर भी लागू होती है. विजेताओं को पुरस्कृत करने के पहले उनका संक्षिप्त परिचय जरुर देना चाहिए. तथ्यपूर्ण परिचय, उनकी उपलब्धियों, प्रकाशित पुस्तकों के बारे में संक्षिप्त जानकारी होनी चाहिए.
6. **संभाषण :** संचालक, वक्ताओं, पुरस्कृत विजेताओं, मुख्य अतिथि सभी के बोलने का समय निश्चित होना चाहिए. दो- चार मिनट आगे पीछे हो सकता है. सबसे विनम्रता पूर्वक अनुरोध करना चाहिए कि वे अपना वक्तव्य निर्धारित समय पर समाप्त करें और सभी का फर्ज बनता है कि समय सीमा को ध्यान में रखकर ही बोलें.
7. **कार्यक्रम की रूपरेखा :** आयोजक को चाहिए कि दर्शकों को ध्यान में रखकर पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करें. लगातार संभाषण नहीं होना चाहिए. लगभग हर कार्यक्रम में कुछ दर्शक ऐसे होते हैं, जिन्हें साहित्य में दिलचस्पी नहीं होती. बीच में सांस्कृतिक कार्यक्रम या कुछ हल्का बदलाव जरूर होना चाहिए, जिससे कार्यक्रम की नीरसता दूर हो.
8. **धन्यवाद ज्ञापन :** धन्यवाद ज्ञापन बहुत मायने रखता है. अगर दर्शक कम हों, तो कोशिश करनी चाहिए कि सभी का नाम लेकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की जाए. अक्सर लोग बैक स्टेज काम करने वाले जैसे साउंड एवं लाइट वाले, मंच सजाने वाले, मेहमानों का स्वागत करने वाले, रिफ्रेशमेंट देने वाले का नाम लेना भूल जाते हैं. इन लोगों का भी नाम लेना चाहिए.
9. **ग्रुप फोटोग्राफ :** कोशिश करनी चाहिए कि अंत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विजेताओं के साथ आमंत्रित मेहमानों का ग्रुप फोटो लिया जाए. इस तरह से यह इवेंट सबके लिए यादगार बन जाता है. सोशल मीडिया पर सभी शेयर करते हैं, इससे लोगों को कार्यक्रम की जानकारी होती है.

ये बातें लिखी तो गई हैं सम्मान समारोह को ध्यान में रखकर, लेकिन लागू होती हैं हर कार्यक्रम के ऊपर.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल : चेन्नई सुपरकिंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला आज

लगातार दो हार के बाद केकेआर के खिलाफ घरेलू हालात का फायदा उठाना चाहेंगे सुपरकिंग्स

भाषा । चेन्नई

गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम लगातार दो शिकस्त के बाद सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत के साथ वापसी करने के इरादे से उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी. लगातार दो हार के बावजूद सुपरकिंग्स की टीम पर दबाव नहीं होगा लेकिन प्रबंधन टीम की कमजोरियों का हल निकालने की कोशिश करेगा. कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और प्रतिभावान रचिन रविंद्र को अपने खेल में सुधार करते हुए सुपरकिंग्स को पावर प्ले में अच्छी शुरुआत दिलानी होगी. गायकवाड़ 118.91 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि रविंद्र पिछले दो मैचों में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं. मौजूदा टूर्नामेंट में सुपरकिंग्स के सबसे सफल बल्लेबाज शिवम दुबे हैं जिन्होंने 160.86 के स्ट्राइक रेट से 148 रन बनाए हैं. यह देखना होगा कि युवा समीर रिज्वी की टीम में वापसी होती है या नहीं. बीस साल के इस युवा बल्लेबाज ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ छह गेंद में 14 रन बनाए थे, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से बाहर कर दिया गया. तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और मथीसा पथिराना विभिन्न कारणों से टीम के पिछले मैच में नहीं खेल पाए, जिससे सुपरकिंग्स के गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां उजागर हुईं.

अगर ये नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से भी बाहर रहते हैं तो सुपरकिंग्स को उनकी भरपाई करने के लिए कुछ अलग सोचना होगा. अगर ये दोनों बाहर रहते हैं तो तेज गेंदबाजी विभाग में दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुकेश चौधरी जबकि स्पिन विभाग में मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्षणा के कंधों पर जिम्मेदारी होगी.

मुकाबला आज

- चेन्नई को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से होगी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद
- चेपक की पिच पर एक बार फिर ढेरों रन बनने की उम्मीद है

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय रही है कोलकाता की टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स अब तक टूर्नामेंट में अजेय रहे हैं और दोनों टीमों को बल्ले से निडर प्रदर्शन का फायदा मिला है. सुनील नारायण से पारी का आगाज कराना केकेआर के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है. मौजूदा सत्र में केकेआर के सबसे सफल बल्लेबाज नारायण को जल्दी पवेलियन भेजना सुपरकिंग्स के गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती होगी. फिल सॉल्ट ने भी पारी का आगाज करते हुए नारायण का अच्छा साथ दिया है. मध्य क्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर और रमनदीप सिंह को अधिक निरंतरता दिखानी होगी जबकि आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह ने अब तक प्रभावित किया है. हर्षित राणा, रसेल और वैभव अरोड़ा ने गेंदबाजी में केकेआर की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि शुरुआती दो मैच में नाकाम रहने के बाद मिचेल स्टार्क और वरुण चक्रवर्ती भी धीरे-धीरे लय हासिल कर रहे हैं. कुल मिलाकर केकेआर ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया है और वे अपनी एकादश में बदलाव करने से बचना चाहेंगे. चेपक की पिच पर एक बार फिर ढेरों रन बनने की उम्मीद है.

टीमें

- **चेन्नई सुपरकिंग्स**: महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी.
- **कोलकाता नाइट राइडर्स**: श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान.

ब्रीफ खबरें

त्वेसा संयुक्त 16वें व रिद्धिमा 30वें स्थान पर

केम्पटन पार्क । भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक यहां सनशाइन लेडीज टूर पर एब्सा लेडीज आमंत्रण टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर रहीं. उनकी हमवतन रिद्धिमा दिलावरी ने संयुक्त रूप से 30वां स्थान हासिल किया. पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली त्वेसा ने 72, 72 व 74 के स्कोर से कुल दो ओवर 218 का स्कोर बनाया. उन्होंने अंतिम दौर में तीन बर्डी की लेकिन तीन बोगी व एक डबल बोगी भी कर गईं. रिद्धिमा ने 74, 73 व 75 से छह ओवर का कुल स्कोर बनाया. कसांद्रा ने छह अंडर 66 के शानदार प्रदर्शन से कुल 12 अंडर के स्कोर से चार शॉट के अंतर से खिताब जीता.

पाकिस्तान के कोच होंगे यूसुफ व रज्जाक

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 श्रृंखला के लिए चयन समिति के सदस्यों मोहम्मद यूसुफ और अब्दुल रज्जाक को क्रमशः अंतरिम मुख्य कोच व सहायक कोच नियुक्त करने का फैसला किया है. यह फैसला तब किया गया जब विदेशी कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी के साथ बातचीत जारी है. बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि गिलेस्पी के साथ बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है क्योंकि वह लाल गेंद के प्रारूप के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने के लिए सहमत हो गए हैं.

चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में कोलिन्स

चार्ल्सटन । मियामी ओपन चैंपियन डेनियले कोलिन्स ने चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मारिया सकारी को सीधे सेट में हराकर लगातार दूसरे फाइनल में जगह बनाई. कोलिन्स ने सकारी को 6-3, 6-3 से हराया जो उनकी लगातार 12वीं जीत है. कोलिन्स रविवार को होने वाले फाइनल में दारिया कसात्किना से भिड़ेंगी जिन्होंने शीर्ष वरीय जेसिका पेगुला को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया. कसात्किना ने टाईब्रेक में अंतिम आठ में से छह अंक जीतकर पेगुला को 6-4, 4-6, 7-6 (5) से शिकस्त दी.

आईपीएल : मुंबई ने दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया

मुंबई इंडियंस का खाता खुला

भाषा । मुंबई

रोमारियो शेफर्ड की 10 गेंद पर नाबाद 39 रन की पारी और अन्य बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से मुंबई इंडियंस ने रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला. मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 234 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया. दिल्ली की टीम इसके जवाब में आठ विकेट पर 205 रन ही बना पाई. मुंबई की तीन हार के बाद यह पहली जीत है जबकि दिल्ली को पांच मैच में चौथी हार का सामना करना पड़ा. इस हार से दिल्ली की टीम अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है. रोहित शर्मा (27 गेंद पर 49 रन) और ईशान किशन (23 गेंद पर 42 रन) ने पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़कर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई. उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (21 गेंद पर नाबाद 45 रन), कप्तान हार्दिक पंड्या (33 गेंद पर 39 रन) और शेफर्ड ने अच्छी तरह से जिम्मेदारी संभाली. पृथ्वी साव (40 गेंद पर 66 रन) और अभिषेक पोरेल (31 गेंद पर 41 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी करके दिल्ली को शुरुआती झटके से उबारा. ट्रिस्टन स्टब्स ने 27 गेंद पर तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन बड़े लक्ष्य के दबाव में अन्य बल्लेबाज नहीं चल पाए. मुंबई की तरफ से गेराल्ड कोएत्जी ने 34 रन देकर चार और जसप्रीत बुमराह ने 22 रन देकर दो विकेट लिए. कोएत्जी ने मैच के आखिरी ओवर में तीन विकेट हासिल किए. शेफर्ड ने एनरिक नोर्किया (65 रन देकर दो विकेट) के पारी के आखिरी ओवर में चार छक्कों और दो चौकों की मदद से 32 रन बटोरे. अक्षर पटेल दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 35 रन देकर दो विकेट लिए. शेफर्ड ने बाद में डेविड वार्नर (10) को मिड ऑन पर हार्दिक के हाथों कैच कराकर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई.

- दिल्ली को पांच मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा
- तीन हार के बाद मुंबई ने दर्ज की पहली जीत
- हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंची दिल्ली की टीम

मैच में नहीं हुई हार्दिक पंड्या की हूटिंग

हार्दिक पंड्या ने आखिरकार कुछ राहत की सांस ली क्योंकि इस मैच में वानखेडे स्टेडियम के दर्शकों ने किसी तरह की हूटिंग नहीं की. यह मुकाबला रिलायंस फाउंडेशन के लिए ईएसए (सभी के लिए शिक्षा और खेल) दिवस पर खेला जा रहा है, जिससे स्टैंड पर कई गैर सरकारी संगठनों के लगभग 18,000 बच्चे मौजूद थे और स्टैंड पर सिर्फ घरेलू टीम को 'चीयर' करने के लिए शोर सुनाई दे रहा था. पंड्या को पिछले तीन मैच में दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा था. भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने रविवार के मैच से एक दिन पहले कहा था कि दर्शकों को पंड्या की हूटिंग नहीं करनी चाहिए क्योंकि अगर उन्हें कप्तान के तौर पर टीम में शामिल किया गया है तो यह उनकी गलती नहीं है. गांगुली ने शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें हार्दिक पंड्या की हूटिंग करनी चाहिए. यह सही नहीं है. उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तान नियुक्त किया है. खेल में ऐसा ही होता है. आप भारत की कप्तानी करें या किसी राज्य की कप्तानी करें या आप अपनी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करें, आपको कप्तान नियुक्त किया जाता है.

एसीयू के पूर्व प्रमुख ने की विराट की तारीफ

कोहली की काम के प्रति ईमानदारी अतुलनीय : नीरज

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) के पूर्व प्रमुख नीरज कुमार ने इस शक्तिशाली क्रिकेट बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान सुपरस्टार विराट कोहली की काम के प्रति ईमानदारी को 'अतुलनीय' पाया. दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज ने 2015 से 2018 के बीच बीसीसीआई के साथ काम किया. बीसीसीआई एसीयू में उनकी भूमिका के लिए उन्हें क्रिकेटरों के साथ नियमित रूप से बातचीत करने की आवश्यकता थी और उन्होंने उनमें से अधिकांश को अच्छा और मिलनसार पाया. नीरज ने यहां कहा कि उनमें से बहुत सारे (अच्छे) थे. किसी को भी उन पर गर्व होना चाहिए. उन सभी ने मुझे बहुत सम्मान दिया. लेकिन दो लोग जिनके बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती है, वे हैं भुवनेश्वर कुमार और अजिंक्य रहाणे, उत्कृष्ट लोग, सज्जन व्यक्ति. खेल के प्रति कोहली की प्रतिबद्धता किसी से कम नहीं है और नीरज ने भी इसे महसूस किया.

कानूनी कमियों के कारण बच गए श्रीसंत

नीरज कुमार ने कहा है कि हितधारकों ने भारतीय खेलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लाने में गंभीरता की स्पष्ट कमी दिखाई है. यही कारण है कि दागी पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत जैसा व्यक्ति आईपीएल 2013 में उनके खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के पुख्ता सबूत होने के बावजूद बच गया. नीरज दिल्ली पुलिस के प्रभारी थे जब उनके मार्गदर्शन में स्पेशल सेल ने श्रीसंत और राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी क्रिकेटरों अजीत चंदीला और अंकित चव्हाण को स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था. उच्चतम न्यायालय ने हालांकि 2019 में यह फैसला देने के बावजूद कि भारत के पूर्व खिलाड़ी के खिलाफ सबूत थे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उन पर आजीवन प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने के लिए कहा.

कैंडिडेट्स शतरंज

प्रज्ञानानंदा ने विदित को हराया

भाषा । टोरंटो

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हमवतन विदित गुजराती को हराया. टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही भाई-बहन की पहली जोड़ी के लिए यह अच्छा दिन रहा जब प्रज्ञानानंदा की बड़ी बहन आर वैशाली ने भी बुल्गारिया की नुर्गयुल सेलिमोवा को हराकर पहली जीत दर्ज की. महिला वर्ग में सिर्फ इसी मुकाबले का नतीजा निकला. पुरुष वर्ग में डी गुकेश रूस के इयान नेपोमनियाची के मजबूत डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे जबकि फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शीर्ष वरीय अमेरिका के फाबियानो करूआना से ड्रॉ खेला. टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे एक अन्य अमेरिकी हिकारू नाकामूरा को अजरबेजान के निजात अबासोव से ड्रॉ खेलने के दौरान अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी. महिला वर्ग में भारत की कोनेरू हंपी ने सफेद मोहरों से खेलते हुए चीन की टैन झोंगयी को बराबरी पर रोका. चीन की ही टिंगजी लेइ ने रूस की एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना से अंक बांटे. रूस की कैटरीना लेगनो और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक की बाजी भी बराबरी पर छूटी. पुरुष और महिला वर्ग दोनों में आठ-आठ खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अभी 11 दौर का खेल बाकी है. पुरुष वर्ग में करुआना, गुकेश और नेपोमनियाची दो अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं. इनके बाद विदित और प्रज्ञानानंदा को नंबर आता है. इन दोनों के समान डेढ़ अंक हैं. इन दोनों से आधा अंक पीछे नाकामूरा, अलीरेजा और अबासोव हैं. महिला वर्ग में झोंगयी ढाई अंक के साथ सबसे आगे चल रही हैं. उन्होंने गोरयाचकिना पर आधे अंक की बढ़त बना रखी है. हंपी, वैशाली और लेगनो समान डेढ़ अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं.

अंतर जिला अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता

रांची की टीम ने पश्चिमी सिंहभूम को हराया

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में रांची में खेले जा रहे अंतर जिला अंडर-19 (एलिट ग्रुप) क्रिकेट प्रतियोगिता के सुपर डिवीजन मुकाबले में रविवार को मेजबान रांची ने पश्चिमी सिंहभूम को छह विकेट से हराया. पश्चिमी सिंहभूम की इस प्रतियोगिता में ये पहली हार है. रांची के जेएससीए ओवल मैदान खेले गए सुपर डिवीजन के मुकाबले में टॉस पश्चिमी सिंहभूम के कप्तान ने जीता तथा पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. पश्चिमी सिंहभूम की शुरुआत ही अच्छी नहीं रही. पारी की पहले ही ओवर में आठ रन के स्कोर पर कप्तान डेविड सागर मुंडा बिना कोई रन बनाए पैविलियन लौट गए. टीम का स्कोर अभी 32 रन ही हुआ था कि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए आमर्त्य चौधरी मात्र तीन रन बनाकर रन आउट का शिकार हो गए. आमर्त्य के आउट होने के बाद पारी की शुरुआत करने आए साकेत कुमार सिंह एवं विकेटकीपर बल्लेबाज मोईब अब्बास ने तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाकर टीम को संकट से उबारा. 33वें ओवर में साकेत कुमार के रूप में पश्चिमी सिंहभूम का तीसरा विकेट गिरा. साकेत ने सात चौकों की मदद से 58 रनों की शानदार पारी खेली. मोईब अब्बास ने भी पांच चौकों एवं एक छक्का की सहायता से 53 रनों की बहुमूल्य पारी खेलकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट का शिकार हुए. पश्चिमी सिंहभूम की पूरी पारी 49.5 ओवर में 223 रन पर सिमट गई. रांची की ओर से रायन सपकोता ने 35 रन देकर तीन विकेट तथा आयुष सिंह परमार ने 37 रन देकर तीन विकेट हासिल किए.

क्रिकेट टूर्नामेंट

- रांची ने पश्चिमी सिंहभूम को छह विकेट से हराया
- पश्चिमी सिंहभूम को टूर्नामेंट में मिली पहली हार

टियाफो व शेल्टन क्ले कोर्ट के फाइनल में

ह्यूस्टन । गत चैंपियन फ्रांसिस टियाफो और शीर्ष वरीय बेन शेल्टन ने शनिवार को यहां अपने अपने मुकाबले जीतकर अमेरिकी पुरुष क्ले कोर्ट टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई. दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी टियाफो ने लूसियानो दारदेरी को 6-2, 7-6 से हराया. वह 2017 और 2018 में स्टीव जॉनसन के बाद खिताब का बचाव करने वाला पहला खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे. फाइनल में टियाफो की भिड़ंत अमेरिका के दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी शेल्टन से होगी. शेल्टन ने जोरदार वापसी करते हुए टॉम मार्टिन एचेवेरी को 6-7, 6-4, 6-4 से हराया.

फुटबॉल कोपा डेल रे के फाइनल में पेनल्टी शूट आउट में हारी मालोर्का की टीम

एथलेटिक बिलबाओ की टीम ने जीता 23वां खिताब

भाषा । सेविले

एथलेटिक बिलबाओ ने पेनल्टी शूट आउट में मालोर्का को 4-2 से हराकर चार दशक बाद कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता. बिलबाओ को मालोर्का के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन टीम को खिताब जीतने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा. बिलबाओ की ओर से पेनल्टी शूट आउट में राउल गार्सिया, इकेर मूनियन, माइकल वेस्गा और एलेजांद्रो बेरेनगुएर ने पेनल्टी शूट आउट में गोल किए. एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन अगिरेजाबला ने मैनुएल मोर्लानेस के शॉट को रोका जबकि मालोर्का के नेमांजा रादोनजिक ने शॉट बाहर मारा.

CAMPEONES
CAMPEONES
COPA DEL REY

- पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से जीता एथलेटिक बिलबाओ
- 1984 के बाद बिलबाओ ने पहला कोपा डेल रे जीता

नियमित समय में 1-1 की बराबरी पर था मुकाबला

इससे पहले नियमित और अतिरिक्त समय के बाद फाइनल मुकाबला 1-1 से बराबर रहा. डेनी रोड्रिग्ज ने मालोर्का को 21वें मिनट में आगे किया लेकिन ओइहान सांचे ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया. एथलेटिक बिलबाओ का यह 23वां कोपा डेल रे खिताब है. टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था. टीम को इसके बाद छह बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा.

हॉकी : भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन जारी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

भाषा । पर्थ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पिछले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद रविवार को यहां पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 4-2 से पराजित हो गयी. भारत को शनिवार को पहले टेस्ट में 5-1 से हार का सामना करना पड़ा था. मेहमान टीम ने मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ बराबरी का खेल दिखाया. बल्कि पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही थी. लेकिन तीसरे क्वार्टर में खराब रक्षण का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा क्योंकि मेजबान टीम ने तीन गोल कर लगातार दूसरी जीत हासिल की. ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (छठे और 34वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया जबकि जैकब एंडरसन (42वें मिनट) और नाथन एफ्राम्स (45वें मिनट) ने मैदानी गोल दागे. भारत के लिए जुगराज सिंह (नौवें मिनट) और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (30वें मिनट) ने पेनल्टी कार्नर पर गोल किये.

भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की. लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने छठे मिनट में अपने पहले ही पेनल्टी कॉर्नर पर हेवर्ड की बदौलत बढ़त हासिल कर ली. भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने अनुभवी पीआर श्रीजेश की जगह शुरूआत की. वह हेवर्ड की ताकतवर ड्रैग फ्लिक को नहीं रोक सके, जिससे मेजबान टीम 1-0 से आगे हो गयी. इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक हो गयी और उन्होंने तुरंत बाद लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये. पर भारतीय रक्षापंक्ति डटी रही.

- 4-2 से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दर्ज की जीत
- पहले मुकाबले में 5-1 से हारी थी भारतीय टीम

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धार्मिक यात्रा होगी. इस दौरान सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें. खर्चों में अधिक बढ़ोतरी न करें. काम काज सामान्य रहेगा. गाय को हरा चारा दें.

वृषभ सरकरी कार्य में गति आएगी. आपके कार्य और प्रभाव से विरोधी हार मानेंगे. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. निवेशादि लाभ देंगे. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. अन्न का दान करें.

मिथुन पराक्रम और पिता के लिए शाम का समय ठीक है. पर जल्द बाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. लड्डू का भोग लगावें.

कर्क नवम चंद्र है. भाग्य का साथ मिलने से मन खुश होगा. समय लागातार अनुकूल है. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम में वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह किसी से विवाद हो सकता है. भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या समय सामान्य है. कोई कार्य या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. यात्रा शुभ रहेगी. गणेश जी का मंत्र जाप करें.

तुला कोई मौसमी रोग परेशानी का कारण बनेगा. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक भाई के साथ साझेदारी अच्छी होगी. शिक्षा में तरक्की मिलेगी. मन खुश होगा. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा. माता दुर्गा को लाल फूल अर्पण करें.

धनु माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी से कहा-सुनी हो सकती है. बोलने से पूर्व सोच विचार लें. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है.

मकर समय का सदुपयोग करें. लोग आपके कार्य से खुश होंगे. रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. दुर्गामाता को लड्डू का भोग लगावें.

कुंभ धन का आगमन होगा. किसी दूर दराज से कुटुंब भी आएंगे. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नौकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. रुके हुए काम बन सकते हैं. माता को चुनरी चढ़ावें.

मीन समय बहुत ही अनुकूल है. अध्यात्म के प्रति खर्च होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. मानसिक और शारीरिक सुख में वृद्धि होगी.

आंबेडकराइट से रामहरि को टिकट

चाईबासा । रविवार को आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश कार्यालय भुसुर तुपुदाना, रांची में लोकसभा इकाई द्वारा विशेष बैठक हुई. बैठक रांची लोकसभा प्रभारी देवनाथ मुंडा की अध्यक्षता में हुई. जिसमें सर्वसम्मति से लोकसभा चुनाव 2024 में रांची लोकसभा सीट से रामहरि गोप को प्रत्याशी बनाया गया. साथ ही चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई. मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के संयुक्त सचिव सुलेमान होरो, रामहरि गोप जिला अध्यक्ष पंचम स्वांसी, जिला सचिव संदीप मुंडा मौजूद थे.

चार जोड़ों की हुई सामूहिक शादी

सुकेश कुमार । चाईबासा

उरांव समाज बान टोला चाईबासा के चाला मंडप में सामूहिक विवाह रविवार को संपन्न हुआ. मालूम हो कि इस सामूहिक विवाह में कुल चार जोड़ों का सामाजिक रीति रिवाज के साथ विवाह संपन्न कराया गया. इस विवाह समारोह में आदिवासी उरांव समाज के क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष, सचिव, सलाहकार समितियों के बीच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर चाईबासा ने उपस्थित होकर जोड़ों को आशीर्वाद दिया और आगे की उज्जवल भविष्य की कामना की. अतिथियों का स्वागत करते हुए मुखिया लालू कुजूर ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन साबित होगा. क्योंकि हमारे समाज से कुछ ऐसे जोड़ों का विवाह संपन्न हो रहा है, जो आर्थिक रूप से असमर्थ थे. उन लोगों का समाज के बीच हमारे पुण्य स्थल चाला मंडप में विवाह संपन्न हो रहा है. आज हम सभी उनके दांपत्य सुखमय जीवन की कामना करते हुए समाज से जुड़े सभी भाई बंधुओं से निवेदन करूंगा कि इस तरह के कार्य में अपनी-आपनी भूमिका निभाएं. समाज को एक सूत्र में जोड़े रखने में अपनी हर संभव सहयोग दें. अध्यक्ष संचू तिर्की ने कहा कि यह हमारे समाज की ओर से एक पहल किया जा रहा है. इस पहल के माध्यम से ऐसे जोड़े जो रिलेशनशिप में पहले से थे. वर्तमान में उनका विवाह कराया जा रहा है, क्योंकि वे लोग विवाह करने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं थे. उन्हें आज सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हमारे पूज्य स्थल चाला मंडप में पूरी रीती-रिवाज के साथ विवाह संपन्न कराया जा रहा है. मैं विशेष रूप से बान टोला के मुखिया ब्लडमेन लालू कुजूर को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं कि इस तरह का पहल किया. यह हमारे समाज के लिए अनोखा है. यह पहल हमारे चाईबासा के सातों अखाड़ा में भी होना चाहिए. मैं खास करके समाज से जुड़े युवाओं बुजुर्गों से निवेदन करूंगा कि इस तरह का कार्य को संपन्न कराने में आगे भी अपनी-अपनी भूमिका को निभाएं. विवाह के इस कार्यक्रम मेंअनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल देव बड़ाइक ने कहा कि मुझे यहां आकर बहुत ही खुशी महसूस हो रही है कि सामाजिक तौर पर यहां आर्थिक रूप से कमजोर जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा रहा है, जो कि हम सामाजिक प्राणियों का, हम सामाजिक संगठनों का भी दायित्व बनता है कि इस तरह के कार्य को संपन्न कराने में अपनी भूमिका जरूर निभाएं. मैं विशेष रूप से आदिवासी उरांव समाज के सभी पदाधिकारी को धन्यवाद देता हूं कि इस तरह के कार्य को संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका को निभा रहे हैं. आज के इस विवाह समारोह में सचिव अनिल लकड़ा ने कहा कि हमलोग इस तरह के कार्य को संपन्न करने के लिए पिछले कई महीनों से विचार विमर्श कर रहे थे, लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि यह पहल सबसे पहले बान टोला में हुआ है और हमलोग इसको और आगे लेकर चलेंगे.

144 लाइसेंसधारी की सूची सार्वजनिक हुई, 100 से ज्यादा वैसे लोगों को लाइसेंस जारी हुआ, जो गोड्डा के निवासी हैं ही नहीं

गोड्डा जिला प्रशासन ने रेवड़ी की तरह बांटे हैं आर्म्स लाइसेंस

संवाददाता । गोड्डा

LICENSE
समाहरणालय गोड्डा

हथियार का लाइसेंस जारी करने में गोड्डा जिला प्रशासन बड़ा ही उदार रहा है. प्रशासन की ओर से रेवड़ी की तरह आर्म्स के लाइसेंस बांटे गये हैं. इस बात का खुलासा जिला सामान्य शाखा समाहरणालय गोड्डा द्वारा चुनाव के मद्देनजर जारी आदेश संख्या 28/2024 द्वारा सार्वजनिक किया गया है.

आदेश के तहत जिला प्रशासन ने वैसे लाइसेंसधारियों को सूचित किया है, जिन्होंने प्रशासनिक आदेश की समय सीमा बीत जाने के बाद भी अपने हथियार जमा नहीं कराये हैं. चुनाव के मद्देनजर अपना लाइसेंसी हथियार जमा कराना अनिवार्य होता है. जिला प्रशासन द्वारा 144 लाइसेंसधारी की सूची सार्वजनिक की गई है. सूची देखकर स्पष्ट होता है कि एक सौ से अधिक वैसे लोगों को लाइसेंस जारी किया गया है, जो गोड्डा जिला के निवासी ही नहीं है. अधिकांश अधिकारी वर्ग और ऊंची पहुंच वाले हैं. गोड्डा आये थे नौकरी करने, मगर पद का दुरुपयोग कर फर्जी पता और दवाब बनाकर आर्म्स का लाइसेंस लेने में सफल हो गए. जो लोग इस जिला के निवासी ही नहीं हैं, उन्हें नोटिस कैसे मिलेगा. नियम के अनुसार नवीनीकरण के समय इन सब बातों का सत्यापन किया जाना चाहिए था, लेकिन सिर्फ पैसे के खेल पर सब कुछ मैनेज होता रहा है. अब जब चुनाव आयोग ने खबर ली है, तब प्रशासन की नींद खुली है.

इस मामले को विधानसभा में उठाया हूं, जांच चल रही है : अमित मंडल

गोड्डा के विधायक अमित मंडल ने इसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि पूर्व में एक डीसी के कार्यकाल में करीब एक सौ पच्चीस आर्म्स लाइसेंस जारी किए गए थे . इसे लेकर उन्होंने विधानसभा में सवाल भी उठाया था . विस में मामला उठाने के बाद जांच कमेटी बनी है . फिलहाल कमेटी जांच कर रही है . जांच के बाद पूरे मामले से पर्दा उठ जाएगा .

आखिर ऐसी कौन सी परिस्थिति थी, जो इतने लाइसेंस जारी हुए : प्रदीप यादव

विधायक प्रदीप यादव ने मामले की जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि आखिर गोड्डा में ऐसी कौन सी परिस्थिति बन गई थी कि इतने इतनी बड़ी संख्या में आर्म्स लाइसेंस जारी कर दिये गये . क्या भय का माहौल बन गया था, क्या उग्रवाद का साया था, जो इतनी बड़ी संख्या में लाइसेंस जारी कर दिये गये . क्या अधिकारी ज्यादा भयभीत हो गए थे . इसकी जांच होनी चाहिए और जिम्मेवारी सुनिश्चित कर कार्रवाई की जानी चाहिए .

बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बोले

मानवता को बचाना है तो सनातन को बचाना होगा

संवाददाता । पलामू

केंद्र सरकार की जन उपयोगी योजनाओं का लाभ लेने वाले ग्रामीण मतदाताओं तक भाजपा कार्यकर्ताओं को अपनी पहुंच बढ़ानी चाहिए. उक्त बातें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को हैदरनगर हाईस्कूल के मैदान में मंडल व बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं सम्मेलन में कही. बाबूलाल ने कहा कि दुनिया में मानवता को बचाना है तो सनातन को बचाना होगा. इसलिए नरेंद्र मोदी को वोट देकर जिताना होगा.बाबूलाल ने झामुमो पर हमला बोला. कहा कि हेमंत सोरेन ईडी के दफ्तर में नहीं पहुंचते हैं. राज्य में उनका अपना कानून चलता है. यहां की जमीन को फर्जी कागजात बनाकर बेचा जा रहा है. जमीन बेचने के बाद युवाओं के भविष्य के साथ खेला जा रहा है. एग्जाम का पेपर लिक हो रहा है. यह चुनाव चुनौती भरा चुनाव है. डेढ़ लाख का संकल्प लेकर यहां से जाएं. यह निवेदन करने आया हूं. कहा कि तीसरी बार पलामू संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम को जिताएं और देश में पुनः नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं.

उन्होंने हर हाल में शत प्रतिशत मतदान कराने के प्रति सजग व सक्रिय रहने के लिए कहा. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रवासी मतदाताओं से संपर्क करने और मतदान के समय घर बुलाने का प्रयास किया जाना चाहिये. उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में झारखंड में बालू फ्री में मिला करते थे. आज स्थिति है कि साइकिल में ढो रहे गरीबों को दो बोरा तक बालू पुलिस पकड़ने में लगी है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस देश में भ्रष्टाचारी, विभिन्न अवैध कारोबार से जुड़े माफिया भूमिगत हो गये या फिर जेल की सलाखों की हवा खा रहे हैं. कभी इसी देश में बारात जाने के लिये सुदूर गांव, अस्पताल तक रोगी पैदल या बैलगाड़ी से जाते थे.

आज नरेंद्र मोदी के शासनकाल में गांवों तक सड़कों का जाल बिछ गया है. नरेंद्र मोदी को अंदरुनी और देश के बाहरी शक्तियां सत्ता में पुनः आने देना नहीं चाहती हैं. क्योंकि वह नहीं चाहते कि भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे. हम सबों को देश को बचाने के लिए वोट करना होगा. प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सड़क, पानी और बिजली की पहुंच गांव तक बनी है. कुछ लोग आज भी लालटेन लेकर घूम रहे हैं. लेकिन आप लोगों को वैसा नहीं करना है. आप बिजली के महत्व को समझते हुए वोट करें.

वहीं निवर्तमान सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है. पलामू में केन्द्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को सामने रखते हुए कहा कि देवरी सोन नदी में पुल, सोन, कोयल, ओरंगा नदी से लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से विभिन्न जलाशयों में जल भंडारण करने व क्षेत्र की सूखी पड़ी खेती योग्य भूमि को सिंचित कराने के लिये योजना तैयार हो चुकी है. चुनाव बाद भाजपा सरकार इसे अवश्य पूरा करेगी. साथ रेल यातायात से संबंधित विभिन्न स्थानों से मिले प्रस्ताव को भी पूरा कराने की कोशिश की जायेगी. वीडी राम ने कहा कि बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को अपनी क्षमता पहचानने की जरूरत है. आप घर-घर जाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को लोगों को जानकारी दें और बूथ तक पहुंचाएं.

स्थानीय विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि जिस तरह से आज मैं अकेले मंच पर खड़ी होकर बोल रही हूं यह क्षमता प्रधानमंत्री की देन है. उन्होंने महिलाओं को लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है. इसलिए हम सब को सरकार की योजनाओं को देखते हुए वोट करने की जरूरत है. कार्यक्रम में छतरपुर विधानसभा के सभी छह मंडल अध्यक्षों के अलावा कई कार्यकर्ता मौजूद थे. मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, भाजपा नेता मनोज कुमार, विनोद सिंह, नरेंद्र पांडे, छतरपुर नगर मंडल अध्यक्ष मोहन जायसवाल, उपाध्यक्ष गुल बाबा, अरविंद सिंह, पूर्व सांसद घुरण राम, अशोक तिवारी, अरुण दुबे, राम नरेश यादव, संजय सिंह, संतोष पांडे, बाबूलाल पाठक और प्रियांशु शर्मा के अलावा कई भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे.

बोले बाबूलाल

- मोदी के कार्यकाल में गांवों तक सड़कों की जाल बिछ गयी है
- जमीन के फर्जी कागजात बनाकर बेचा जा रहा है
- सभी लोगों को देश को बचाने के लिए मतदान करना होगा

पुलिस ने थाने में प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

शराब काउंटर में काम करने वाले सेल्समैन बनाते थे नकली शराब

शंभू कुमार । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर में रविवार सुबह नकली विदेशी शराब को लेकर की गई कार्रवाई के संबंध में रविवार शाम चक्रधरपुर थाना में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य रुप से मौजूद पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा, चक्रधरपुर थाना प्रभारी राजीव रंजन ने छापेमारी के संबंध में जानकारी दी. प्रेस वार्ता में पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर नगर परिषद् कार्यालय के समीप स्थित हरिजन बस्ती के समीप स्व. रघुनाथ साहु के घर में छापेमारी की गई थी.

जहां से यहां पहले तल्ले के तीन कमरों में पांच लोग नकली शराब की बातेल में स्टीकर एवं लोगो लगाकर शराब की बोतलें तैयार करते हुये पाये गये थे. साथ ही उक्त स्थान पर कई कंपनियों के खाली शराब की बोतलें व स्टीकर समेत अन्य सामान मिले थे. पारस ने कहा कि नकली विदेशी शराब का निर्माण का कार्य चक्रधरपुर शहर के तीन शराब काउंटर में काम करने वाले सेल्समैन मिलकर करते थे. साथ ही इन नकली विदेशी शराबों को दुकानों में ही बेच दिया जाता था. वहीं नकली विदेशी शराब बनाने के लिए कबाड़ व अन्य जगहों से खाली बोतलें भी जमा की जाती थीं. विदेशी नकली शराब बनाने वालों के खिलाफ छापेमारी अभियान जारी रहेगी. वहीं नकली शराब बनाने के आरोप में पकड़े जाने वालों में बिहार के भोजपुर जिला के धनपत पाल, औरंगाबाद जिला के कुसूमा गांव निवासी विकास कुमार यादव, औरंगाबाद जिला के ही बदड़ी गांव निवासी रामध्यान यादव, जगदीशपुर गांव निवासी उमेश सिंह और चांदबिग्हा गांव निवासी अशोक यादव हैं.

छापेमारी में विभिन्न ब्रांडों के लगभग एक हजार खाली शराब की बोतलें, विभिन् ब्रांडों के 32 बोतल नकली शराब, विभिन्न कंपनियों की बड़ी संख्या में ढक्कन, विभिन्न कंपनियों के शराब के बोतलों के लेबल, स्टीकर, झारखंड सरकार का लोगो एवं क्यूआर कोड लगा लगभग 1300 स्टीकर बरामद किया गया. छापेमारी अभियान में पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा, थाना प्रभारी राजीव रंजन, पुलिस अवर निरीक्षक आकाश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रोहित कुमार, अवर निरीक्षक भुतनाथ सिंह मुंडा, अवर निरीक्षक सुनील कुमार पांडेय के अलावा चक्रधरपुर थाना के जवान शामिल थे.

लोकसभा चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए: सुखदेव

संवाददाता । लोहरदगा

लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस पार्टी की बैठक जिला अध्यक्ष सुखदेव भगत की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में हुई, जिसमें लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई. बैठक में मुख्य रूप से इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, लोकसभा क्षेत्र कोऑर्डिनेटर प्रदीप तुलस्या,न विधानसभा प्रभारी बेलस तिर्की शामिल हुए. कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने लोकसभा प्रत्याशी सुखदेव भगत को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत कियाच.

बैठक को संबोधित करते हुए सुखदेव भगत ने कहा कि यहां कांग्रेस की जड़ें बहुत गहरी हैं. लोहरदगा की धरती के धीरज प्रसाद साहू तीन बार राज्यसभा सांसद रहे हैं और डॉ रामेश्वर उरांव यहां के मंत्री हैं. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता हमारी पूंजी हैं और कार्यकर्ताओं की बदौलत ही लोकसभा का चुनाव जीतेंगे. यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए है. प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि भाजपा सिर्फ झूठे वादा करती है, परंतु कांग्रेस पार्टी जो वादा करती है, उसे हर हाल में पूरा करती है.कांग्रेस पार्टी का जो घोषणा पत्र है- पांच गारंटी 25 न्याय उसे पार्टी हर हाल में पूरा करेगी. प्रदीप तुलस्यान ने कहा कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की लहर है. सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर तन मन से चुनाव प्रचार में लग गए हैं.

प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

चाईबासा। आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रत्याशी जॉन मीरन मुंडा ने जनसंपर्क अभियान चलाया. इस क्रम में तांतनगर प्रखंड के तुईबाना गांव के ग्रामीणों के साथ बैठक की. जॉन मीरन मुंडा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि तुईबाना गांव ईचा खरकई डैम से प्रभावित गांव है. इस विनाशकारी परियोजना को रद्द करने के लिए पूर्व के सांसदों ने कभी भी सांसद भवन में मजबूती से बातों को नहीं रखा. केवल वोट बैंक के लिए ईचा खरकई डैम के नाम पर लोगों से वोट लिया. जॉन ने कहा की सांसद के रूप में अपना समर्थन मुझे दीजिए, ताकि दिल्ली के संसद भवन में डैम के विरुद्ध मजबूती लड़ाई को लड़ा जा सके. ईचा खरकई डैम जैसे विनाशकारी डैम को न बनाकर कुजू नदी में श्रींकलाबद छोटे छोटे चेक डैम बनाए जाने से खेतों में सिंचाई के लिए पानी का प्रबंध हो सकता है. आदिवासियों के पलायन को भी रोका जा सकता है.

बसंत का 'भाभी' सीता पर राजनीतिक प्रहार

कहा- पार्टी व परिवार ने 15 साल विधायक बनाकर सीता सोरेन को सम्मान दिया

विशेष संवाददाता । रांची/जामताड़ा

शिबू सोरेन के छोटे पुत्र मंत्री बंसत सोरेन ने अपने भाभी सीता सोरेन पर ताबड़तोड़ राजनीतिक प्रहार किए. रविवार को वे जामताड़ा पहुंचे. जहां पर उन्होंने दुमका लोकसभा को लेकर रणनीति बनाया. इस दौरान उन्होंने दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को लेकर कहा कि सीता सोरेन घर पर उनकी भाभी हैं, न कि चुनावी मैदान में. उन्होंने पार्टी और परिवार में सम्मान नहीं मिलने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि पार्टी और परिवार ने 15 साल विधायक बनाकर सीता सोरेन को सम्मान दिया है. उन्होंने कहा कि पार्टी ने तीन बार उन्हें विधायक बनाया और सम्मान देने का काम किया.

दुर्गा सोरेन की मौत की सीबीआई जांच कराने की मांग पर बंसत सोरेन ने उन्हें करारा जवाब दिया. उन्होंने कहा कि सीता सोरेन खुद तीन बार यानि की 15 साल से वे पार्टी की विधायक रहीं हैं. कभी सदन या सदन के बाहर उन्होंने सीबीआई जांच की मांग नहीं की. .अब जबकि वह दूसरे दल में शामिल हो गई हैं तो वह सीबीआई जांच की मांग कर रही हैं. बसंत सोरेन ने कहा कि इसके पीछे कौन लोग हैं यह समझ सकते हैं और उनकी मंशा क्या है यह भी समझा जा सकता है.

बसंत बोले

- दूसरे दल में जाकर सीबीआई जांच की मांग कर रही हैं
- इसके पीछे कौन लोग हैं, इसे भलीभांति समझा जा सकता है

निशिकांत के बयान पर बोलने से बचते रहे बसंत

बसंत सोरेन ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया . उन्होंने कहा कि यह उनका निजी बयान है . पिछले दिनों गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने दुमका में बयान दिया था कि बसंत सोरेन बहुत जल्द झामुमो छोड़ देंगे और झामुमो कई भागों में बंट जाएगा .

हाईस्कूल

विद्यार्थियों को छह किमी दूर दूसरे पंचायत के हाईस्कूल में पढ़ने जाना पड़ता है

डंडई में पढ़ाई के लिए नहीं है सरकारी हाईस्कूल

संवाददाता । डंडई

प्रखंड के मुख्यालय होने के बाद भी इस पंचायत में यहां के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने के लिए एक भी सरकारी हाईस्कूल नहीं है. यहां के विद्यार्थियों को करीब चार से छह किलोमीटर दूर दूसरे पंचायत के हाईस्कूल में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाना पड़ता है. ऐसे में कई विद्यार्थी दूर के स्कूलों में जाने से हिचकते भी हैं. वहीं अभिभावक भी पंचायत में सरकारी हाईस्कूल नहीं होने से अपने बच्चों के शिक्षा के लिए चिंतित हैं.

ग्रामीण विवेकानंद कुशवाहा, अशोक प्रसाद गुप्ता सहित अन्य ने बताया कि डंडई पंचायत में संचालित एक भी मध्य विद्यालय को पिछले कई दशकों में उत्क्रमित कर हाईस्कूल का दर्जा नहीं मिल सका है. जबकि पंचायत में तीन सरकारी मध्य विद्यालय संचालित है. इसमें मध्य विद्यालय डंडई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैरियादामर तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैलाझखड़ा शामिल है. पंचायत में तीन मध्य विद्यालय होने के बावजूद भी इनमें से एक भी स्कूल को उत्क्रमित कर उच्च विद्यालय का दर्जा नहीं मिलना समझ से परे है. यह क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है. इससे यहां के लोग कक्षा नौ, 10, 11 और 12वीं तक के बच्चों के शिक्षा को लेकर काफी परेशान हैं.

बच्चों को निःशुल्क शिक्षण प्राप्त करने के लिए दूर जाना डंडई पंचायत के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है. ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा से ही किसी भी क्षेत्र का विकास संभव है. यहां सरकारी हाईस्कूल की व्यवस्थाएं ही नहीं हैं तो विकास की कल्पना करना भी काफी दूर की बात है. ग्रामीणों ने कहा शिक्षा विभाग के घोर उदासीनता के कारण यहां के मध्य विद्यालय को हाईस्कूल की दर्जा नहीं दिया जा रहा है.

ग्रामीणों ने बताया कि डंडई पंचायत प्रखंड का मुख्यालय भी है. जहां पुलिस थाना, सरकारी अस्पताल, प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, तहसील भवन, आयुर्वेदिक औषधालय, प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय सहित कई सरकारी दफ्तरें हैं. परंतु कक्षा नौ से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने के लिए एक भी सरकारी उच्च विद्यालय नहीं है.

छात्र चिंतित

- हाईस्कूल नहीं होने से बच्चे शिक्षा के लिए हैं चिंतित
- यहां के मिडिल स्कूल को हाईस्कूल का दर्जा नहीं मिला

बांकी क्षेत्र में नक्सलियों ने लगाये पोस्टर व बैनर

किरीबुरु। पश्चिम सिंहभूम जिला के कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र अत्यंत नक्सल प्रभावित टोंटो एवं गोईलकेरा के सीमावर्ती गांव पोखरीबुरु, बांकी, लुईया एवं सांगाजाटा जाने वाले मार्ग स्थित बोर्ड व लोगों के घरों की दीवार पर भाकपा माओवादी नक्सलियों द्वारा बडे पैमाने पर बैनर व पोस्टर लगाये गये हैं. इन बैनर व पोस्टरों में तमाम पुलिस कैंप को बंद कर पुलिस को वापस करने, जनता पर युद्ध अभियान बंद करने, चुनाव का बहिष्कार करने आदि की बात लिखी गई है. नक्सलियों द्वारा लगाये गये पोस्टर से ग्रामीणों में भय व्याप्त है. सूत्रों अनुसार उक्त क्षेत्र में पुलिस व सीआरपीएफ की भारी तैनाती है. नक्सली कब रात में आकर पोस्टर, लगा दिये, वह पता नहीं चल पाया.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस ने असम में गारंटी कार्ड बांटना शुरू किया

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई ने रविवार को गुवाहाटी से अपने 'गारंटी कार्ड' को घर-घर जाकर बांटना शुरू किया. असम के प्रभारी कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत की और पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्ड बांटने के लिए शहर के पंजाबाड़ी इलाके में घरों का दौरा किया.

कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

बेंगलुरु। बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएमसीआरआई) के दो छात्र हैजा से संक्रमित पाए गए, जिसके बाद से कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों उन 47 छात्रों में से थे जिन्हें दस्त और पानी की कमी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

इजराइल के बंधक का शव गाजा से बरामद

काहिरा। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने गाजा में बंधक बनाए गए 47 वर्षीय किसान का शव बरामद किया है. हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइल के किसी नागरिक का शव ऐसे वक्त में बरामद किया गया है जब वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच छह माह से जारी युद्ध को रोकने तथा शेष बंधकों को रिहा कराने के लिए रविवार को दूसरे दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं.

मिरज में बने सितार व तानपुरा को जीआई टैग

पुणे। महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक छोटे से कस्बे मिरज में बनाए जाने वाले सितार और तानपुरा को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है. यह क्षेत्र संगीत वाद्ययंत्र बनाने की शिल्प कौशल के लिए जाना जाता है. निर्माताओं ने दावा किया कि ये वाद्ययंत्र मिरज में बनाए जाते हैं और शास्त्रीय संगीत के कलाकारों के साथ-साथ फिल्म उद्योग के प्रसिद्ध कलाकारों के बीच भी इनकी भारी मांग है.

इंडोनेशिया के पापुआ में मारे गए दो विद्रोही

जयापुरा। इंडोनेशिया के अशांत पापुआ क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी सोने की खदानों में से एक के निकट सुरक्षा बलों और विद्रोही समूह के बीच गोलीबारी में दो अलगाववादी मारे गए. पुलिस ने बताया कि मध्य पापुआ प्रांत के खनन शहर तेम्बागापुरा के निकट 'फ्री पापुआ मूवमेंट' से जुड़े विद्रोहियों और पुलिस एवं सैन्य बलों के बीच हुई झड़प में समूह के दो क्षेत्रीय कमांडर अबुबकर कोगोया और डेमियानस मागे मारे गये.

चलती ट्रेन से टकराई कार, चालक की मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में एक कार बंद रेलवे फाटक को तोड़ते हुए चलती ट्रेन से टकरा गई, जिससे कार चालक की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने बताया कि यह हादसा शनिवार आधी रात के आसपास जैथारी इलाके में हुआ. जनसंपर्क अधिकारी अंबिकेश साहू ने फोन पर बताया कि कार बंद रेलवे फाटक को तोड़ते हुए हीराकुंड एक्सप्रेस से टकरा गई.

बिहार के नवादा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया, बोले-

कांग्रेस के जारी घोषणापत्र से तुष्टीकरण की राजनीति की बू आ रही है

भाषा। नवादा (बिहार)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि उसके द्वारा हाल में जारी घोषणापत्र में तुष्टिकरण की राजनीति की बू आ रही है और ये ऐसा है मानो इसे मुस्लिम लीग लेकर आई है. बिहार के नवादा जिले में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी आलोचना की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष कोई छोटा पद नहीं है. वह कहते हैं कि धारा 370 का राजस्थान से क्या लेना-देना है. यह टुकड़े-टुकड़े गैंग की मानसिकता है. उनके विचार राजस्थान और बिहार के सुरक्षाकर्मियों का अपमान हैं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए प्राण गंवाए और उनके शव तिरंगे में लिपटे हुए वापस आए. प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, बिहार में उसकी सहयोगी राजद और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के अन्य घटक संविधान के बारे में बात करना बहुत पसंद करते हैं.

पीएम उवाच

- हम मिलकर काम करें तो भारत हो सकता है विकसित
- मौका को गवाना नहीं है, 2024 का चुनाव बहुत अहम

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बाबा साहेब आम्बेडकर के संविधान को लागू क्यों नहीं किया. यह केवल मोदी के शासन में ही संभव हो सका.

घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग के विचारों की छाप : प्रधानमंत्री ने तीन तलाक प्रथा के खिलाफ अपनी सरकार के कदम का भी जिक्र किया और कहा कि दो दिन पहले कांग्रेस ने जो अपना घोषणा पत्र जारी किया है, उसमें भी मुस्लिम लीग के विचारों की छाप है. कांग्रेस ने घोषणा पत्र नहीं, तुष्टिकरण पत्र जारी किया है. उन्होंने कहा कि मोदी ने भारत को आंख दिखाने वालों को सबक सिखाने की गारंटी दी थी. जो भारत को आंख दिखाते थे वो अब आटे के लिए भटक रहे हैं.

आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है

मोदी ने कहा कि यह वह समय है जब हम मिलकर काम करें तो भारत विकसित हो सकता है. भारत अपनी गरीबी दूर कर सकता है. हमें इस मौका को गवाना नहीं है और इसलिए 2024 का यह चुनाव बहुत अहम हो गया है. उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में बिहार के लोगों ने देश हित में लिए गए अनेक बड़े निर्णय देखे हैं. आज भारत में बिहार में, आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण किया जा रहा है. आज आधुनिक एक्सप्रेसवे बन रहे हैं. रेलवे स्टेशनों आधुनिकरण हो रहा है. वंदे भारत जैसी ट्रेनें बढ रही हैं. डिजिटल क्रांति ने सरकार की सेवाओं को आपके मोबाइल में पहुंचा दिया है. आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है.

पीएम को चार जून के बाद लंबी छुट्टी पर जाना पड़ेगा : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पार्टी की गारंटियों से घबराए हुए हैं और अपनी कुर्सी बचाने की बौखलाहट में बेबुनियाद बातें कर रहे हैं. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के लोग अब पीएम के झूठ से थक चुके हैं.

गरीब का बेटा मोदी गरीब का सेवक है

मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है बिहार की यह महान धरती विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए अपना भरपूर आशीर्वाद देगी. उन्होंने कहा कि मोदी देश से गरीबी खत्म करने के मिशन में जुटा है. मैं भी आप ही की तरह गरीबी को जीकर यहां आया हूं. मैं कभी भूल नहीं सकता की 2014 से पहले देश में क्या स्थिति थी. करोड़ों देशवासी कच्चे घरों में रहने को को मजबूर थे या बेघर थे. देश गांवों में ज्यादर लोग खुले में शौच जाने के लिए मजबूर थे. गरीबों के पास ना गैस कनेक्शन था ना जल आता था. गरीबों का राशन बिचैलिए खा जाते थे. गरीब का बेटा मोदी गरीब का सेवक है. मैं जब तक देश के हर भाई-बहन की गरीबी दूर नहीं कर लूंगा, चैन से नहीं बैठूंगा.

तीन दशक बाद मेनका गांधी और वरुण गांधी इस सीट के चुनावी रण से बाहर

भाजपा ने पीलीभीत में झोंकी ताकत

भाषा। पीलीभीत (उप्र)

पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र में पिछले तीन दशक से भी ज्यादा वक्त तक अपना दबदबा कायम रखने वाले मां-बेटे यानी मेनका गांधी और वरुण गांधी इस बार इस सीट के चुनावी रण से बाहर हैं. वरुण का टिकट काटने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यहां अपने नए प्रत्याशी जितिन प्रसाद को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रही है. भाजपा इस प्रतिष्ठापूर्ण सीट पर अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए जोरदार तैयारी कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे. मेनका गांधी और वरुण गांधी वर्ष 1996 के बाद से पीलीभीत सीट पर भाजपा का झंडा लहराते रहे हैं, लेकिन इस बार पार्टी ने मौजूदा सांसद वरुण गांधी के बजाय प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद को चुनाव मैदान में उतारा है. वहीं सपा ने इस सीट पर भगवत सरन गंगवार को तथा बसपा से उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री अनीस अहमद को मैदान में उतारा है.

पीलीभीत में 19 अप्रैल को मतदान होगा : पीलीभीत में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा. जितिन प्रसाद ने साल 2004 और 2009 में क्रमशः शाहजहांपुर और धौरहरा निर्वाचन क्षेत्रों से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता था. वह 2021 में भाजपा में शामिल हो गए. वह इस लोकसभा चुनाव में मैदान में उतरने वाले उत्तर प्रदेश के एकमात्र कैबिनेट मंत्री हैं. हालांकि, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य प्रसाद को पीलीभीत में अपनी राजनीतिक जमीन बनाने के लिये जद्दोजहद करनी पड़ सकती है.

1989 में जनता दल से लोस सीट जीती थीं मेनका

मेनका गांधी ने पहली बार वर्ष 1989 में जनता दल के टिकट पर पीलीभीत लोकसभा सीट जीती थी, मगर 1991 में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था, लेकिन साल 1996 के चुनाव में उन्होंने फिर से जीत हासिल की. वह साल 1998 और 1999 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में फिर इसी सीट से सांसद चुनी गईं. उन्होंने 2004 और 2014 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में सीट जीती. उनके बेटे वरुण गांधी 2009 और 2019 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में पीलीभीत से सांसद बने.

तराई क्षेत्र में स्थित पीलीभीत में लगभग 18 लाख मतदाता हैं

पार्टी सूत्रों का कहना है कि पूरनपुर में पीएम की रैली मतदाताओं के मन में संदेह दूर करने और जितिन प्रसाद के पक्ष में वोट डालने के लिए आयोजित की गई है. 2014 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीलीभीत में लोकसभा चुनाव रैली की थी. नेपाल की सीमा से लगे तराई क्षेत्र में स्थित पीलीभीत में लगभग 18 लाख मतदाता हैं, जिनमें मुस्लिम और लोधी के बाद कुर्मी तीसरा सबसे बड़ा मतदाता समूह है. मौर्य, पासी और जाटव वोट बैंक हैं, इसके बाद बंगाली, ब्राह्मण और सिख मतदाता भी खासी संख्या में हैं.

राजनेताओं ने लंबे समय से पीलीभीत के मुद्दों की उपेक्षा की

स्थानीय लोगों का कहना है कि राजनेताओं ने लंबे समय से पीलीभीत के मूल मुद्दों की उपेक्षा की है. यहां के लोगों ने हमेशा भावनाओं के आधार पर वोट दिया है और समय के साथ इसमें बदलाव आ सकता है. हालांकि, जिले में पारिस्थितिक रूप से समृद्ध पीलीभीत बाघ अभयारण्य द्वारा संचालित एक बेहतर पर्यटन अर्थव्यवस्था है. मगर, बेहतर सड़क और रेल संपर्क जैसे पर्याप्त बुनियादी ढांचे के अभाव में इस क्षेत्र में विकास सीमित है. निर्वाचन क्षेत्र के अधिकांश हिस्से मानसून में शारदा नदी की बाढ़ से पीड़ित रहते हैं.

टिकट कटने के बाद वरुण ने लिखा था भावनात्मक पत्र

सांसद के रूप में कई बार अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर हुए वरुण गांधी ने टिकट कटने के बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को एक भावनात्मक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके साथ उनका रिश्ता उनकी आखिरी सांस तक बरकरार रहेगा.

बंगाल में गुंडों का काफी इलाकों पर नियंत्रण है

कानून-व्यवस्था पूरे बंगाल में खराब नहीं : राज्यपाल बोस

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं हुई है और राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका कारण अतीत की विरासत भी हो सकता है. बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच कई मुद्दों पर मतभेद रहा है. बोस ने यहां राजभवन में एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि उनकी और बनर्जी की धारणाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन वे एक उचित शिष्टाचार बनाए रखते हैं. उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपने मौजूदा कार्यकाल को 'उनके लिए तथ्यान्वेषण और डेटा-एकत्रित करने का समय' बताया. बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि गुंडों का काफी इलाकों पर नियंत्रण है. उन्होंने कहा कि मैंने संदेशखालि में देखा कि महिलाएं सम्मान के साथ शांति चाहती थीं, लेकिन उनका सम्मान खंडित हो गया था. यह चिंताजनक स्थिति थी जो पश्चिम बंगाल के परिदृश्य को खराब कर रही है. यह (स्थिति) कुछ क्षेत्रों तक सीमित है लेकिन इनकी संख्या बढ़ रही है.

यह समस्या है. इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि कानून-व्यवस्था पूरे पश्चिम बंगाल में ध्वस्त हो गई है, लेकिन ऐसे काफी क्षेत्र हैं जहां गुंडों का नियंत्रण है. बहरहाल, राज्यपाल ने राज्य के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया और कहा कि यह अतीत की विरासत थी.

प्रशांत किशोर का कांग्रेस को सुझाव राहुल गांधी को पीछे हट जाना चाहिए

भाषा। नयी दिल्ली

जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि यदि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं तो राहुल गांधी को अपने कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए. किशोर ने पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि गांधी, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, अपनी पार्टी चला रहे हैं और पिछले 10 वर्ष में अपेक्षित परिणाम नहीं देने के बावजूद वह न तो रास्ते से हट रहे हैं और न ही किसी और को आगे आने दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि 'मेरे अनुसार यह भी अलोकतांत्रिक है. उन्होंने विपक्षी पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए एक योजना तैयार की थी लेकिन उनकी रणनीति के क्रियान्वयन पर उनके और कांग्रेस नेतृत्व के बीच मतभेदों के चलते वह अलग हो गए थे. तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी के राजनीति से दूर रहने और 1991 में पीवी नरसिंह राव के कार्यभार संभालने को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब आप एक ही काम पिछले 10 वर्ष से कर रहे हैं और सफलता नहीं मिल रही है तो एक ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है... आपको चाहिए कि पांच साल तक यह जिम्मेदारी किसी और को सौंप दें.

दी नसीहत

- राहुल गांधी न हट रहे हैं, न किसी को आगे कर रहे हैं
- पिछले 10 वर्ष में कांग्रेस को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमले, 12 आतंकी ढेर

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिन में हुई आतंकवादी घटनाओं और सुरक्षा अभियानों में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित छह सुरक्षाकर्मी और 12 आतंकवादी मारे गए हैं. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने कहा कि बलूचिस्तान प्रांत में दो घटनाओं में चार आतंकवादी मारे गए हैं. आईएसपीआर ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में स्थित डेरा इस्माइल खान जिले में कुलाची तहसील के कोट सुल्तान इलाके में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान आठ आंतकवादी मारे गए.

लोकसभा चुनाव में 'बेरोजगारी' सबसे बड़ा मुद्दा : मल्लिकार्जुन खड़गे

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा द्वारा थोपी गई बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है. उन्होंने दावा किया कि युवा रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और देश जनसांख्यिकीय दुःस्वप्न का सामना कर रहा है.

खड़गे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 'युवा न्याय' के तहत कांग्रेस की 'पहली नौकरी पक्की' गारंटी काम और सीखने को अलग करने वाली बाधाओं को दूर करेगी, जिससे करियर के विकास के नए रास्ते खुलेंगे. भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के मामले का हवाला देते हुए खड़गे ने दावा किया कि 12 आईआईटी में, लगभग 30 प्रतिशत छात्रों को नियमित प्लेसमेंट नहीं मिल रहा है. उन्होंने कहा कि 21 आईआईएम में से केवल 20 प्रतिशत ही अब तक ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट पूरा कर सके हैं. अगर आईआईटी और आईआईएम में यह स्थिति है, तो कोई कल्पना कर सकता है कि भाजपा ने किस तरह से देश भर में हमारे युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है.

किया दावा

- देश जनसांख्यिकीय दु:स्वप्न का सामना कर रहा है
- 30% छात्रों को नियमित प्लेसमेंट नहीं मिल रहा है

कॅरियर-काउंसिलिंग

सोशियोलॉजी से संबद्ध लैंगिक अध्ययन का बैचलर्स व मास्टर्स पाठ्यक्रम कर बना सकते हैं कॅरियर

लैंगिक अध्ययन एक विशाल और अंत:विषय है, जिसे स्त्री-पुरुष और एलजीबीटी पहचान पर केंद्रित सोशियोलॉजी का एक उप-विषय भी माना जाता है. इसका उद्देश्य जातीयता, कामुकता, वर्ग और राष्ट्रीयता में लिंग पहचान और प्रतिनिधित्व का विश्लेषण करना है. इसमें महिलाओं का अध्ययन, नारीवादी दृष्टिकोण, राजनीति जैसे विषय शामिल हैं. इस विषय में डिग्री प्राप्त करने के दौरान आप निम्न विषयों का अध्ययन कर सकते हैं :

- जेंडर एंड टेक्नोलॉजी
- इंट्रोडक्शन टू वूमन एंड जेंडर स्टडीज
- कल्चर, रेस एंड आइडेंटिटी
- वूमन एंड वॉर
- जेंडर, पॉवर, लीडरशिप एंड द वर्कप्लेस
- चेंजिंग लाइफ: रीडिंग द इंटरसेक्शन ऑफ जेंडर, रेस, बायोलॉजी एंड लिटरेचर
- इंटरनेशनल विमेंस वॉइस
- जेंडर एंड मीडिया
- पॉपुलर कल्चर एंड नैरेटिव : लिटरेचर, कॉमिक्स एंड कल्चर
- लैंगिक अध्ययन के प्रमुख विषय
- लिंग अध्ययन का परिचय
- महिला के विरुद्ध क्रूरता
- युवाओं को समझना
- लिंग और समाज
- **लिंग और विकास** : दृष्टिकोण और रणनीति
- अनुसंधान क्रियाविधि
- नारीवादी आंदोलन
- नारीवादी सिद्धांत
- लिंग और अर्थव्यवस्था
- नारीवादी अनुसंधान पद्धति
- युवा विकास के लिए सकारात्मक मनोविज्ञान
- लिंग और स्वास्थ्य
- लिंग, पर्यावरण और आजीविका
- लिंग और गरीबी
- लिंग और मीडिया
- बैचलर्स पाठ्यक्रम
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जेंडर एंड वीमेंस स्टडिज

- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन सोशियोलॉजी – जेंडर, वर्क एंड फेमिली
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जेंडर रेस एंड आईडेंटीटी
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन वीमेन, जेंडर एंड सेक्सुअलिटी स्टडिज
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन हेल्थ एंड सोसाइटिज- रेस, जेंडर एंड हेल्थ
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन सोशियोलॉजी- जेंडर एंड सोसाइटी
- बैंचलर ऑफ साइंस इन साइकोलॉजी- वीमेंस स्टडिज
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जेंडर, वीमेन एंड सेक्सुअलिटी स्टडिज
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन वीमेंस, जेंडर एंड सेक्सुअलिटी
- बैचलर ऑफ ऑटर्स / मास्टर ऑफ ऑटर्स वीमेंस एंड जीएस
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जीएस
- बैचलर ऑफ ऑटर्स ऑनर्स इन सेक्सुअल डायवर्सिटी स्टडिज (स्पेशलिस्ट)
- **मास्टर्स पाठ्यक्रम**
- एमए इन जीएस
- एमफिल इन जेंडर एंड वीमेंस स्टडिज
- मास्टर ऑफ जेंडर स्टडिज
- एमए वीमेंस एंड जेंडर स्टडिज (जीईएमएमए)
- एमए जेंडर एंड मीडिया
- एमए इन जेंडर एंड वीमेंस स्टडिज एंड सोशियोलॉजी
- एम इन जेंडर, मीडिया एंड कल्चर
- मास्टर ऑफ आटर्स (वीमेंस स्टडिज)
- मास्टर ऑफ फिलॉस्फी-जीएस
- एम लिंट इन जीएस
- मास्टर ऑफ आटर्स इन वीमेंस,जेंडर एंड सेक्सयुलटिज स्टडिज
- मास्टर ऑफ आटर्स इन वीमेंस एंड जेंडर
- मास्टर ऑफ पब्लिक अफेयर्स एंड स्टडिज
- पोस्टग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन वीमेंस स्टडिज
- लैंगिक अध्ययन के लिए भारत के टॉप विश्वविद्यालय
- हिंदू कॉलेज, दिल्ली
- प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता
- गार्गी कॉलेज, दिल्ली
- रामजस कॉलेज, दिल्ली
- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता
- लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कोलकाता
- उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)